THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

टीएमपी विधायक की धमकी पर चुप रहे मुख्यमंत्री माणिक साहा

अगरतला, 6 जुलाई (एजेंसियां)। त्रिपुरा की राजनीति में एक बार फिर उबाल आ गया है। बीजेपी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार में शामिल टिपरा मोथा पार्टी (टीएमपी) के विधायक रंजीत देबबर्मा ने सरकार से समर्थन वापसी की धमकी दी है।

उन्होंने आरोप लगाया कि आदिवासियों के हित में किए गए 'टिपरासा समझौते' को लागू नहीं किया जा रहा। हालांकि, मुख्यमंत्री माणिक साहा ने इस पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और संयमित रुख अपनाया।

वर्ष-30 अंक : 101 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ शु.12 2082 सोमवार, 7 जुलाई-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

राम मंदिर में होगा ध्वजारोहण

पीएम मोदी सहित हजारों विशेष मेहमान होंगे शामिल

अयोध्या, 6 जुलाई (एजेंसियां)। रामलला के प्राण प्रतिष्ठा की ऐतिहासिक गूंज अभी भी जनमानस में ताजा है। राम मंदिर ट्रस्ट अब एक और भव्य अध्याय जोड़ने जा रहा है। नवंबर में प्रस्तावित ध्वजारोहण समारोह को लेकर तैयारियों ने गति पकड़ ली है। इस पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। यह आयोजन एक बार फिर अयोध्या को भक्तिभाव, वैदिक अनुष्ठानों और विश्वभर से जुटने वाले श्रद्धालुओं से सराबोर कर देगा।

ध्वजारोहण समारोह को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की तर्ज पर ही भव्यता प्रदान की जाएगी। मंदिर ट्रस्ट की ओर से मेहमानों की सूची तैयार की जा रही है, जिनमें देश-विदेश के संत, धर्माचार्य, प्रतिष्ठित गणमान्य अतिथि और रामभक्त शामिल रहेंगे। अनुमान है कि हजारों की संख्या में अतिथि इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बनेंगे। अयोध्या में मेहमानों की आगवानी के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। ट्रस्ट और प्रशासनिक तंत्र ने कमरे बुक करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रमुख होटल, धर्मशालाएं और गेस्ट हाउसों में आवास की व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को भी चाक-चौबंद किया जा रहा है। नवंबर में समारोह के लिए शुभ मुहूर्त भी ज्योतिषियों से निकलवाया जा रहा है। 16 नवंबर व 25 नवंबर दो शुभ तिथियों में से किसी एक तिथि के चयन पर विमर्श हो रहा है।

राम मंदिर के 161 फीट ऊंचे शिखर पर रामध्वज फहराया जाएगा। इसके अलावा परिसर के अन्य सभी मंदिरों के शिखर पर ध्वज फहराया जाएगा। रामध्वज का आरोहण केवल एक प्रतीकात्मक अनुष्ठान नहीं, बल्कि मर्यादा पुरुषोत्तम राम की विजय और धर्म की प्रतिष्ठा का उद्घोष होगा। यह आयोजन मंदिर निर्माण की पूर्णता की ओर बढ़ते कदम का संकेत भी माना जा रहा है। ध्वज पताका को वैदिक मंत्रोच्चार, संगीत, और विशेष पूजा विधियों के साथ मंदिर के शिखर पर फहराया जाएगा। कार्यक्रम में विविध प्रकार के अनुष्ठान भी होंगे। रामकथा का भी आयोजन संभव है।

बंगले में तय समय से ज्यादा रुके पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से कहा- खाली कराएं

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ का सरकारी बंगले में ज्यादा दिन तक रुकना अब विवाद का कारण बन गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि पांच, कृष्णा मेनन मार्ग स्थित बंगला तुरंत खाली करवाया जाए। यह बंगला देश के मुख्य न्यायाधीश का आधिकारिक निवास है।

चंद्रचूड़ नवंबर 2024 में रिटायर हुए थे, लेकिन अब तक वहीं रह रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने एक जुलाई को केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय को पत्र लिखकर कहा है कि देश के पूर्व मुख्य न्यायधीश चंद्रचूड़ तय समय से ज्यादा दिन बंगले में रह रहे हैं। नियम के मुताबिक रिटायरमेंट के बाद पूर्व मुख्य न्यायधीश को छह महीने तक टाइप-सात बंगले में रह सकते हैं। लेकिन चंद्रचूड़ टाइप-8 बंगले में आठ महीने से रह रहे हैं, जो नियमों का उल्लंघन है।

इस मुद्दे पर क्या बोले चंद्रचूड़

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस मुद्दे पर जब चंद्रचूड़ से संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि यह देरी उनके पारिवारिक कारणों की वजह से हुई। उन्होंने बताया कि उनकी दो बेटियों को विशेष देखभाल की जरूरत है और उनके लिए उपयुक्त घर ढूंढना आसान नहीं था। सरकार ने उन्हें किराए पर दूसरा घर दिया है, जिसकी मरम्मत चल रही है। मरम्मत पूरी होते ही वह शिफ्ट हो जाएंगे।

इन दो मुख्य न्यायाधीश ने नहीं लिया बंगला

दिलचस्प बात यह है कि चंद्रचूड़ के रिटायरमेंट के बाद दो मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना और वर्तमान मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कृष्णा मेनन मार्ग स्थित बंगला लेने से इनकार कर दिया। दोनों ने अपने पुराने आवास में ही रहना पसंद किया। इसी वजह से चंद्रचूड़ को बंगले में अतिरिक्त समय मिलने में आसानी हुई।

सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने दी थी सीमित मोहलत

सुप्रीम कोर्ट की तरफ से चंद्रचूड़ को पहले ही अप्रैल 2025 तक बंगला रखने की अनुमति दी गई थी। बाद में मई 2025 तक मौखिक रूप से मोहलत भी मिली। लेकिन अब वह समय भी बीत चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि अब और इंतजार नहीं किया जा सकता क्योंकि कई जजों को आवास की जरूरत है।

जिम्मेदारियों का एहसास है

चंद्रचूड़ ने कहा कि उन्हें पूरी तरह से अपनी जिम्मेदारियों का एहसास है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह कुछ ही दिनों में बंगला छोड़ देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इससे पहले कई पूर्व मुख्य न्यायाधीश को भी परिस्थितियों को देखते हुए अतिरिक्त समय दिया गया है। वह यह मुद्दा सुप्रीम कोर्ट प्रशासन के साथ पहले ही साझा कर चुके हैं।

सुप्रीम कोर्ट की साख पर सवाल

यह मामला इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में ऐसा कम ही देखा गया है जब अदालत को अपने आधिकारिक निवास को खाली कराने के लिए केंद्र सरकार को लिखित रूप से कहना पड़े। आमतौर पर ऐसे मामलों में अंदरखाने समाधान निकाल लिया जाता है। लेकिन मौजूदा हालात में अदालत को सख्त कदम उठाना पड़ा, जिससे यह मामला और ज्यादा सुर्खियों में आ गया है।

फिरोजपुर पुलिस ने ढ़ाई किलो हेरोइन, तीन पिस्तौलें व 17 कारतूस संग छह गिरफ्तार

फिरोजपुर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। फिरोजपुर पुलिस ने छह शातिरों को काबू किया है, पकड़े गए आरोपियों से ढ़ाई किलो हेरोइन, तीन पिस्तौल, 17 कारतूस व कार बरामद हुई है। पुलिस ने छह आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसएससी भूपेंद्र सिंह सिद्धू ने बताया कि आरोपी बलविंदर सिंह व चरणजीत कौर वासी निहाले वाला से एक किलो 815 ग्राम हेरोइन बरामद की है। जबकि आरोपी हरजिंदर सिंह से 280 ग्राम हेरोइन पकड़ी है। पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए 475 ग्राम हेरोइन व तीस ग्राम अफीम आई है, जो बीएसएफ ने बरामद की है।

इसके अलावा काउंटर इंटेलिजेंस यूनिट फिरोजपुर की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि आरोपी अरमान गिल वासी चर्च रोड अवैध असलहा की खरीद-फरोख्त करता है। इस समय श्मशानघाट कैंट रोड पर खड़ा ग्राहक का इंतजार कर रहा है। उक्त टीम ने बताई हुई जगह पर दबिश देकर आरोपी को काबू कर उसके पास से 30 बोर की एक पिस्तौल बरामद की है।

प्रधानमंत्री ने दी दलाई लामा को जन्मदिन की बधाई

धर्मशाला, 6 जुलाई (एजेंसियां)। तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा आज अपना 98वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दलाई लामा को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट की है। दलाई लामा के जन्मदिन पर उन्हें दुनियाभर के लोग बधाई दे रहे हैं। पीएम ने उन्हें प्रेम और धैर्य का प्रतीक बताया है।

प्रधानमंत्री ने लिखा कि मैं 1.4 अरब भारतीयों के साथ मिलकर दलाई लामा को उनके 90वें जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। वे प्रेम, करुणा, धैर्य और नैतिक अनुशासन के स्थायी प्रतीक रहे हैं। उनके मैसेज ने सभी धर्मों के लोगों में सम्मान और प्रशंसा को प्रेरित किया है। हम उनके निरंतर अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करते हैं।

तेलगु देशम पार्टी (टीडीपी) के प्रमुख और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नायुडू ने भी दलाई लामा को जन्मदिन की बधाई दी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उनके साथ एक तस्वीर भी शेयर की है। उन्होंने लिखा कि परम पावन दलाई लामा को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।

बेंगलुरू की कंपनी ने 3000 करोड़ ठगे पुलिस के हत्थे चढ़ा सबसे बड़ा साइबर फ्रॉड गिरोह

बेंगलुरू, 6 जुलाई (एजेंसियां)। साइबर फ्रॉड फिलहाल देश के लिए एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। रोजाना साइबर फ्रॉड की खबरें आम हो गई हैं। इसी बीच राजस्थान की भरतपुर पुलिस के हत्थे देश का सबसे बड़ा साइबर फ्रॉड गिरोह चढ़ा है। इस गिरोह को थाईलैंड और कंबोडिया से चलाया यानी ऑपरेट किया जा रहा था। ठगों ने बेंगलुरू में कंपनी खड़ी कर रखी थी, जिसमें ठगी के पैसों को मैनेज किया जाता था।

पुलिस ने कंपनी के दो सदस्यों को पकड़ा है, जिनसे पुलिस को पूछताछ में कई बातें पता चली हैं। पुलिस को पता चला है कि 100 से अधिक फर्जी कंपनियां खोली गईं। इसके जरिये ठगी के पैसों को घुमाया गया। इस कंपनी ने अब तक तीन हजार करोड़ का फ्रॉड किया है। ये कंपनी गेमिंग प्लेटफॉर्म और निवेश योजनाओं के जरिये लोगों से फ्रॉड कर रही थी।

सिर्फ चार खातों में ही 400 करोड़ रुपये का ट्रांजेक्शन :

कंपनी का नाम एबुंडेंस है। इस कंपनी के एक बैंक अकाउंट को लेकर अभी तक पांच हजार से अधिक शिकायतें दर्ज कराई जा चुकी हैं, लेकिन बैंकों ने न शिकायतों का निस्तारण किया और न ही अकाउंट फ्रीज किया। पुलिस ने अब तक 26 फर्जी कंपनियों के अकाउंट चेक किए हैं। सिर्फ चार खातों में ही 400 करोड़ रुपये के ट्रांजेक्शन होने के बारे में पुलिस को पता चला है।

यहां से शुरू हुई साइबर फ्रॉड कहानी :

दरअसल, इस साल अप्रैल में धौलपुर के बाड़ी पुलिस थाने में एक शिक्षक ने शिकायत दर्ज कराई कि उसके साथ 15 लाख रुपये का फ्रॉड हुआ। इसी के बाद साइबर फ्रॉड की ये कहानी शुरू हुई। पुलिस ने इस साइबर फ्रॉड के मामले की जांच शुरू की और ट्रांजेक्शन रूट को फॉलो किया। इसके बाद पुलिस को सैंकड़ो खातों के बारे में पता चला। फिर मूल कंपनी एबुंडेंस के बारे में पुलिस जानकारी हुई।

रोजाना एक करोड़ होते थे ट्रांसफर :

इस कंपनी का हेडक्वार्टर बेंगलुरू में है। कंपनी ट्राई-पे के नाम से पेमेंट ऐप चलाती है। इसका एक बड़े कॉरपोरेट बैंक में एक ही खाता चल रहा था, जिसके खिलाफ 5000 शिकायतें दर्ज कराई जा चुकी हैं। इसके बाद भी बैंक ने खाता चालू रखा है। पुलिस की पकड़ में आए कंपनी के एक डायरेक्टर ने बताया कि जो पैसे फर्जी कंपनियों के खाते में आते थे, वो उनको मूल कंपनी के खाते में ट्रांसफर करता था। ये रकम रोजाना एक करोड़ होती थी। भरतपुर रेंज के आईजी के राहुल प्रकाश ने बताया कि इस साइबर फ्रॉड गैंग का फैलाव कई राज्यों और देशों में है। ये स्कैम बहुत बड़ा हो सकता है, इसलिए पुलिस मुख्यालय से निवेदन किया गया है कि इसकी जांच सक्षम राज्य या केंद्रीय एजेंसी से कराई जाए।

सरकार का लक्ष्य भारत को वैश्विक स्तर पर विश्वसनीय भागीदार बनना है : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत की इंजीनियरिंग उत्कृष्टता दुनिया के कुछ सबसे उन्नत क्षेत्रों को सशक्त बना रही है। साथ ही कहा कि सरकार का लक्ष्य भारत को आपूर्ति श्रृंखलाओं में वैश्विक स्तर पर विश्वसनीय भागीदार बनाना है।

केंद्रीय मंत्री के अनुसार, भारत में विभिन्न ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) के माध्यम से पहले से ही बहुत सारे डिजाइन और इनोवेशन हो रहे हैं, हमारा लक्ष्य अब न केवल डिजाइन और इनोवेशन करना है, बल्कि यहां पेटेंट और उत्पादन करना भी है, जिससे भारत आपूर्ति श्रृंखलाओं में वैश्विक स्तर पर विश्वसनीय भागीदार बन सके।

उन्होंने देवनहल्ली में कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) एयरोस्पेस विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) का दौरा किया और देश में फ्रांसीसी प्रमुख सफ्रान एयरक्राफ्ट इंजन और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) की ज्वाइंट इनिशिएटिव की सराहना की। गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, एसईजेड में संचालित कई इकाइयों की लीडरशीप के साथ भी बातचीत की और नीति निर्माण प्रक्रिया को मजबूत करने में मदद करने के लिए उनकी बहुमूल्य प्रतिक्रिया और सुझाव लिए।

पिछले महीने, पेरिस एयर शो के 55वें संस्करण में, विमान इंजन के डिजाइन, विकास और उत्पादन में दुनिया की अग्रणी फ्रांसीसी इंजन निर्माता कंपनी सफ्रान एयरक्राफ्ट इंजन ने एलईएपी इंजन के रेटेटिंग पार्ट्स के उत्पादन के लिए भारत की अग्रणी एयरोस्पेस और रक्षा कंपनी एचएएल के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

'श्यामा प्रसाद मुखर्जी न होते तो कश्मीर भारत का हिस्सा न बन पाता' : अमित शाह

अहमदाबाद, 6 जुलाई (एजेंसियां)। देश की राजनीति और कश्मीर के मुद्दे पर बड़ा बयान देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को श्यामा प्रसाद मुखर्जी को याद किया। गुजरात के आणंद में आयोजित कार्यक्रम में अमित शाह ने कहा कि अगर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी न होते तो आज कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा न बन पाता। उन्होंने मुखर्जी के बलिदान और राष्ट्र के लिए उनके योगदान को याद किया।

अमित शाह ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अनुच्छेद 370 और जम्मू-कश्मीर को दी गई विशेष स्थिति का जोरदार विरोध किया था। उन्होंने 'एक देश में दो प्रधान, दो निशान और दो विधान नहीं चलेंगे' का नारा दिया। शाह ने कहा कि मुखर्जी ने कश्मीर की एकता के लिए खुद को बलिदान कर दिया, तभी जाकर आज जम्मू-कश्मीर भारत का पूरा हिस्सा है।

बंगाल और भारत की एकता में भी अहम भूमिका :

गृह मंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल को भारत का हिस्सा बनाए रखने में भी श्यामा प्रसाद मुखर्जी की बड़ी भूमिका रही। उन्होंने स्वामी प्रणवानंद के साथ मिलकर बंगाल की भारत में एकता सुनिश्चित की। शाह ने कहा कि जिस पार्टी की शुरूआत मुखर्जी ने सिर्फ 10 लोगों के साथ की थी, आज वही भारतीय जनता पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुकी है।

नेहरू सरकार से इस्तीफा देकर बनाई थी जनसंघ :

श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने आजादी के बाद नेहरू मंत्रिमंडल में शामिल होकर देश की औद्योगिक नीति बनाने में अहम योगदान दिया। उन्होंने चित्तरंजन लोकोमोटिव फैक्ट्री, सिंदरी फर्टिलाइज़र और हिंदुस्तान जैसी कई संस्थाओं की नींव रखी। लेकिन बाद में नेहरू सरकार की तुष्टीकरण नीति से असहमति जताते हुए उन्होंने इस्तीफा दे दिया और 1951 में भारतीय जनसंघ की स्थापना की।

मुखर्जी के योगदान से मजबूत हुआ देश का औद्योगिक ढांचा

अमित शाह ने कहा कि मुखर्जी केवल राजनीतिक नेता नहीं थे, बल्कि एक शिक्षाविद्, देशभक्त और दूरदर्शी भी थे। उनके पिता अशुतोष मुखर्जी ने कलकत्ता विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर और हाई कोर्ट के जज रहते देश की शिक्षा और न्याय व्यवस्था को मजबूत किया। मुखर्जी ने भी शिक्षा, उद्योग और राष्ट्रहित को प्राथमिकता दी।

कांग्रेस ने सिद्धारमैया को सौंपी नई जिम्मेदारी

क्या कर्नाटक से एक्जिट का बन गया प्लान? नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें तेज

बेंगलुरू, 6 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की ओबीसी (पिछड़ा वर्ग) राष्ट्रीय सलाहकार परिषद् का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने से राज्य की सियासत में नई हलचल पैदा हो गई है। पार्टी आलाकमान के इस फैसले को न सिर्फ राष्ट्रीय राजनीति की बड़ी रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है, बल्कि इससे राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें भी तेज हो गई हैं।

एआईसीसी ने परिषद की पहली बैठक 15 जुलाई को बेंगलुरू स्थित भारत जोड़ो भवन में आयोजित करने की योजना बनाई है। इसमें देशभर से ओबीसी नेताओं, संयोजकों, सचिवों और वरिष्ठ कांग्रेस पदाधिकारियों समेत करीब 90 नेताओं को आमंत्रित किया गया है। सूत्रों के अनुसार, इस बैठक में पांच पूर्व मुख्यमंत्री और 10 पूर्व केंद्रीय मंत्रियों के शामिल होने की संभावना है।

अध्यक्ष बनाए जाने की सिद्धारमैया को जानकारी नहीं :

सबसे हैरानी की बात यह रही कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने खुद मीडिया से बातचीत में स्वीकार किया कि उन्हें इस नियुक्ति की जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे 15 जुलाई को बैठक करने के लिए कहा गया है, लेकिन मुझे यह नहीं बताया गया कि मुझे अध्यक्ष बनाया गया है। मैंने एआईसीसी से इस बारे में बात नहीं की है।

'अदालतों की स्वतंत्रता से समझौता नहीं'

जजों की नियुक्ति पर सीजेआई बीआर गवई बोले

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बीआर गवई ने संविधान की व्याख्या से लेकर कॉलेजियम से जजों की नियुक्तियों और अदालतों की स्वतंत्रता को लेकर अहम बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कोर्ट की अदालतों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने भविष्य के लिहाज से संविधान की व्याख्या को लेकर बड़ी बात कही कि ये व्यावहारिक होनी चाहिए।

मुंबई में बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा सीजेआई बीआर गवई के सम्मान समारोह रखा गया था। इस दौरान सीजेआई गवई ने कहा कि जजों को ऐसा किसी भी तरह का काम नहीं करना चाहिए जिससे न्यायपालिका जैसे प्रतिष्ठित संस्थान की गरिमा को ठेस पहुंचे।

सीजेआई बोले- संविधान की व्याख्या व्यवहारिक हो :

सीजेआई ने कहा कि न्यायाधीशों से उम्मीद की जाती है कि वे अपने विवेक, पद की शपथ और कानून के मुताबिक काम करें। उन्हें केस का फैसला होने पर विचलित नहीं होना चाहिए। जज अपनी शपथ-प्रतिबद्धता के लिए सच्चे रहें। चीफ जस्टिस ने कहा कि कानून या संविधान की व्याख्या व्यावहारिक होनी चाहिए। ये समाज की जरूरत और वर्तमान पीढ़ी की परेशानियों के मुताबिक हो।

न्यायपालिका की स्वतंत्रता को लेकर कही बड़ी बात :

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने अदालतों में जजों की नियुक्ति पर कहा है कि किसी भी कीमत पर न्यायपालिका की स्वतंत्रता से समझौता नहीं किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट हाईकोर्ट में नियुक्तियों के दौरान कॉलेजियम तय करता है कि विविधता,समावेशिता के साथ-साथ योग्यता भी बनी रहे। वहीं बॉम्बे हाईकोर्ट को लेकर सीजेआई गवई ने अपने पुराने दिनों को याद किया और कहा कि मैंने यहां एक वकील और फिर जज के तौर पर काम सेवाएं दीं। जब लोग मेरे फैसलों की सराहना करते हैं तो गर्व महसूस होता है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय हथियारों की दीवानी दुनिया

रियाद, 6 जुलाई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत के स्वदेशी हथियारों का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है। इसका ताजा प्रमाण है भारत में विकसित अत्याधुनिक गाइडेड पिनाका रॉकेट सिस्टम की बढ़ती अंतर्राष्ट्रीय मांग। रिपोर्ट के मुताबिक सऊदी अरब के साथ साथ वियतनाम और इंडोनेशिया जैसे देशों ने पिनाका रॉकेट में गहरी दिलचस्पी दिखाई है। पिनाका रॉकेट बनाने वाली कंपनी सोलर इंडस्ट्रीज के कार्यकारी निदेशक मेजर जनरल वी आर्य (सेवानिवृत्त) ने खुलासा किया है कि सऊदी अरब, वियतनाम और इंडोनेशिया ने गाइडेड पिनाका रॉकेट सिस्टम प्राप्त करने में गहरी दिलचस्पी दिखाई है। इससे पहले आर्मीनिया को भारत से पिनाका रॉकेट खरीद चुका है, जिसका इस्तेमाल उसने अजरबैजान की हालत खराब करने के लिए किया था।

बंगाल में भी हो मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण : शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता, 6 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता और बीजेपी विधायक शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि तृणमूल शासित बंगाल में भी ऐसी प्रक्रिया होनी चाहिए। चुनाव आयोग ने बिहार में इस कवायद के तहत अयोग्य नामों को हटाने और सभी योग्य नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करने के उद्देश्य से एसआईआर शुरू किया है, ताकि विधानसभा चुनावों में सभी पात्र नागरिक मतदान कर सकें।

शुभेंदु अधिकारी ने कहा, यह एक अच्छा कदम है और इससे पारदर्शिता आएगी। जिन अवैध प्रवासियों ने देश की मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा लिया है, उन्हें चिन्हित किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, जिन लोगों ने फर्जी आधार कार्ड और पहचान पत्रों के जरिये खुद का नाम मतदाता सूची में शामिल कराये हैं, उनके नामों को सूची से हटाया जाना चाहिए। शुभेंदु अधिकारी पहले भी आरोप लगा चुके हैं कि बांग्लादेश से आए अवैध प्रवासियों ने बंगाल में खुद को मतदाता सूची में दर्ज करा लिया है और उन्होंने इनकी पहचान कर नाम हटाने की मांग की थी। उन्होंने कहा था, बंगाल में भी विशेष गहन पुनरीक्षण होना चाहिए। रोहिंग्या जैसे लोग, जिन्होंने फर्जी आधार कार्ड और जन्म प्रमाणपत्र के जरिए खुद को पंजीकृत करा लिया है, उन्हें भी पहचाना जाना चाहिए।

गर्लफ्रेंड की फरमाइश पूरी करने के लिए बना एटीएम ठग

छिंदवाड़ा, 6 जुलाई (एजेंसियां)। महंगे शौक और गर्लफ्रेंड की फरमाइशें पूरी करने की चाह में सिवनी के एक युवक ने अपराध का रास्ता चुन लिया। आरोपी विनोद उर्फ रोहित गौतम अपने साथी अनुज सिगोतिया के साथ मिलकर लोगों को झांसे में लेकर एटीएम कार्ड बदलता और खाते से रकम उड़ा देता था। शहर के बस स्टैंड और परशुराम वाटिका के पास स्थित एटीएम में दो वारदात को अंजाम देने के बाद पुलिस ने दोनों को दबोचा। छिंदवाड़ा कोतवाली टीआई आशीष धुर्वे ने जानकारी देते हुए बताया कि 30 जून को दिलीप सूर्यवंशी नामक व्यक्ति बस स्टैंड के एसबीआई एटीएम से पैसे निकालने आया था। उसी दौरान उसके पीछे खड़े युवक ने पासवर्ड देख लिया और बातचीत के दौरान दिलीप का एटीएम कार्ड बदल लिया। बाद में दिलीप के खाते से 79 हजार रुपये निकाल लिए गए।

इसी तरह 3 जून को परशुराम वाटिका के पास स्थित एसबीआई एटीएम से पाठाढाना निवासी यशवंत राव कालबांडे का भी कार्ड बदलकर आरोपी ने उनके खाते से 30 हजार रुपये निकाल लिए। शिकायतों के आधार पर पुलिस ने एटीएम के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले और दोनों आरोपियों की पहचान कर ग्राम कुड़ारी (थाना धनौरा) निवासी विनोद उर्फ रोहित पिता डालचंद गौतम और अनुज पिता राजेन्द्र सिंह सिगोतिया को गिरफ्तार कर लिया।

नदी में उफान लहरों के बीच ट्रैक्टर से सफर

शिवपुरी, 6 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी-जिले की कोलारस विधानसभा के अंतर्गत आने वाले लुकवासा क्षेत्र से राजस्थान बॉर्डर को जोड़ने वाले एक इलाके में एक पुल की दरकार है। ग्रामीण इस पुल की शासन-प्रशासन और जिम्मेदार प्रतिनिधियों से लगातार मांग करते आ रहे हैं। इसके बावजूद भी यह पुल 8 साल से नहीं बन सका है। यही वजह है कि इस इलाके से जुड़े 15 गांवों के ग्रामीण मजबूर होकर खतरे के निशान से ऊपर बहती हुई नदी को अपनी जान जोखिम में डालकर पार करने के लिए मजबूर हैं। गहरे पानी में ट्रैक्टर से नदी पार करते हुए मजबूर ग्रामीण का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल है। जिले की कोलारस विधानसभा के अंतर्गत आने बाले लुकवासा से होकर गुजरने वाली करई नदी अक्सर बाढ़ हालातों से ग्रामीणों का आमना सामना करवाती है।

ग्रामीणों की लगातार मांग पर पंचायत स्तर से कई बार पुल निर्माण के लिए प्रस्ताव भेजे गए, लेकिन विभागीय अधिकारी और जनप्रतिनिधि कोई सुनवाई नहीं कर रहे हैं। हर बारिश में गांवों के सामने स्कूल अस्पताल और खेती तक पहुंचने का संकट खड़ा हो जाता है। ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें अपनी जान जोखिम में डालने का कोई शौक नहीं है, लेकिन पुल नहीं होने से उन्हें मजबूरी में यही रास्ता अपनाना पड़ता है। इसका असर बच्चों की पढ़ाई, बीमारों के इलाज और खेती-किसानी पर भी पड़ रहा है, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

चुनाव आयोग के खिलाफ

सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने चुनाव आयोग के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। महुआ मोइत्रा ने ईसीआई के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें बिहार में मतदाता सूची की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी विशेष पुनरीक्षण की बात कही गई है। याचिका में मांग की गई है कि सुप्रीम कोर्ट इस आदेश पर तत्काल रोक लगाए और ईसीआई को निर्देश दे कि वो देश के बाकी राज्यों में भी ऐसा कोई आदेश ना जारी करे। महुआ मोइत्रा का आरोप है कि यह आदेश मनमाना, असंवैधानिक और गरीबों, महिलाओं और प्रवासी मतदाताओं को वोटिंग प्रक्रिया से बाहर करने वाला है।

हाल ही में इसलिए चर्चा में थीं महुआ

हालही में महुआ मोइत्रा उस वक्त चर्चा में रही थीं, जब उन्होंने पूर्व बीजद सांसद और सीनियर वकील पिनाकी मिश्रा के साथ बर्लिन में शादी की थी। इसके अलावा वह तब भी चर्चा में थीं, जब कल्याण बनर्जी ने महुआ मोइत्रा पर व्यक्तिगत टिप्पणी करते हुए बहुत कुछ ऐसा कह दिया जो विवादास्पद है। बनर्जी ने कहा कि महुआ मोइत्रा नई-नई शादी कर हनीमून पर गईं थीं और जल्द ही अपने हनीमून से लौटी हैं और आते ही उन्होंने मेरे ऊपर हमला बोल दिया है। उन्होंने महुआ पर एक परिवार को तोड़ने का भी आरोप लगाया।

कौन हैं महुआ मोइत्रा?

महुआ मोइत्रा एक भारतीय राजनेता और अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख नेता हैं। वे पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद हैं और अपनी बेबाक शैली और केंद्र सरकार की नीतियों की तीखी आलोचना के लिए जानी जाती हैं। उनकी राजनीतिक यात्रा, शैक्षणिक पृष्ठभूमि और विवादों ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में रखा है। महुआ मोइत्रा का जन्म 12 अक्टूबर 1974 को असम के कछार जिले के लाबाक में एक बंगाली हिंदू ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम द्विपेंद्र लाल मोइत्रा और माता का नाम मंजू मोइत्रा है।

उन्होंने कोलकाता के गोखले मेमोरियल गर्ल्स स्कूल से प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की और बाद में अमेरिका के मैसाचुसेट्स में माउंट होलोक कॉलेज से अर्थशास्त्र और गणित में स्नातक किया। राजनीति में प्रवेश से पहले, महुआ ने जेपी मॉर्गन चेज़ में निवेश बैंकर के रूप में न्यूयॉर्क और लंदन में काम किया, जहां वे उपाध्यक्ष के पद तक पहुंचीं।

2009 में, अपने कॉलेज के 10वें रीयूनियन के दौरान, उन्होंने बैंकिंग छोड़कर भारत में सार्वजनिक सेवा में आने का फैसला किया।

'काम और जीवन का संतुलन बनाकर रखें'

बॉम्बे हाईकोर्ट में जजों की कमी पर जस्टिस दत्ता की सलाह

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस दीपांकर दत्ता ने बॉम्बे उच्च न्यायालय में जजों की कमी पर बात की और कहा जजों को सलाह दी कि वे जीवन और काम में संतुलन बनाकर चलें और अपनी सेहत के साथ कोई समझौता न करें। मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान जस्टिस दत्ता ने ये बातें कही। इस कार्यक्रम में मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई को सम्मानित किया गया।

जजों की कमी पर कसा तंज

बॉम्बे उच्च न्यायालय में जजों की कमी पर जस्टिस दत्ता ने कहा कि 'साल 2013 में बॉम्बे हाईकोर्ट में जजों की संख्या 75 से 94 तक पहुंच गई थी। 2013 से 2020 के बीच सिर्फ एक बार बॉम्बे उच्च न्यायालय में जजों की संख्या ने 75 का आंकड़ा छुआ, लेकिन उसके बाद यह आंकड़ा कभी नहीं छुआ गया, 94 जजों की तो बात ही छोड़ दीजिए।' बॉम्बे उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रहे जस्टिस दीपांकर दत्ता ने जीवन और काम में संतुलन बनाकर रखने की बात कही और काम के चक्कर में सेहत से समझौता न करने की सलाह दी।

मणिपुर में महिला समेत दो उग्रवादी गिरफ्तार

12 राइफल समेत भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद

इंफाल, 6 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर के थौबल और इंफाल वेस्ट जिलों में सुरक्षाबलों ने एक प्रतिबंधित संगठन से जुड़े दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। जिनमें एक महिला भी शामिल है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि चंदेल जिले के विभिन्न हिस्सों में तलाशी अभियान के दौरान हथियार और विस्फोटक बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन प्रेपक (प्रो) की एक महिला कैडर को शनिवार को थौबल जिले के सलुंगफम इलाके से गिरफ्तार किया गया, जबकि संगठन के एक अन्य सदस्य को इम्फाल वेस्ट जिले के नगमापाल इलाके से पकड़ा गया। अधिकारी के मुताबिक राज्य में फिरौती और आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों की गिरफ्तारी के लिए खुफिया सूचनाओं के आधार पर तलाशी अभियान और घेराबंदी की जा रही है। चंदेल जिले में शुक्रवार को तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने हथियार और गोलाबारूद बरामद किए। बरामद सामग्री में 12 राइफल, चार आईईडी और चार ग्रेनेड शामिल हैं। गौरतलब है कि मणिपुर में दो साल पहले भड़की जातीय हिंसा के बाद से सुरक्षाबलों द्वारा लगातार तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं। मई 2023 से मेइती और कुकी-जो समुदायों के बीच हुई जातीय हिंसा में अब तक 260 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग बेघर हो चुके हैं। केंद्र सरकार ने 13 फरवरी को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया था, जिसके बाद मुख्यमंत्री एन। बीरेन सिंह ने इस्तीफा दे दिया था।

मुहर्रम के लिए तैयार किए गए आग के घेरे में गिरा हनुमंत नाम का शख्स, हुई मौत

रायचूर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के रायचूर जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां के यारागुंटी गांव में मुहर्रम के लिए तैयार किए गए आग के घेरे में एक 40 साल का शख्स गिर गया और उसकी मौत हो गई। शख्स की पहचान हनुमंत के रूप में हुई है। दरअसल जैसे ही ये घटना घटी तो घायल को लिंगसुगुर सरकारी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वह बच नहीं सका और उसे मृत घोषित कर दिया गया। ये जानकारी लिंगसुगुर पुलिस ने दी है। बिहार के दरभंगा जिले में भी मुहर्रम के मौके पर दर्दनाक हादसा हो गया।

यहां मुहर्रम के जुलूस के दौरान हाईटेंशन तार से ताजिया टकरा जाने से उसमें करंट दौड़ गया। इस हादसे में कुल 24 लोग घायल हो गए हैं। वहीं एक व्यक्ति की मौत भी हो गई। मुहर्रम इस्लाम धर्म के शिया समुदाय द्वारा मुख्य रूप से इमाम हुसैन इब्न अली, जो पैगंबर मुहम्मद के नाती थे, की शहादत की याद में मनाया जाता है।

भाजपा नेता दिलीप घोष ने पूछा

जब यूनियन का चुनाव नहीं तो कॉलेज में दफ्तर क्यों

कोलकाता, 6 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व सांसद और भाजपा के नेता दिलीप घोष ने कोलकाता गैंगरेप केस को लेकर कहा, हर विश्वविद्यालय और कॉलेज में यूनियन रूम नहीं होना चाहिए, उसको टीएमसी पार्टी का ऑफिस बना देना चाहिए। कोलकाता के एक लॉ कॉलेज में एक छात्रा के साथ हुए बलात्कार की घटना के बाद कलकत्ता हाई कोर्ट ने एक आदेश जारी किया। कोर्ट ने छात्र संघ चुनाव होने तक कॉलेज और यूनिवर्सिटी में छात्र संघ के कमरों को बंद रखने के आदेश दिए हैं।

चुनाव होता नहीं, यूनियन रूम क्यों खुला है?- घोष

इस पर दिलीप घोष ने कहा, चुनाव होता नहीं, यूनियन का दफ्तर क्यों खुला है? वहां इस प्रकार दुष्कर्म करने के लिए? हर विश्वविद्यालय और कॉलेज में यूनियन रूम नहीं होना चाहिए, उसको टीएमसी पार्टी का ऑफिस बना देना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि जब यूनियन नहीं है, यूनियन का कोई चुनाव नहीं है, तो ऑफिस क्यों बनाया है? पहले इस पर ताला मारना चाहिए। जब तक यह रहेगा, इस प्रकार की घटना घटती रहेगी।

सावित्री मित्रा के बयान पर दी कड़ी प्रतिक्रिया

तृणमूल कांग्रेस विधायक सावित्री मित्रा के 'इस्लाम हमारा पसंदीदा धर्म है' वाले बयान पर दिलीप घोष ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि किसी नेता को ऐसा कहने से पहले यह सोचना चाहिए कि वे किस समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं। धर्म का इस्तेमाल राजनीति में वोट बैंक के लिए नहीं होना चाहिए। राजनीतिक माहौल में शमिक सुकांत्र का 'जय मांकाली' नारा देकर चुनाव मैदान में उतरना भी चर्चा का विषय बना हुआ है। इस पर दिलीप घोष ने कहा कि भाजपा हमेशा बंगाली संस्कृति और परंपराओं की रक्षा के लिए खड़ी रही है। हम 'जय मांकाली' और 'जय श्रीराम' जैसे नारों में विश्वास करते हैं, इसे बोलने में कोई आपत्ति नहीं है।

राहुल गांधी के विपक्ष के नेता के रूप में एक साल पूरा होने पर जब उनसे उनकी किसी एक उपलब्धि के बारे में पूछा गया, तो दिलीप घोष ने कटाक्ष करते हुए कहा, लोगों को तो यह भी याद नहीं कि वे नेता प्रतिपक्ष हैं, उपलब्धि तो बहुत दूर की बात है। उन्होंने कहा, उल्टा-सीधा बोलना छोड़कर कुछ नहीं करते वे।

भाजपा नेता गिरीश महाजन का दावा: शिवसेना यूबीटी के कई सांसद और विधायक मेरे संपर्क में

मुंबई, 6 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के वरिष्ठ भाजपा नेता और मंत्री गिरीश महाजन ने रविवार को दावा किया कि शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के कई सांसद और विधायक उनके संपर्क में हैं, क्योंकि लोगों को अब उद्धव ठाकरे के नेतृत्व पर भरोसा नहीं रह गया है। महाजन ने तीन-भाषा नीति को लेकर राज्य में चल रहे विवाद के बीच उद्धव ठाकरे को पलटीबहादुर बताते हुए उन पर अपरिपक्व व्यवहार का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी कहा कि उद्धव ठाकरे ने मुख्यमंत्री बनने की चाह में अपने पिता (शिवसेना संस्थापक) बाल ठाकरे की विचारधारा से समझौता किया और अपने राजनीतिक भविष्य को खुद बर्बाद कर लिया। भाजपा नेता की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब एक दिन पहले उद्धव ठाकरे और उनके चचेरे भाई तथा महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे ने मुंबई में आयोजित एक रैली में करीब दो दशकों बाद पहली बार मंच साझा किया था।

यह रैली राज्य सरकार द्वारा कक्षा एक से हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में शामिल करने संबंधी दो सरकारी प्रस्ताव (जीआर) वापस लेने के फैसले के बाद हुई। रविवार को सोलापुर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए महाजन ने कहा, आज भी उद्धव ठाकरे गुट के कई विधायक और सांसद मेरे संपर्क में हैं। उन्होंने आगे कहा, अगर आपको यकीन नहीं है, तो आप बहुत जल्द इसे अपनी आंखों से देख लेंगे। महाजन ने दावा किया कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में अब जनता का भरोसा नहीं रह गया है। वहीं तीन-भाषा नीति के मुद्दे पर महाजन ने कहा, हिंदी को लागू करने का निर्णय उद्धव ठाकरे की अपनी सरकार का था। उस प्रस्ताव को कैबिनेट ने पास किया था और फाइल पर उनके खुद के दस्तखत हैं। अब वही फैसले का विरोध कर रहे हैं, जिसे उन्होंने खुद मंजूरी दी थी। यह सीधा यू-टर्न है।

गिरीश महाजन ने उद्धव ठाकरे को पलटीबहादुर कहते हुए आरोप लगाया कि उनका व्यवहार बेहद अपरिपक्व है। उन्होंने कहा, उद्धव ठाकरे ने सिर्फ मौजूदा सरकार का विरोध करने के लिए अपना रुख बदला है। आगामी जिला परिषद, पंचायत समिति और नगरपालिका चुनावों के नतीजे यह दिखा देंगे कि जनता किस नेता पर कितना भरोसा करती है। महाजन ने यह भी आरोप लगाया कि उद्धव ठाकरे ने अपने पिता बालासाहेब ठाकरे की विचारधारा को छोड़ दिया।

26,000 से ज्यादा भक्तों ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

श्रीनगर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। श्री अमरनाथ जी यात्रा 2025 के तीसरे दिन भी बालटाल और नुनवन आधार शिविरों से बाबा बर्फानी के भक्तों का तीसरा जत्था पवित्र अमरनाथ गुफा की ओर रवाना हुआ। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक पहले दो दिनों में 26,863 श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन करने पहुंचे। घाटी में पड़ रही भीषण गर्मी भी भक्तों की आस्था और श्रद्धा को प्रभावित नहीं कर रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दोनों आधार शिविरों से सुबह करीब पांच बजे भक्तों का जत्था बम बम भोले और जय शिव शंकर के जयघोष लगाते हुए पवित्र गुफा की ओर रवाना हुए। करीब साढ़े सात हजार से अधिक यात्री तीसरे दिन गुफा की ओर रवाना हुए। नुनवन आधार शिविर से अपनी यात्रा शुरू करने वाले पुणे से आये पंकज ने कहा कि वह पिछले करीब नौ वर्षों से यात्रा पर आ रहे हैं लेकिन इस वर्ष मौसम पिछले कई वर्षों की तुलना में गर्म है।

खरगोश, लोमड़ी और इगुआना

मुंबई हवाई अड्डे पर यात्री के बैग से निकले 45 जानवर, दम घुटने से कई मरे, जांच टीम हैरान

मुंबई, 6 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अजीबोगरीब मामला देखने को मिला है। सीमा शुल्क अधिकारियों ने शनिवार को एक यात्री से 'रैकून', काली लोमड़ी और 'इगुआना' समेत 45 जंगली जानवर जब्त किए हैं। हवाई अड्डे पर मौजूद अधिकारी ने कहा कि इस यात्री को तड़के थाई एयरवेज की उड़ान से मुंबई पहुंचने पर पकड़ा गया। बैग की तलाशी लेने के दौरान सीमा शुल्क विभाग की टीम को यात्री के बैग से 45 जानवर मिले हैं। इन जानवरों में 'रैकून', 'हाईरेक्स (जो खरगोश जैसे दिखते हैं)', काली लोमड़ी और 'इगुआना' आदि शामिल थे। अधिकारियों ने कहा कि इन जानवरों को तस्करी के जरिए लाया जा रहा था। यात्री के बैग में रखे कई जानवरों की दम घुटने से मौत भी हो गई थी। अधिकारी ने कहा कि 'रेसक्विंक एसोसिएशन फोर वाइल्डलाइफ वेलफेयर' के विशेषज्ञों ने जानवरों की देखभाल और उन्हें स्थिर करने में मदद की, जिन्हें वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार उनके मूल देश में वापस भेज दिया जाएगा।

बता दें कि पिछले 35 दिनों में मुंबई हवाई अड्डे पर 380 जानवरों की तस्करी के मामले सामने आए हैं, जिनमें 15 विभिन्न प्रजातियों जैसे शुगर ग्लाइडर, पिट वाइपर, और हनी बेयर शामिल हैं। जून 2025 में चार मामलों में 284 विदेशी जानवर, जिनमें सांप, इगुआना, और संरक्षित प्रजातियां शामिल थीं। सभी जानवरों को जब्त कर लिया गया था। पांच लोगों को गिरफ्तार भी किया गया था।

भगवान जगन्नाथ की सोने के गहनों की सजावट देखने उमड़े श्रद्धालु, पुलिस ने जारी किया अलर्ट

भुवनेश्वर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। पुरी में भगवान जगन्नाथ की भव्य 'सुना बेशा' यानी स्वर्णाभूषण सजावट के मौके पर रविवार को बड़ी संख्या में भक्त उमड़ पड़े। ओडिशा पुलिस ने स्थिति को देखते हुए पुरी आने वाले श्रद्धालुओं के लिए विशेष अलर्ट जारी किया है।

पुलिस ने ट्रैफिक और भीड़ प्रबंधन को लेकर जरूरी दिशा-निर्देश भी साझा किए हैं। ओडिशा पुलिस ने एक्स (पहले ट्विटर) पर जानकारी दी कि रातभर से ही भारी संख्या में श्रद्धालु पुरी पहुंच रहे हैं। इससे शहर की ज्यादातर पार्किंग फुल हो चुकी हैं। पुलिस ने बताया कि अब वाहन तालाबानिया और स्टर्लिंग की ओर भेजे जा रहे हैं।

बाटागांव और मलतीपटपुर में भी लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। इसलिए भक्तों से अनुरोध है कि वे इस जानकारी को ध्यान में रखते हुए अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

नहीं थमा भक्तों का सैलाब

शनिवार रात भी पुरी में भक्तों की भारी भीड़ रही। दरअसल, उस रात भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहनों को रथों पर ही रखा गया था और लगातार दर्शन का मौका दिया गया।

श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि शनिवार रात कोई 'पहुड़ा' यानी विश्राम नहीं हुआ, जिससे श्रद्धालुओं को रातभर रथ पर विराजमान देवताओं के दर्शन करने का अवसर मिला।

रथ यात्रा के बाद 'सुना बेशा' की भव्य तैयारी

रविवार सुबह सेवकों ने भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के सभी पारंपरिक अनुष्ठान पूरे किए। तीनों देवता अपने-अपने रथों पर विराजमान रहे। 'तालध्वज', 'दर्पदलन' और 'नंदीघोष' नामक ये तीन रथ मंदिर के 'सिंह द्वार' यानी मुख्य द्वार के सामने खड़े हैं। नौ दिन की वार्षिक रथ यात्रा पूरी होने के बाद 'बहुड़ा यात्रा' भी शनिवार को सकुशल संपन्न हुई।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, पिछली घटना से प्रशासन सतर्क

29 जून को श्री गुंडिचा मंदिर के पास मची भगदड़ में तीन श्रद्धालुओं की मौत के बाद प्रशासन अतिरिक्त सतर्क है। पुलिस ने सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन और ट्रैफिक नियंत्रण के लिए व्यापक व्यवस्था की है। जगन्नाथ मंदिर प्रशासन के अधिकारी ने बताया कि सेवकों और प्रशासन के सहयोग से 'सुना बेशा' के दौरान व्यवस्था बनाए रखने के प्रयास किए जा रहे हैं।

जगन्नाथ मंदिर प्रशासन द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, भक्त शाम साढ़े छह बजे से रात 11 बजे तक भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा के 'सुना बेशा' स्वरूप के दर्शन कर सकते हैं। प्रशासन ने लोगों से संयम और सहयोग की अपील की है ताकि यह आयोजन सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से पूरा हो सके।

श्रद्धालुओं से विशेष अनुरोध, धैर्य रखें और नियम मानें

मंदिर प्रशासन ने प्रमुख अरविंद पद्ही ने सभी से अपील की है कि वे प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। पुलिस और स्वयंसेवक व्यवस्था बनाए रखने में जुटे हैं। भक्तों से कहा गया है कि धैर्य रखें, भीड़ में धक्का-मुक्की न करें और जरूरत पड़ने पर वैकल्पिक मार्ग का इस्तेमाल करें। 'सुना बेशा' भगवान जगन्नाथ की भव्य परंपरा है, जिसमें हर साल लाखों श्रद्धालु हिस्सा लेते हैं।

गुजरात के आम आदमी पार्टी विधायक चैतर वसावा गिरफ्तार, हत्या की कोशिश का आरोप

अहमदाबाद, 6 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात में आम आदमी पार्टी के विधायक चैतर वसावा को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी हत्या के एक मामले में हुई है। वसावा पर हत्या की कोशिश का आरोप लगा है। वहीं आप विधायक को हिरासत में लिए जाने के बाद आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने दावा किया कि विसावदर उपचुनाव में आप के हाथों हार के बाद भाजपा बौखला गई है।

किस मामले में हुई गिरफ्तारी

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गुजरात के नर्मदा जिले के डेडियापाड़ा प्रांत ऑफिस में 'अपनो तालुको, वाइब्रेंट तालुको' का बैठक के दौरान विधायक चैतर वसावा और तालुका पंचायत प्रमुख संजय वसावा के बीच तीखी नोकझोंक हो गई और इस दौरान कथित तौर पर हाथापाई हुई। संजय वसावा ने शिकायत में बताया है कि चैतर ने अपना मोबाइल उनके सिर पर मारा, जिससे उनके सिर में चोट लगी है। हंगामे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और चैतर वसावा को हिरासत में ले लिया। चैतर के समर्थकों और आप प्रदेश अध्यक्ष ईशुदान गढ़वी का आरोप है कि चैतर के साथ हाथापाई की गई, लेकिन इसके बावजूद पुलिस ने उनके खिलाफ ही शिकायत दर्ज कर ली।

हत्या की कोशिश की धाराओं में मामला दर्ज

पुलिस का कहना है कि चैतर वसावा के समर्थकों ने विधायक की गिरफ्तारी पर हंगामा किया। हालांकि काफी मशक्कत के बाद पुलिस चैतर को राजपीपड़ा स्थित एससीबी कार्यालय ले गई। पुलिस ने कहा है कि विवाद किन मुद्दों पर हुआ, इसकी जांच की जाएगी। जिन प्रांत ऑफिस अधिकारियों की मौजूदगी में पूरा मामला हुआ, उनके बयान दर्ज किए जाएंगे। पुलिस ने हत्या के प्रयास और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने जैसे आरोपों में चैतर वसावा के खिलाफ मामला दर्ज किया है। साथ ही वसावा के समर्थकों के हंगामे को देखते हुए इलाके में चार लोगों के इकट्ठा होने पर रोक लगा दी गई है।

अरविंद केजरीवाल बोले- आप डरने वाली नहीं

वहीं चैतर वसाना की गिरफ्तारी पर आप नेता अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया। इस पोस्ट में केजरीवाल ने लिखा कि 'गुजरात में आप विधायक चैतर वसावा को भाजपा ने गिरफ्तार कर लिया। विसावदर उपचुनाव में आप के हाथों हार के बाद भाजपा बौखलाई हुई है। अगर उन्हें लगता है कि इस तरह की गिरफ्तारियों से आप डर जाएगी तो ये उनकी सबसे बड़ी भूल है। गुजरात के लोग अब भाजपा के कुशासन, भाजपा की गुंडागर्दी और तानाशाही से परेशान हो चुके हैं। भाजपा को अब गुजरात की जनता जवाब देगी।'

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 7 जुलाई, 2025 3

युविचार

कल की चिंता नहीं
कल की उत्सुकता
होनी चाहिए

ओबीसी आरक्षण मुद्दा गरमाया

ओबीसी आरक्षण बढ़ाकर 42 प्रतिशत करने का विधेयक पारित

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में सभी राजनीतिक पार्टियां स्थानीय निकाय चुनाव में पिछड़ा वर्ग आरक्षण के मुद्दे पर लाभ लेने के लिए एक दूसरे से होड़ कर रही हैं। उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को तीन महीने में स्थानीय निकाय चुनाव कराने का निर्देश दिया है। ऐसे में सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी और विपक्षी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और भाजपा तीनों ही पार्टियां आरक्षण के मुद्दे का फायदा उठाना चाहती हैं। कांग्रेस और बीआरएस, भाजपा पर दबाव बना रही हैं कि वे केंद्र सरकार से आरक्षण विधेयक को मंजूर कराएं।

राज्य विधानसभा से तेलंगाना में ओबीसी आरक्षण बढ़ाकर 42 प्रतिशत करने का विधेयक पारित हो गया है। वहीं भाजपा का आरोप है कि ओबीसी आरक्षण लागू करना राज्य सरकार के हाथ में है।

आरक्षण के मुद्दे पर श्रेय लेने की होड़

बीआरएस एमएलसी के कविता ने तो इस मुद्दे पर 17 जुलाई को रेल रोको अभियान का आह्वान किया है ताकि केंद्र सरकार पर दबाव बनाया जा सके। साथ ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भी पत्र लिखा है, जिसमें राज्य सरकार को निर्देश देने की मांग है कि 42 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण लागू करने के बाद ही राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव होने चाहिए। के कविता ने ओबीसी आरक्षण को लेकर कांग्रेस के शीर्ष नेताओं की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। वहीं तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने के कविता की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए हैं और पूछा है कि जब राज्य में 10 साल उनके पिता यानी केसीआर की सरकार थी, तब उन्होंने ओबीसी आरक्षण के बारे में एक शब्द भी क्यों नहीं बोला था? कानूनी मुद्दों का हवाला देते हुए तेलंगाना भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र राव ने 42 प्रतिशत आरक्षण को लागू करने में राज्य सरकार की ईमानदारी पर संदेह जताया।

तेलंगाना विधानसभा में 17 मार्च को पारित हुए थे दो विधेयक

तेलंगाना विधानसभा ने 17 मार्च को शिक्षा, रोजगार और ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकायों के चुनावों में पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण को बढ़ाकर 42 प्रतिशत करने के लिए दो विधेयक सर्वसम्मति से पारित किए। जिनमें तेलंगाना पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (शैक्षणिक संस्थानों में सीटों का आरक्षण और राज्य के तहत सेवाओं में नियुक्तियों या पदों का आरक्षण) विधेयक 2025 और तेलंगाना पिछड़ा वर्ग (ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकायों में सीटों का आरक्षण) विधेयक 2025 शामिल हैं। विधेयकों ने शिक्षा और रोजगार में मौजूदा 25 प्रतिशत और स्थानीय निकायों में 23 प्रतिशत पिछड़ा वर्ग आरक्षण को बढ़ाकर 42 प्रतिशत कर दिया गया है। 2023 में हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का यह प्रमुख मुद्दा था। चूंकि पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण को 42 प्रतिशत तक बढ़ाना सभी वर्गों के लिए कुल कोटा के लिए सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित 50 प्रतिशत की सीमा का उल्लंघन होगा, इसलिए राज्य विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को केंद्र की मंजूरी की जरूरत है।

सीएम रेवंत रेड्डी ने 17 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण बढ़ाने के मुद्दे पर सभी राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ उनसे मिलने का समय भी मांगा।

केंद्र से मंजूरी नहीं मिलने पर क्या करेगी राज्य सरकार :

केंद्र की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर, कांग्रेस पार्टी पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण को 42 प्रतिशत तय करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 243डी के तहत मिली शक्ति का इस्तेमाल करने पर विचार कर रही है। कांग्रेस राज्य के भाजपा नेताओं से प्रधानमंत्री मोदी को तेलंगाना विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को भारत के संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल करने के लिए मनाने का भी आग्रह कर रही है।

शी टीमों ने 154 ऑपरेशन किए, 66 लोग अश्लील हरकतें करते पकड़े गए

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शी टीमों, मानव तस्करी निरोधक इकाई (एएचटीयू), भरोसा, महिला पुलिस स्टेशन आदि से मिलकर बनी साइबराबाद की महिला एवं बाल सुरक्षा शाखा ने 29 जून से 5 जुलाई तक विभिन्न गतिविधियां/ऑपरेशन किए हैं। शी टीमों, साइबराबाद ने सप्ताह के दौरान 154 ऑपरेशन किए। कुल 66 लोगों को सार्वजनिक स्थानों पर अश्लील हरकतें करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। उनमें से 57 के खिलाफ छोटे-मोटे मामले दर्ज किए गए, सभी प्रतिवादियों के लिए काउंसलिंग सत्र आयोजित किए गए। शी टीमों को विभिन्न तरीकों से महिला पीड़ितों से 16 शिकायतें भी मिलीं। निवारक और जागरूकता उपायों के हिस्से के रूप में, विभिन्न स्थानों पर 85 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए और साइबराबाद की महिला एवं बाल सुरक्षा शाखा में पांच काउंसलिंग सत्र आयोजित किए गए। महिला पुलिस स्टेशन गाच्चीबोवली में पति-पत्नी के बीच विवादों से जुड़े मामलों को संभाला जाता है। इस सप्ताह के दौरान कुल 29 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 11 मामले औपचारिक रूप से महिला पुलिस स्टेशन गाच्चीबोवली में दर्ज किए गए और शेष शिकायतों के लिए काउंसलिंग चल रही है। एएचटीयू ने मानव तस्करी और बाल तस्करी, छेड़छाड़, सोशल मीडिया उत्पीड़न, बाल विवाह, बाल अधिकार, बाल श्रम, पीछा करना, भीख मांगना, साइबर बदमाशी, साइबर धोखाधड़ी आदि पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। साइबराबाद की सीमा में विभिन्न स्थानों पर महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, डायल 100 महत्व, अपराध 1930 और अन्य विषयों पर जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए, जिसमें लगभग 230 सदस्यों ने भाग लिया। सप्ताह के दौरान, एएचटीयू टीम ने दो ट्रांसजेंडर और नौ महिला सेक्स वर्करों को बचाया। ऑपरेशन मुस्कान-XI टीमों ने 74 बच्चों को बचाया, 69 बच्चों को उनके माता-पिता से मिलवाया और पांच बच्चों को आश्रय गृहों में भर्ती कराया। ऑपरेशन मुस्कान-XI की टीमों ने साइबराबाद कमिश्नरेट की सीमा में 23 मामले दर्ज किए। सप्ताह के दौरान, पति-पत्नी के पारिवारिक विवादों में लगभग 31 परिवारों को परामर्श दिया गया और उन्हें फिर से मिलाने का प्रयास किया गया। साइबराबाद महिला एवं बाल सुरक्षा विंग अपने अधिकार क्षेत्र में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, संरक्षण और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए अपने समर्पित प्रयासों को जारी रखे हुए है।

यादगिरिगुट्टा मंदिर में एकादशी पूजा संपन्न

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। यादगिरिगुट्टा में आज शास्त्रों के अनुसार श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी की एकादशी पूजा की गई। मुख्य मंदिर में पुजारियों द्वारा विभिन्न रेशमी वस्त्र, सोने, हीरे और सिंदूर से सुसज्जित मूर्तियों को एक विशेष मंच पर स्थापित किया गया। शुभ वाद्यों के बीच वैदिक मंत्रों का जाप किया गया और सहस्रनाम का भी जाप किया गया। सुगंधित फूलों से एक लाख पुष्प अर्पित किए गए। पंचरात्रगामा के अनुसार आयोजित कार्यक्रम में पुजारियों, वैदिक विद्वानों और अधिकारियों ने भाग लिया। भद्राचलम मंदिर में, भक्तों ने पहली एकादशी उत्सव मनाने के लिए राम मंदिर में भीड़ लगा दी। भद्राद्री राम मंदिर में कई जगहों से भक्तों की भीड़ उमड़ी। रविवार की सुबह से ही भक्त भगवान के दर्शन के लिए कतारों में खड़े दिखाई दिए। सुबह-सुबह सुप्रभात सेवा के बाद मुख्य मंदिर में भगवान के प्रमुख विग्रहों का अभिषेक के साथ विशेष पूजा-अर्चना की गई। मंदिर परिसर भगवान राम के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने के कारण विशेष दर्शन के लिए दो घंटे और निशुल्क दर्शन के लिए तीन घंटे का समय लग गया।

लालच में महिला ने गवाएं 3.79 लाख रुपए

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर अपराध पुलिस ने भारी मुनाफा दिलाने के बहाने एक महिला से 3.79 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए एल आनंद रेड्डी, ई लक्ष्मा रेड्डी और अन्य ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर एक व्यापारिक व्यवसाय के बारे में विज्ञापन पोस्ट किए थे। विज्ञापन देखने के बाद, 52 वर्षीय पीड़िता संदिग्धों द्वारा शुरू किए गए व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़ गई। साइबर क्राइम पुलिस अधिकारियों ने बताया, 'दोनों ने महिला को ऑनलाइन ट्रेडिंग में निवेश करने के लिए राजी किया और उसे भारी मुनाफे का लालच दिया। महिला ने करीब 3.79 लाख रुपये का निवेश किया और बाद में जालसाजों ने उसे ठग लिया।' शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है। आनंद और लक्ष्मा ने बैंक खाते मुहैया कराकर मुख्य जालसाजों की मदद की। बाकी लोगों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

ट्रक ने बाइक को रौंदा, प्रवासी दिहाड़ी मजदूर की मौत

मंचेरियल, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तंडूर मंडल के बोयापल्ली गांव में शनिवार रात एक ट्रक ने मोटरसाइकिल को कुचल दिया जिससे 36 वर्षीय प्रवासी दिहाड़ी मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि कासिपेट गांव के ऐली मल्लेश को उस समय गंभीर चोटें आईं जब ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे रात करीब 10 बजे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वह बोयापल्ली से एक रेस्तरां से खाना खरीदकर कासिपेट लौट रहे थे। मल्लेश पेद्दापल्ली जिले के ओडेला गांव के रहने वाले थे। कुछ साल पहले वे आजीविका की तलाश में कासिपेट चले गए थे। उनके परिवार के सदस्यों से मिली शिकायत के आधार पर ट्रक के ड्राइवर के खिलाफ हिट एंड रन का मामला दर्ज किया गया है।

विशेष प्रशिक्षण के बाद 35 सदस्यीय स्वाट की तैनाती

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने अपनी तरह की पहली टीम स्विफ्ट वूमन एक्शन टीम (स्वाट) की शुरुआत की है। इस टीम में 35 महिला पुलिस अधिकारी शामिल हैं, जिन्होंने इजराइल में विकसित एक आत्मरक्षा प्रणाली क्राव मागा में विशेष प्रशिक्षण लिया है, जो वास्तविक दुनिया की स्थितियों और निहत्थे युद्ध के लिए व्यावहारिक तकनीकों पर जोर देती है।

दो महीने के गहन प्रशिक्षण के बाद, स्वाट कर्मियों को आधिकारिक तौर पर 3 जून को शामिल किया गया। नई वर्दी पहने टीम को पहली बार 4 जुलाई को तेलंगाना सचिवालय में ड्यूटी के लिए तैनात किया गया। स्वाट का प्राथमिक उद्देश्य धरना, रैलियों और अन्य सार्वजनिक समारोहों के दौरान महिला प्रदर्शनकारियों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करना है। उन्हें शहर भर में महत्वपूर्ण आयोजनों और त्यौहारों के दौरान भी तैनात किया जाएगा। उम्मीद है कि स्वाट टीम हैदराबाद पुलिस के लिए विरोध प्रदर्शनों और रैलियों के दौरान भीड़ में महिलाओं को नियंत्रित करने में अत्यधिक लाभदायक होगी।

काकतीय विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह आज

प्रदान करेगा 564 स्वर्ण पदक और 387 पीएचडी

हनमकोंडा, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। काकतीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के. प्रताप रेड्डी ने कहा कि 7 जुलाई को होने वाले 23वें दीक्षांत समारोह के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यहां रजिस्ट्रार प्रो. वी. रामचंद्रम और परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजेंद्र कटला के साथ मीडिया से बात करते हुए कुलपति ने कहा कि राज्यपाल और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति जिष्णु देव वर्मा दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करेंगे, जबकि शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार विजेता, आईआईसीटी के निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी मुख्य अतिथि होंगे।

दीक्षांत समारोह में कला संकाय में 60 स्वर्ण पदक, 56 पीएचडी, 161 स्वर्ण पदक, विज्ञान में 96 पीएचडी, 48 स्वर्ण पदक, फार्मेसी में 21 पीएचडी, 66 स्वर्ण पदक, वाणिज्य एवं व्यवसाय प्रबंधन में 49 पीएचडी, 88 स्वर्ण पदक, सामाजिक विज्ञान में 133 पीएचडी, 25 स्वर्ण पदक, शिक्षा में 18 पीएचडी, 72 स्वर्ण पदक, विधि में चार पीएचडी तथा इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय में 44 स्वर्ण पदक, 10 पीएचडी प्रदान की जाएंगी। कुल 564 स्वर्ण पदक तथा 387 पीएचडी प्रदान की जाएंगी। कुलसचिव प्रो. रामचंद्रम ने बताया कि 6 और 7 जुलाई को पैदल यात्रियों और बाहरी लोगों को विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। दीक्षांत समारोह की तैयारियों के मद्देनजर इन आदेशों का सख्ती से पालन कराया जाएगा।

बाथरूम में 5 साल की बच्ची की हत्या

जगतियाल, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कोरुट्ला कस्बे में एक अज्ञात व्यक्ति ने पांच वर्षीय बच्ची अकुला हितिक्षा की निर्मम हत्या कर दी। कोरुटला के आदर्शनगर की रहने वाली हितिक्षा शाम को लापता हो गई थी। उसके माता-पिता द्वारा इलाके में उसे खोजने के लिए किए गए अथक प्रयासों के बावजूद वे उसका पता नहीं लगा पाए। दुखद बात यह है कि बच्ची पड़ोसी के घर के बाथरूम में खून से लथपथ हालत में पड़ी मिली। उसका गला कटा हुआ था। घटना के बाद घर का मालिक लापता पाया गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है।

झील में नाव पलटने से 2 महिलाओं की मौत, दो की हालत गंभीर

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। विकाराबाद के सरपनपल्ली झील में नाव पलटने से दो महिलाओं की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गईं। पीड़ितों की पहचान रितिका (44) और पूनम (50) के रूप में हुई है। बिहार के रहने वाले एक परिवार के चार सदस्य झील के पास एक निजी रिसॉर्ट में घूमने गए थे। बाद में उन्होंने नाव की सवारी बुक की। नाव की सवारी का आनंद लेते समय, नाव अचानक पलट गई, जिसके परिणामस्वरूप दो महिलाएँ डूब गईं। उनकी चीखें सुनकर स्थानीय लोग बचाव के लिए दौड़े और दो अन्य को बचाने में कामयाब रहे, लेकिन उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

यह परिवार हैदराबाद के माधापुर इलाके में रहता था। सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में पीड़ितों के एक रिश्तेदार को यह बताते हुए देखा जा सकता है कि यह घटना शाम 6 बजे के आसपास हुई। नाव में तीन वयस्क और दो बच्चे थे। जब नाव झील में लगभग 300 मीटर तक पहुँच गई, तो प्रशिक्षक ने बादलों और बारिश की संभावना को देखते हुए नाव संचालकों को वापस लौटने के लिए कहा। हालांकि, नाव वापस मुड़ते समय पलट गई और दोनों महिलाएं झील में गिर गईं। रिश्तेदार ने बताया कि हालांकि सीपीआर किया गया और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन महिलाओं को बचाया नहीं जा सका। व्यक्ति ने कहा, 'नाव संचालक हमारे परिवार के सदस्यों को छोड़कर सुरक्षित स्थान पर तैरकर चला गया। हमने झील में गोता लगाया और उन्हें बचाने की कोशिश की। रिसॉर्ट प्रबंधन से कोई मदद नहीं मिली और सुरक्षा के पर्याप्त उपाय भी नहीं थे।'

"एकीकृत ग्रामीण विकास - अंतर्राष्ट्रीय अनुभव" पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार

एनआईआरडीपीआर ने विश्व ग्रामीण विकास दिवस मनाया

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर), हैदराबाद ने "एकीकृत ग्रामीण विकास - अंतर्राष्ट्रीय अनुभव" पर एक विचारोत्तेजक वेबिनार आयोजित करके विश्व ग्रामीण विकास दिवस मनाया, जिसमें समावेशी और सतत ग्रामीण विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण और सर्वोत्तम प्रथाओं को एक साथ लाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत ढाका के एशिया और प्रशांत क्षेत्र के लिए एकीकृत ग्रामीण विकास केंद्र (सीआईआरडीएपी) के महानिदेशक डॉ. पी. चंद्र शेखर के स्वागत भाषण से हुई। अपने मुख्य भाषण में, डॉ. शेखर ने ग्रामीण परिवर्तन में वैश्विक नवाचारों के प्रभाव पर जोर दिया, इंडोनेशिया, बांग्लादेश, फिलीपींस, वियतनाम, म्यांमार, ईरान और थाईलैंड के उदाहरणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने दिखाया कि कैसे डिजिटल प्रौद्योगिकियों, क्षमता निर्माण और समावेशी मॉडल ने किसानों को सशक्त बनाया है, उत्पादकता बढ़ाई है और बाजार तक पहुँच में सुधार किया है। उल्लेखनीय उल्लेखों में फिलीपींस में फार्मनॉट क्लाइमेट-स्मार्ट ऐप, न्यू मैक्सिको यूनिवर्सिटी (यूएसए) के साथ इको प्लेटफ़ॉर्म सहयोग और म्यांमार में यूनेस्को के नेतृत्व वाली डिजिटल शिक्षा शामिल हैं। एनआईआरडीपीआर में उद्यमिता विकास और वित्तीय समावेशन केंद्र और सुशासन और नीति विश्लेषण केंद्र के एसोसिएट प्रोफेसर और प्रमुख डॉ. पार्थ प्रतिम साहू ने "ग्रामीण भारत विकास के इंजन के रूप में" पर एक आकर्षक सत्र दिया। उन्होंने भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की विकासशील प्रकृति पर जोर दिया और उद्यमिता, डिजिटल सशक्तिकरण और विकेंद्रीकृत शासन का लाभ उठाने के रणनीतिक महत्व को रेखांकित किया। एनआईआरडीपीआर (दिल्ली शाखा) की सहायक प्रोफेसर डॉ रुचिरा भट्टाचार्य ने "भारत में ग्रामीण विकास नीति के लिए आर्थिक एजेंडे में समावेश को केन्द्रित करना" पर बात की। उन्होंने ग्रामीण नीति निर्माण में इक्विटी-संचालित दृष्टिकोणों की आवश्यकता को रेखांकित किया, यह सुनिश्चित करते हुए कि हाशिए पर रहने वाले समुदाय विकास रणनीतियों के मूल में हैं। एक विशेष संबोधन में, डॉ जी नरेंद्र कुमार, आईएएस, महानिदेशक, एनआईआरडीपीआर ने अग्रणी ग्रामीण नवाचारों को मान्यता दी और भारतीय संदर्भ में वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और बढ़ाने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम ग्रामीण विकास पहलों की विशेषताओं और भारत के लिए उनके सबक पर प्रकाश डाला। इनमें शामिल थे; चीन के टाउनशिप और विलेज एंटरप्राइजेज जिसने इसे वैश्विक विनिर्माण दिग्गज बनाया, डीजी-एनआईआरडीपीआर ने कहा कि इन परिवर्तनकारी ग्रामीण विकास पहलों की पहल विश्व ग्रामीण विकास दिवस-2025 पर बधाई और मान्यता की पात्र हैं।

आदिवासी ग्रामीणों ने सरकारी उदासीनता के बाद खुद बनाई सड़क

मुलुगु, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अधिकारियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों के कथित लापरवाह रवैये से तंग आकर पंचायत राज और ग्रामीण विकास मंत्री सीथक्का के पैतृक जिले मुलुगु के एक आदिवासी गांव के निवासियों ने स्वयं सड़क का निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। वेंकटपुरम मंडल के अलुबाका ग्राम पंचायत के अंतर्गत मुथारम गांव के निवासियों ने अपने गांव को लगभग चार किलोमीटर दूर स्थित राजमार्ग से जोड़ने के लिए मिट्टी की सड़क बिछाने और पुलिया बनाने के लिए धन का योगदान दिया है। भद्राचलम विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मुथारम और सीतारामपुरम गांवों की ओर जाने वाली सड़क पर पत्थर भरे हुए थे और उस पर चलना मुश्किल हो गया था। गांव में करीब 150 परिवार रहते हैं, जिनमें से प्रत्येक परिवार ने सड़क निर्माण के लिए मजदूरी के रूप में अपनी मामूली कमाई से 2,000 रुपये का योगदान दिया। चूंकि सड़क पैदल चलने या दोपहिया वाहनों के लिए भी उपयुक्त नहीं रह गई थी, इसलिए ग्रामीणों ने स्वेच्छा से निर्माण कार्य करने का फैसला किया। उन्होंने ट्रैक्टर और अन्य निर्माण उपकरण किराए पर लिए और सड़क बनाने के लिए श्रमदान किया।

एक ग्रामीण, थाती रामबाबू ने कहा कि आईटीडीए अधिकारियों और विधायकों को कई याचिकाएं प्रस्तुत करने के बावजूद, पिछले चालीस वर्षों से समस्या का समाधान नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि उन्होंने हाल ही में भद्राचलम के विधायक डॉ. तेलम वेंकट राव को एक और याचिका सौंपी थी, लेकिन इसका भी कोई नतीजा नहीं निकला। उन्होंने दुख जताते हुए कहा, 'हर चुनाव में नेता हमारे गांव तक सड़क बनाने का वादा करते हैं, लेकिन सत्ता में आने के बाद अपने वादे भूल जाते हैं।'

गांव की एक महिला रेवती ने बताया कि अगर कोई बीमार पड़ जाए तो उसे अस्पताल पहुंचाना बेहद मुश्किल हो जाता है क्योंकि पत्थर से भरी सड़क से एंबुलेंस नहीं गुजर सकती। उन्होंने बताया, 'गर्भवती महिलाओं को चारपाई से बनी डोली में ले जाया जाता है।' ग्रामीणों ने अधिकारियों और मंत्री सीताक्का से अपील की है कि वे उनकी लंबे समय से लंबित शिकायत का समाधान करें और मौजूदा मिट्टी की सड़क के स्थान पर एक उचित बी.टी. सड़क का निर्माण कार्य शुरू करें।

पॉलीसेट प्रवेश प्रक्रिया अधर में, सरकार मंजूरी पर अड़ी

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भर में हजारों डिप्लोमा इच्छुक उम्मीदवार चिंता और अनिश्चित भविष्य का सामना कर रहे हैं क्योंकि तेलंगाना पॉलिटेक्निक कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीजी पॉलीसेट) 2025 के पहले चरण का सीट आवंटन सीटों को मंजूरी देने में प्रशासनिक देरी के कारण रुक गया है। सीट आवंटन, जो पहले 4 जुलाई के लिए निर्धारित था, राज्य सरकार द्वारा अभी तक जारी नहीं किया गया है। तकनीकी शिक्षा विभाग के सूत्रों के अनुसार, सीट आवंटन में देरी राज्य सरकार की ओर से लंबित अनुमोदन के कारण हुई, जिसने अभी तक संस्थानों के अलावा विभिन्न डिप्लोमा कार्यक्रमों में उपलब्ध सीटों की संख्या को अंतिम रूप नहीं दिया था। अनुमोदन में इस देरी ने कई छात्रों और अभिभावकों को हताशा की स्थिति में डाल दिया है।

26 जून से 1 जुलाई तक आयोजित वेब काउंसलिंग में 21,316 अभ्यर्थियों ने प्रमाण पत्र सत्यापन प्रक्रिया में भाग लिया और 12,691 ने सीट और संस्थान आवंटन के लिए वेब विकल्प का प्रयोग किया। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सीट आवंटन 4 जुलाई को या उससे पहले किया जाना था, जिसमें 4 से 6 जुलाई के बीच शुल्क का भुगतान और वेबसाइट के माध्यम से स्वयं रिपोर्टिंग करना शामिल था। इसके अलावा, प्रारंभिक कार्यक्रम के अनुसार, अंतिम चरण की वेब काउंसलिंग के लिए पंजीकरण 9 और 10 जुलाई को किया जा सकता है, प्रमाणन सत्यापन 11 जुलाई को और वेब विकल्प 11 और 12 जुलाई को निर्धारित हैं। अनंतिम सीट आवंटन 15 जुलाई को या उससे पहले होगा, ट्यूशन का भुगतान और 15 और 16 जुलाई को ऑनलाइन स्व-रिपोर्टिंग होगी। आवंटित कॉलेज में रिपोर्टिंग 15 से 17 जुलाई के बीच की जा सकेगी, जबकि ओरिएंटेशन सहित शैक्षणिक सत्र 15 से 17 जुलाई तक तथा कक्षा कार्य 18 जुलाई से निर्धारित है। प्रथम चरण के सीट आवंटन में देरी के कारण यह पूरा कार्यक्रम बाधित होने की आशंका है।

योगी ने डॉ मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्पार्पित कर किया नमन

लखनऊ, 6 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में रविवार को प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक डॉ। श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती श्रद्धा, गौरव व प्रेरणा के भावों के साथ मनाई जा रही है। इस अवसर पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने सिविल अस्पताल पहुंचकर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्पार्पित कर उन्हें नमन किया।

बताते चलें कि संस्कृति मंत्रालय की ओर से 06 जुलाई 2025 से 06 जुलाई 2027 तक '125वीं जयंती स्मृति वर्ष' के तहत प्रदेश भर में दो वर्षीय विशेष आयोजनों की श्रृंखला चलाई जाएगी। इसका शुभारंभ रविवार से किया गया। इन आयोजनों के माध्यम से युवापीढ़ी को डॉ। मुखर्जी के आदर्शों, उनके जीवन और भारत की अखंडता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से अवगत कराया जाएगा।

अजगैबीनाथ धाम को मिलेगा 6 लेन का मरीन ड्राइव सरीखा मार्ग, पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने की घोषणा

भागलपुर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेले की तैयारियों का जायजा लेने के लिए बिहार सरकार के पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन अजगैबीनाथ धाम, सुल्तानगंज पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कांवड़ियों को हर सुविधा प्रदान करने का आश्वासन दिया। बाबा की इस नगरी को मरीन ड्राइव की तर्ज पर छह लेन की भव्य सड़क मिलने की बड़ी घोषणा की है। मंत्री नितिन नवीन का स्थानीय विधायक प्रोफेसर ललित नारायण मंडल और एनडीए कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। विधायक ने शाहकुंड प्रखंड स्थित अतिथि गृह के जीर्णोद्धार की मांग को लेकर मंत्री को एक ज्ञापन भी सौंपा। जिस पर मंत्री ने जल्द निर्माण कार्य शुरू कराने का आश्वासन दिया। अपने दौरे के दौरान, मंत्री ने विभागीय अधिकारियों के साथ एक विस्तृत समीक्षा बैठक की और श्रावणी मेला क्षेत्र का भौतिक निरीक्षण भी किया।

जेवरों को गलाकर सोने के बिस्कुट में बदला 150 कैमरे खंगालकर चोरों तक पहुंची पुलिस

कानपुर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। कानपुर के चकेरी क्षेत्र में नकदी समेत 70 लाख के जेवर चोरी में मामले में पुलिस ने गोल्ड लोन कंपनी के मैनेजर, दो सराफा कारोबारियों समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया है। 150 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के बाद पुलिस आरोपियों तक पहुंची। आरोपियों ने चोरी के जेवरों को गलाकर सोने के बिस्कुट में बदल दिया। आरोपियों से 160 ग्राम जेवर बरामद हुए हैं।

रामपुरम निवासी जटाधर दीक्षित के घर से 28 जून की रात करीब 35 हजार की नकदी और जेवर चोरी हो गए थे। वह परिवार के साथ चित्रकूट गए थे। पड़ोसी के घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों में सफेद कार नजर आई थी। उसमें सवार तीन युवक 17 मिनट में आते और जाते दिखाई दी। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जांच की। करीब 150 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी गई। कार सवार दक्षिण क्षेत्र में दिखाई दी फिर कार का कहीं पता नहीं चला। पुलिसकर्मियों ने कार के नंबर को ट्रेस किया, जिससे असली मालिक की जानकारी हुई। उनसे पूछताछ करने पर हनुमंत विहार निवासी शिवम राजपूत के बारे में पता चला।

उसने कार करीब दो लाख 60 हजार रुपये में खरीदी थी। इसी के बाद पुलिस ने सर्विलांस की मदद से सात लोगों को गिरफ्तार कर लिया। शिवम को गुजैनी पुलिस चोरी के एक अन्य मामले में गिरफ्तार कर चुकी है। रोहित गोल्ड लोन कंपनी का मैनेजर है। वहीं, चोरी के बाद सारा माल सराफा कारोबारी संजय सोनी व निमिष को दे दिया था। पुलिस टीम को 25 हजार रुपये के इनाम देने की घोषणा की गई है।

गोपाल खेमका हत्याकांड पर भड़के राहुल गांधी

बोले- 'बिहार को बना दिया क्राइम कैपिटल'

पटना, 6 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार की राजधानी पटना में शुक्रवार रात एक कारोबारी गोपाल खेमका की गोली मारकर हत्या कर दी गई। उनकी हत्या उनके घर के ही बाहर की गई। वहीं इस घटना के बाद से बिहार की राजनीति भी गर्म हो गई है। कारोबारी गोपाल खेमका की हत्या के बाद अब विपक्षी दलों ने सरकार पर निशाना साधना शुरू कर दिया है। हत्या के बाद से आरोपी फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी की मांग लगातार की जा रही है। वहीं अब कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी गोपाल खेमका की हत्या का मामला उठाया है। भाजपा और नीतीश कुमार पर निशाना राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में गोपाल खेमका की हत्या का मामला उठाते हुए बिहार सरकार पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा,

पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका की सरेआम गोली मारकर हत्या ने एक बार फिर साबित कर दिया है- भाजपा और नीतीश कुमार ने मिलकर बिहार को "भारत की क्राइम कैपिटल" बना दिया है। आज बिहार लूट, गोली और हत्या के साए में जी रहा है। अपराध यहां 'नया नॉर्मल' बन चुका है और सरकार पूरी तरह नाकाम।

'बिहार बचाने के लिए वोट'

इसके अलावा राहुल गांधी ने आगे कहा, बिहार के भाइयों और बहनों, यह अन्याय अब और नहीं सहा जा सकता। जो सरकार आपके बच्चों की सुरक्षा नहीं कर सकती, वह आपके भविष्य की जिम्मेदारी भी नहीं ले सकती। हर हत्या, हर लूट, हर गोली - एक चीख है बदलाव की। अब वक्त है एक नए बिहार का - जहां डर नहीं, तरक्की हो। इस बार वोट सिर्फ सरकार बदलने का नहीं, बिहार को बचाने का है।

तेजस्वी ने की जांच की मांग

बता दें कि इससे पहले तेजस्वी प्रसाद यादव ने पीड़ित परिजनों से मुलाकात की थी। उन्होंने इस घटना को लेकर कहा कि प्रधानमंत्री जी जंगल राज-जंगल राज का रट लगाने से पहले मुख्यमंत्री जी से पूछें कि इस तरह की हत्याएं हर दिन बिहार में क्यों हो रही है। उन्होंने कहा कि राजद परिवार इस दुख की घड़ी में स्वर्गीय गोपाल खेमका के परिवार के साथ खड़ा है। इंसाफ और न्याय दिलाने के लिए हर स्तर पर हम सहायता और सहयोग करने के लिए तैयार है। साथ ही जल्द से जल्द इस हत्याकांड का सच और सच्चाई सामने लाने के लिए जल्द से जल्द जांच कराये जाने की मांग की है।

कौन हैं बिहार की आईपीएस दीक्षा

जिन्हें हाई प्रोफाइल गोपाल खेमका मर्डर केस की सौंपी गई कमान, छाई सुर्खियों में

पटना, 6 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के नामी बिजनेसमैन गोपाल खेमका की पटना में गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस इस मामले में एक-एक पहलुओं पर जांच-पड़ताल कर रही है। इन तमाम गतिविधियों के बीच आईपीएस दीक्षा सुर्खियों में छा गई हैं। दरअसल, जहां हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया, उस क्षेत्र की एससी दीक्षा ही हैं। घटना से जुड़ी हर एक पहलुओं की जांच पर नजर बनाए हुई हैं और हत्यारे की खोजबीन में लगातार एक्टिव हैं। ऐसे में आईपीएस दीक्षा को लेकर कई तरह की चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है।

विस्तार रूप से आईपीएस दीक्षा की बात करें तो, वे बिहार कैडर की अधिकारी हैं। दीक्षा के पिता की इच्छा थी कि, वे आईपीएस बने। यही वजह रही कि, दीक्षा ने यूपीएससी की दूसरी

कोशिश में ही रेलवे सेवा में चयन पा लिया था। लेकिन, पिता की इच्छा को पूरा करने के लिए तीसरी बार यूपीएससी की परीक्षा दी और आईपीएस बन गई। इस तरह से उन्होंने अपने पिता के सपने को पूरा किया। आईपीएस दीक्षा राजस्थान के झुंझुनू जिले के खेतड़ी गांव की रहने वाली है। उनके पिता हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड में एजीएम पद पर हैं तो वहीं मां एक सरकारी स्कूल में टीचर हैं।

अमित शाह ने भी किया था सम्मानित

वहीं, तीसरी बार यूपीएससी क्लियर कर आईपीएस बनने वाली दीक्षा ने वर्ष 2018 में आईआईटी दिल्ली से टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी में बीटेक की डिग्री हासिल की हैं। उन्होंने दूसरी बार में यूपीएससी की परीक्षा में 342वीं रैंक हासिल की थी।

जिसके बाद उन्होंने रेलवे सेवा में चयन पाया था। हालांकि, इसके बाद फिर तीसरी बार अपनी रैंक में सुधार कर 238वीं रैंक हासिल करके आईपीएस बन गई। जानकारी के मुताबिक, आईपीएस ट्रेनिंग के दौरान दीक्षा ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए हैदराबाद के प्रशिक्षण संस्थान में स्वोर्ड ऑफ ऑनर में पहला स्थान प्राप्त किया। इतना ही नहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें मेडल देकर सम्मानित भी किया।

जिला परिषद अध्यक्ष अदिति कुमारी के साथ हो गया 'नाम वाला खेला', डीएम से की शिकायत

सीतामढ़ी, 6 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के सीतामढ़ी जिले में जिला परिषद अध्यक्ष अदिति कुमारी के साथ बड़ा 'खेल' हो गया। इस खेल में कौन-कौन सूरमा शामिल है, वो जांच के बाद ही पता चलेगा। बहरहाल, जिसने भी घटना सुनी है, सभी ने यह जरूर कहा है कि जिप अध्यक्ष के साथ ऐसा नहीं होना चाहिए था। दरअसल, जिला परिषद के डाकबंगला का जीर्णोद्धार कार्य हुआ है। उद्घाटन भी हुआ है। इससे संबंधित शिलापट्ट लगाया गया, लेकिन जिप अध्यक्ष का नाम गायब है, जबकि उपाध्यक्ष का नाम है। शिलापट्ट पर नाम नहीं होने से जिप अध्यक्ष काफी खफा हैं और कड़ी नाराजगी भी व्यक्त की है।

क्या है पूरा मामला

जिले के पुपरी प्रखंड मुख्यालय में जिला परिषद का डाक बंगला है। 67.26 लाख की लागत से उस भवन का जीर्णोद्धार कार्य कराया गया है। यह खर्च जिला परिषद की ओर से षष्ठम वित्त आयोग मद से किया गया। जब काम पूरा हो गया तो इसका उद्घाटन स्थानीय सांसद देवेश चन्द्र ठाकुर ने किया है। उद्घाटन के शिलापट्ट पर जिप अध्यक्ष अदिति कुमारी का नाम अंकित नहीं होने से विवाद उत्पन्न हो गया है। उद्घाटन के मौके पर जिप अध्यक्ष पहुंची थीं और अपनी हकमारी के विरोध में आपत्ति भी दर्ज कराई। हालांकि वहां उनकी सुनने वाला कोई नहीं था। वह निराश होकर कार्यक्रम स्थल से लौट गईं।

अध्यक्ष को कार्यक्रम की भनक नहीं

कार्यक्रम की रूपरेखा तय करने संबंधित सरकारी अफसर भी लपेटे में आएंगे। अगर निष्पक्ष जांच हुई, तो कई लोग बेनकाब होंगे, जिसने अदिति कुमारी के साथ इतनी बड़ी धोखाधड़ी की है। अध्यक्ष अदिति कुमारी ने कहा है कि उद्घाटन कार्यक्रम की उन्हें कोई खबर भी नहीं दी गई थी। शिलापट्ट पर नाम का उल्लेख नहीं होना, उनके अधिकारों का खुल्लम खुला उल्लंघन है। शिलापट्ट पर जिला परिषद उपाध्यक्ष सांझा देवी का नाम है।

अध्यक्ष का आरोप है कि उपाध्यक्ष और उनके प्रतिनिधि श्रीनारायण सिंह ने अपना वर्चस्व कायम करने के लिए उन्हें कार्यक्रम से दूर रखा है। वह अतिपिछड़ा वर्ग से आती हैं। उन्होंने शिलापट्ट पर नाम का उल्लेख कराने और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

अध्यक्ष अदिति कुमारी ने इस पूरे मामले से डीएम को लिखित तौर पर अवगत कराया है। डीएम को बताया है कि डाक बंगला का जीर्णोद्धार जिला परिषद द्वारा कराया गया है, लेकिन उसका उद्घाटन सांसद से करा उनके (अध्यक्ष) अधिकारों का हनन किया गया है। उन्हें कार्यक्रम की कोई जानकारी भी नहीं दी गई है। उन्होंने डीएम से इस मामले की जांच करा दोषी सभी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

महिलाओं से किश्त के पैसे तो लेता, लेकिन बैंक में जमा नहीं करता; गांव की महिलाओं के डेढ़ करोड़ लेकर एजेंट फरार

भागलपुर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के भागलपुर के नवगछिया में धोखाधड़ी का बड़ा मामला सामने आया है। यहां एक वसूली एजेंट ने ऋण के पैसे बैंक में जमा करने के नाम पर महिलाओं से 1 करोड़ 40 लाख रुपए ठग लिए और फरार हो गया। इसका खुलासा तब हुआ, जब पैसे वापसी को लेकर महिलाओं को बैंक से नोटिस भेजा गया। इसके बाद नवगछिया बाजार के केनरा बैंक में जमकर हंगामा हुआ। तीन दर्जन से अधिक महिलाएं अचानक बैंक प्रबंधक के चैंबर में घुसीं और बवाल मचा दिया। लोन वापस नहीं मिलने पर बैंक द्वारा समूह की महिलाओं को नोटिस भेजा गया था। जब महिलाएं बैंक पहुंचीं तो पता चला कि पैसा ही जमा नहीं किया गया है, जिससे महिलाएं उग्र हो गईं। उन्हे पता चला वसूली एजेंट 1 करोड़ 40 लाख लेकर फरार हो गया है। एनजीओ समाज उन्नति केंद्र में महिलाओं को केनरा बैंक के माध्यम से ऋण दिलाया जाता था। एक समूह में 5 से 6 महिलाएं होती थीं। प्रत्येक महिलाओं को एक लाख से 2 लाख तक बैंक से एनजीओ द्वारा ऋण दिलाया जाता था।

एनजीओ के एजेंट समूह की महिलाओं से ऋण वसूली कर बैंक में जमा करते थे, लेकिन यहां तो एजेंट ही ऋण वसूली का रुपया लेकर फरार हो गया।ऋण वापस नहीं मिलने पर बैंक द्वारा समूह की महिलाओं को जब नोटिस जारी किया गया तो महिलाओं के पैरों तले जमीन खिसक गई। नोटिस मिलने के बाद महिलाएं बैंक पहुंचीं और हंगामा खड़ा कर दिया। महिलाओं का कहना था कि हम लोग प्रत्येक महीने लोन की राशि एजेंट के माध्यम से जमा करते थे। एजेंट वसूली करने के लिए आता था। हम लोगों ने पैसे जमा कर दिए थे।

पंचायत सहायक व सफाईकर्मियों की आधार आधारित होगी हाजिरी

लखनऊ, 6 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में पंचायतीराज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि गांवों की व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए सफाई कर्मियों और पंचायत सहायकों की आधार आधारित हाजिरी की व्यवस्था लागू की जाएगी। इससे अनुपस्थिति को लेकर लगने वाले आरोप अपने आप खत्म हो जाएंगे। वह पंचायतीराज निदेशालय में विभागीय कार्यों की समीक्षा के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। राजभर ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में करीब एक लाख ग्रामीण सफाई कर्मी व 57 हजार से अधिक पंचायत सहायक कार्यरत हैं।

विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि इनकी हाजिरी की व्यवस्था दुरुस्त करें। गांवों में चौपाल लगाई जाएगी, जिसमें लोगों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। स्वच्छ भारत मिशन, पंचायत उत्सव भवन व अंत्येष्टि स्थल आदि से जुड़ी योजनाओं को वरीयता के आधार पर लागू किया जा रहा है। मंत्री ने बताया कि समीक्षा में जो जिले पिछड़े हैं, उन्हें तत्काल कार्य पूरा कराने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया गया है कि निदेशक से लेकर जिला पंचायत राज अधिकारी तक कार्यों पर पैनी नजर रखें।

जहां गड़बड़ी मिलेगी तत्काल कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने ग्राम पंचायत भवनों में ताले लगने की शिकायतों पर विभागीय अधिकारियों को चेतावनी दी। बैठक में राजभर ने अखिलेश यादव पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि इटावा में कथावाचक के यादव निकलने पर हुए हंगामे पर सपा अध्यक्ष ने खूब राजनीतिक रोटियां सेकीं। ब्राह्मणों को अपमानित करने का काम सपा कार्यकर्ताओं ने किया।

अक्षय 'पैडमैन' बनाए तो ठीक, हम बांटे तो विवाद

महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा बोली- दिल्ली में हमने केजरीवाल से खुद को अलग किया, बिहार में बदलाव होकर रहेगा

पटना, 6 जुलाई (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव से पहले महिला कांग्रेस ने बिहार में 5 लाख महिलाओं को 25 लाख सैनिटरी पैड बांटने की घोषणा की है। वहीं अब पैड के बॉक्स पर राहुल गांधी की तस्वीर पर चर्चा शुरू हो गई। महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने कहा कि जब पैडमैन फिल्म अक्षय कुमार की थी, तब किसी ने इस पर विवाद नहीं किया।

इस पर अक्षय कुमार फिल्म बनाए तो ठीक है, मगर राहुल गांधी की तस्वीर लगने से समस्या है। वही, अरविंद केजरीवाल के इंडिया से अलग चुनाव लड़ने पर उन्होंने कहा कि वह हमसे अलग नहीं हुए हैं, बल्कि दिल्ली के विधानसभा चुनाव में हमने उन्हें खुद से अलग कर दिया है। दिल्ली चुनाव में उन्हें अपनी सीट गंवानी पड़ी। अब कहीं ना कहीं धक्के खा रहे हैं और अपना भविष्य खोज रहे हैं। बिहार के भविष्य की उन्हें कोई चिंता नहीं है। जो देश के मुद्दे हैं, वही बिहार के भी मुद्दे हैं। बढ़ती बेरोजगारी, महिलाओं की सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा है। इसमें भी बच्चियों का मुख्य मुद्दा है। पिछले महीने ही मुजफ्फरपुर की 10 साल की बच्ची के साथ रेप हुआ था। अभी सरेआम अपराधियों ने व्यापारी की हत्या कर दी है। बिहार में कानून व्यवस्था चरमराई हुई है। यहां एनडीए की सरकार फेल हो गई है। लोग बहुत गुस्से में हैं और वह अब बदलाव चाहते हैं।

बिहार में बदलाव होने से अब कोई नहीं रोक सकता। बिहार के 5 लाख महिलाओं को 25 लाख पैड महिला कांग्रेस बांटेगी। इसके डिब्बे को लेकर विवाद है कि फोटो राहुल गांधी की है, मगर इसमें तो प्रियंका गांधी की भी तस्वीर है। ऐसे में जो काम डबल इंजन की सरकार करने में फेल हो गई है, वह राहुल गांधी के नेतृत्व में महिला कांग्रेस ने कर दिखाया है।

'अखिलेश यादव से भी जान का खतरा', बीजेपी नेता के सपा कार्यकर्ताओं पर गंभीर आरोप, एफआईआर दर्ज

लखनऊ, 6 जुलाई (एजेंसियां)। लखनऊ में भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के नगर महामंत्री अमित त्रिपाठी ने समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं के खिलाफ हजरतगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

अमित त्रिपाठी ने आरोप लगाया है कि सपा कार्यकर्ताओं ने उनके द्वारा लगाए गए व्यंगात्मक पोस्टरों को फाड़ दिया, बीच चौराहे पर अराजकता फैलाई और उन्हें परिवार सहित जान से मारने की धमकी दी। यही नहीं सोशल मीडिया पर भी अभद्र भाषा का उपयोग और गालियां दी जा रही हैं। दरअसल 1 जुलाई को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिन के अवसर पर अमित त्रिपाठी ने लखनऊ के कई चौराहों पर व्यंगात्मक पोस्टर लगाए थे, जिनमें अखिलेश यादव को जन्मदिन की बधाई के साथ तंज कसा गया था। इन पोस्टरों के वायरल होने के बाद सपा कार्यकर्ताओं में नाराजगी फैल गई थी। इसके बाद 1090 चौराहे पर सपा कार्यकर्ताओं ने इन पोस्टरों को फाड़ दिया और हजरतगंज चौराहे पर लगे पोस्टरों को नगर निगम ने हटा दिया। अब इस मामले में अमित त्रिपाठी ने अपनी शिकायत में बताया कि सपा कार्यकर्ताओं ने न केवल उनके पोस्टर फाड़े, बल्कि उनके परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी है। इसके अलावा सपा कार्यकर्ताओं द्वारा उनके घर का पता तलाशा जा रहा है और समाजवादी झंडों वाली संदिग्ध गाड़ियां उनके घर के बाहर देखी गई हैं। सोशल मीडिया पर भी उनके खिलाफ गालियों और धमकियों का सिलसिला जारी है। अमित त्रिपाठी ने इन सभी घटनाओं को लेकर हजरतगंज थाने में सपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। जिसमें उन्होंने सपा कार्यकर्ताओं पर अराजकता फैलाने, धमकी देने और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है।

नाबालिग गर्भवती ने ट्रेन में दिया बच्चे को जन्म नवजात को बैग में रख भागे घरवाले, ऐसे खुला राज

मुरादाबाद, 6 जुलाई (एजेंसियां)। समर स्पेशल ट्रेन में नवजात (लड़का) को जन्म देने वाली नाबालिग को जीआरपी ने तलाशा तो हैरान करने वाली कहानी सामने आई। वह खुद पीड़ित निकली। पता चला कि उसका ही बाप डेढ़ साल तक बेटी के साथ संबंध बनाता रहा जिससे गर्भ ठहर गया। नौ माह होने पर डिलीवरी के अंदेशे पर परिजन उसे ट्रेन से लेकर दिल्ली के लिए निकले थे, लेकिन ट्रेन के बनारस पहुंचने से पहले ही गर्भवती बेटी ने बच्चे को शौचालय में जन्म दे दिया। फंसने के डर के चलते परिजनों ने बच्चे को बैग में रखा और ट्रेन से उतर आए। फिर स्टेशन पर खड़ी समर स्पेशल ट्रेन (04503) के जनरल कोच में बैग रख दिया और लड़की को लेकर वापस छपरा लौट गए। ट्रेन बरेली पहुंचने पर बच्चे के रोने की आवाज आई तो वेंडर की नजर पड़ी, तब जैसे-तैसे मासूम को मुरादाबाद स्टेशन पर उतारा गया और अस्पताल में भर्ती कराया गया। बैग में मिले सिम से पूरी कहानी का पटाक्षेप हुआ। 22 जून को पटना से चंडीगढ़ जा रही समर स्पेशल ट्रेन (04503) के जनरल कोच में बैग में नवजात रखा मिला था, उसकी नाल भी नहीं कटी हुई थी। बरामद सिम से पुलिस को बिहार के छपरा जिले की रहने वाली लड़की के बारे में जानकारी हुई।

धर्मांतरण का मास्टरमाइंड 'झांगुर बाबा' अरेस्ट

लखनऊ, 6 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश एटीएस ने बलरामपुर से 50 हजार रुपए के इनामी अभियुक्त जमालुद्दीन उर्फ झांगुर बाबा को गिरफ्तार कर एक बहुस्तरीय अवैध धर्मांतरण गिरोह का पर्दाफाश किया है। बाबा के साथ नीतू उर्फ नसरीन को भी गिरफ्तार किया गया। दोनों के खिलाफ लखनऊ स्थित एटीएस थाने में गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज है। इस गिरोह ने 'प्यार, पैसा और पहचान' के नाम पर न केवल धर्म बदला, बल्कि समाज की जड़ें हिलाने की कोशिश की। झांगुर बाबा हिंदू लड़कियों के पास मुस्लिम लड़कों को हिंदू बनाकर भेजता था। धोखे से या डराकर उनका निकाह भी करा देता था।

वह 40 बार विदेश यात्रा कर चुका है। एटीएस की जांच में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं गिरोह ने जाति आधारित दरें तय कर रखी थीं। ब्राह्मण, क्षत्रिय, सिख लड़कियों के धर्म परिवर्तन पर 15–16 लाख रुपए, ओबीसी वर्ग की लड़कियों के लिए 10–12 लाख रुपए, अन्य जातियों के लिए 8-10 लाख रुपए तक का भुगतान किया जाता था। ये रकम विदेशी फंडिंग से आती थी, जिसे धर्म परिवर्तन और संपत्ति खरीद में इस्तेमाल किया जाता था।

फंदे से लटकती मिली स्टाफ नर्स, पति को छोड़ दूसरे युवक के साथ रह रही थी; पुलिस कर रही जांच

अयोध्या, 6 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी के अयोध्या में कुमारगंज स्थित संयुक्त चिकित्सालय के आवासीय परिसर के कमरे में स्टाफ नर्स का शव पंखे से लटकता हुआ मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके जानकारी जुटाई। प्रथम दृष्टया आत्महत्या का मामला लग रहा है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। संयुक्त चिकित्सालय, कुमारगंज में तैनात स्टाफ नर्स सीमा श्रीवास्तव (36) की मौत हुई है। बताया गया कि सीमा का अपने पति भूपेंद्र श्रीवास्तव से विवाद चल रहा था।

वह पति को छोड़कर एक वर्ष से अमेठी के कोरारी निवासी अमित कुमार सिंह के साथ रह रही थी। सीमा मूल रूप से सुल्तानपुर के गोरसरा की रहने वाली थी। सूचना पर कुमारगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को फंदे से उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मामले की छानबीन की जा रही है। पुलिस ने स्टाफ नर्स के परिवारीजनों को घटना की सूचना दे दी है।

गढ़वा में हाथियों के झुंड का उत्पात, जनपद में अलर्ट

सोनभद्र, 6 जुलाई (एजेंसियां)। जनपद सीमा से सटे गढ़वा जिले के गांव में हाथियों के झुंड ने जमकर उत्पात मचा रखा है। हाथियों के उत्पात की सूचना के बाद जनपद में वन विभाग अलर्ट हो गया है। छत्तीसगढ़ के जंगलों से भटक कर आए करीब 10 हाथियों के झुंड ने झारखंड के गढ़वा जिले के घुरकी प्रखंड के गांव में जमकर उत्पात मचा रखा है। इन दिनों कनहर नदी में बाढ़ आया हुआ है। जिसके कारण हाथियों का यह झुंड झारखंड के सीमावर्ती गांव में ठहर गया है। छत्तीसगढ़ के हाथियों के झुंड पर वन विभाग पल-पल की जानकारी रख रहा है। हाथियों के इस झुंड में तीन बच्चे भी हैं, जिसके कारण यह काफी आक्रामक हैं। लोगों को देखते ही काफी तेजी से आवाज करते हुए उनकी तरफ दौड़ लगा रहे हैं। इसके अलावा उनके फसलों को भी नष्ट कर रहे है।

मुजफ्फरनगर में आधी रात बदमाशों की ताबड़तोड़ फायरिंग दहशत में रहा खेड़की गांव

मुजफ्फरनगर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुज़फ्फरनगर में एके सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां नकाबपोश बदमाशों ने एक मकान पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर पूरे इलाके में दहशत फैला दी। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घंटा पुरकाजी ठना क्षेत्र के गांव खेड़की की है। दरअसल ये घटना खेड़की गांव निवासी मिथुन कुमार के घर की है, जहां 4 जुलाई की देर रात करीब 1:20 बजे तीन नकाबपोश बदमाशों ने उनके मकान पर कई राउंड फायरिंग की। मिथुन कुमार ने बताया कि बदमाशों ने चेहरा ढका हुआ था और पूरी वारदात उनके घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। फायरिंग की आवाज से इलाके में दहशत फैल गई, लेकिन गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। मिथुन ने आरोप लगाया कि इस हमले के पीछे गांव के वर्तमान प्रधान सोमपाल के साथ उनकी पुरानी रंजिश है।

सारंडा में घायल हाथी 'गडरु' ने तोड़ा दम

आइईडी ब्लास्ट में गंभीर रूप से हुआ था जख्मी, 10 दिनों से जंगल में भटक रहा था

सारंडा, 6 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिमी सिंहभूम के सारंडा जंगल में नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी ब्लास्ट में घायल हुए छह साल के जंगली हाथी की इलाज के दौरान मौत हो गई। हाथी का नाम 'गडरु' है। बीते दस दिनों से वह जंगल में घायल हालत में भटक रहा था। वन विभाग की तमाम कोशिशों के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। वन विभाग और गुजरात के वनतारा की मेडिकल टीम ने शनिवार की देर शाम हाथी को ट्रैंकुलाइज किया। इसके बाद उसे सारंडा के दीघा से जराईकेला लाया गया।

रातभर इलाज की कोशिशें जारी रहीं, लेकिन ज्यादा खून बह जाने और शरीर में अंदरूनी जख्म के कारण उसने दम तोड़ दिया। आज मृत हाथी का पोस्टमॉर्टम किया जाएगा। घटना 24 जून की बताई जा रही है,

रेलवे कोयला साइट पर अंधाधुंध फायरिंग अपराधियों ने ट्रक को फूंका

रांची, 6 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड में अपराधियों के हौसले एक बार फिर बेकाबू होते नजर आ रहे हैं। लातेहार जिले के फुलबसिया रेलवे कोयला साइडिंग में बीती रात बेखौफ अपराधियों ने गोलीबारी कर दहशत का माहौल बना दिया। अपराधियों ने मौके पर खड़े एक हाईवा ट्रक को आग के हवाले कर दिया, जिससे वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो गया। इस वारदात के पीछे कुख्यात राहुल दुबे गैंग का नाम सामने आया है, जिसने न सिर्फ घटनास्थल पर एक हाथ से लिखा धमकी भरा पर्चा छोड़ा, बल्कि फेसबुक पोस्ट के जरिए भी खुली धमकियां दी हैं।

गवाहों के मुताबिक, अपराधियों ने घटनास्थल पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं। ग्रामीणों ने डर के कारण खुलकर कुछ कहने से परहेज किया, लेकिन दबी जुबान से गोलीबारी की पुष्टि की। पुलिस को मौके से सात खोखे बरामद हुए हैं, जिनमें दो जिंदा कारतूस हैं। वारदात के बाद कोयला साइटिंग पर काम कर रहे ट्रांसपोर्टर, हाईवा मालिक और मजदूरों में भय का माहौल व्याप्त है।

अमेरिका ने दी दलाई लामा को जन्मदिन की बधाई

कहा- तिब्बतियों के मानवाधिकारों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध

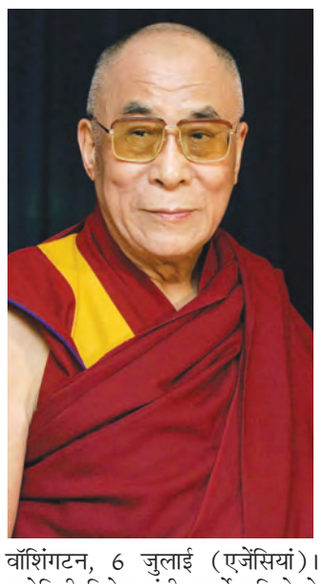

वॉशिंगटन, 6 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने दलाई लामा को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। दलाई लामा रविवार को 90 साल के हो गए। अमेरिका के विदेश विभाग की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि अमेरिका तिब्बतियों के मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता के सम्मान को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

वहीं पीएम मोदी ने भी दलाई लामा को जन्मदिन की बधाई दी है। यूएस डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट ने एक बयान में कहा, अमेरिका तिब्बतियों के मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता के सम्मान को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। हम तिब्बतियों की विशिष्ट भाषाई, सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को संरक्षित करने के प्रयासों का समर्थन करते हैं, जिसमें हस्तक्षेप के बिना धार्मिक नेताओं को स्वतंत्र रूप से चुनने और उनका सम्मान करने की उनकी क्षमता भी शामिल है। 14वें दलाई लामा, जिन्हें 'बेजुबानों की आवाज' कहा जाता है, और दशकों तक जीने का लक्ष्य रखते हैं। अपने 90वें जन्मदिन से पहले, नोबेल शांति पुरस्कार विजेता ने पुष्टि की कि उनका उत्तराधिकारी होगा, जिससे इस बात की अटकलों पर विराम लग गया कि क्या उनके निधन के बाद 600 वर्ष पुरानी संस्था समाप्त हो जाएगी।

इस बीच, दलाई लामा के 90वें जन्मदिन के विशेष अवसर पर, उत्तर भारत के इस पहाड़ी शहर में स्थित केंद्रीय तिब्बती प्रशासन (सीटीए) (जो तिब्बत के अंदर और बाहर रहने वाले तिब्बती लोगों का प्रतिनिधित्व करता है) ने 6 जुलाई 2025 से 5 जुलाई 2026 तक को करुणा वर्ष घोषित किया है। दलाई लामा ने अपने जन्मदिन की पूर्व संध्या पर एक संदेश में कहा, मैं अपने लक्ष्यों पर ध्यान देना जारी रखूंगा। मैं मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने, धार्मिक एकता को प्रोत्साहित करने, प्राचीन भारतीय ज्ञान पर ध्यान दिलाने, जो मन और भावनाओं की कार्यप्रणाली को समझाता है, और तिब्बती संस्कृति व विरासत को संरक्षित करने के लिए काम करूंगा। तिब्बती संस्कृति शांति और करुणा का संदेश दुनिया को देती है। उन्होंने कहा, मैं बुद्ध और शांतिदेव जैसे भारतीय गुरुओं की शिक्षा से काफी प्रभावित हूं। उनकी सीख को आत्मसात कर मैं जीवन में दृढ़ संकल्प और साहस के साथ आगे बढ़ रहा हूं। मैं उनसे हमेशा प्रेरित होता हूं।

दलाई लामा, जो चीनी शासन के खिलाफ असफल विद्रोह के बाद मार्च 1959 में तिब्बत से भाग आए थे। वो 'मध्यम मार्ग' दृष्टिकोण, यानी तिब्बत के लिए पूर्ण स्वतंत्रता के बजाय अधिक स्वायत्तता में विश्वास रखते हैं।

चीन को मुनाफा और भारतीयों को लगा रहे थे चूना, 7 इंडियन एजेंट अरेस्ट

रांची, 6 जुलाई (एजेंसियां)। आधुनिकता के इस दौर में साइबर फ्रॉड एक ऐसी जटिल समस्या बन गई है, जिससे निपटने के लिए लगातार अपराध अनुसंधान विभाग झारखंड (रांची) लगातार कार्रवाई कर रहा है। इसी क्रम में आज झारखंड सीआईडी की टीम को एक बड़ी सफलता मिली है। रांची के जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ओलिव गार्डन नामक होटल में छापा मारकर 7 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार सभी आरोपी चीनी साइबर फ्रॉड के नेटवर्क से जुड़े हुए थे। वो भारत में चीनी गिरोह के लिए काम करते थे। ये लोग पहले लोगों से पैसा निवेश करवाते ये कहकर कि उन्हें ज्यादा मुनाफा मिलेगा। फिर उन्हें चूना लगा देते। यही नहीं, लोगों को डिजिटल अरेस्ट करके भी पैसे ऐंठते। गुप्त सूचना के आधार पर सीआईडी की साइबर क्राइम ब्रांच ने होटल में छापेमारी की। गिरफ्टार 7 साइबर अपराधियों की पहचान बिहार के सिवान जिला के टाउन थाना के रहने वाले कुमार दीपक, नालंदा जिला के बिन्द थाना क्षेत्र के रहने वाले कुमार सौरभ, सिवान जिला के टाउन थाना क्षेत्र के रहने वाले प्रभात कुमार, मध्य प्रदेश के सागर जिला के रहने वाले लखन चौरसिया, पटना जिला के दिदारगंज थाना क्षेत्र के रहने वाले अनिल कुमार, नवादा जिला के रहने वाले शिवम कुमार के और पटना जिला के गौरीचक थाना क्षेत्र के रहने वाले प्रदीप कुमार के रूप में हुई है।

हॉकी खिलाड़ी बिमल लाकड़ा से मिलीं कृषि मंत्री नेहा तिर्की, स्वास्थ्य की जानकारी ली

रांची, 6 जुलाई (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी बिमल लाकड़ा का इलाज राजधानी रांची स्थित क्यूरेस्टा अस्पताल में जारी है। मंगलवार को राज्य की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की अस्पताल पहुंचीं और बिमल लाकड़ा से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। मंत्री नेहा तिर्की ने हॉकी खिलाड़ी की पत्नी कांति विमल लाकड़ा और समाजसेवी अनिल अभिताभ पन्ना से पूरी घटना की विस्तृत जानकारी भी ली। उन्होंने डॉक्टरों की टीम से इलाज की प्रगति के बारे में चर्चा की और बेहतर इलाज के लिए हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। मंत्री ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि बिमल लाकड़ा जल्द स्वस्थ हों और अपने परिवार के साथ पहले की तरह सामान्य जीवन बिताएं। बताया गया कि बिमल लकड़ा के स्वास्थ्य में लगातार सुधार हो रहा है और डॉक्टरों की टीम दिन-रात उनकी देखभाल में जुटी है। इससे पहले राज्यपाल संतोष गंगवार, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी भी अस्पताल जाकर बिमल लकड़ा का हालचाल ले चुके हैं। बता दें कि लाकड़ा ने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय हॉकी मुकाबलों में देश का प्रतिनिधित्व किया है। उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना राज्य के हॉकी खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों द्वारा लगातार की जा रही है।

भारत के पड़ोस में फिर डोली धरती, घरों से दौड़े सहमे लोग

जकार्ता, 6 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के पड़ोसी मुल्क इंडोनेशिया में धरती डोली है। यहां सबांग शहर में स्थित आचेह में 5.5 तीव्रता का भूकंप आया है। भारत के पड़ोसी मुल्क इंडोनेशिया में धरती डोली है। यहां सबांग शहर में स्थित आचेह में 5.5 तीव्रता का भूकंप आया है। इससे पहले इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप के पास भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। यूएसजीएस के मुताबिक, भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह 6:55 बजे (2255 जीएमटी) आया था, जो सुलावेसी प्रांत के पास समुद्र में 10 किलोमीटर (6.2 मील) की गहराई पर था।

इंडोनेशिया के अलावा अंडमान सागर में भी रविवार (6 जुलाई 2025) को भूकंप के झटके महसूस किए गए, जो रिक्टर पैमाने पर 4.5 तीव्रता का दर्ज किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी की रिपोर्ट के मुताबिक भूकंप 10 किलोमीटर की गहराई पर आया था। इंडोनेशिया और अंडमान सागर तीन प्रमुख प्लेट्स (इंडो-ऑस्ट्रेलियन, यूरेशियन, और बर्मा प्लेट) के जंक्शन पर स्थित हैं।

नीली बत्ती वाली कार पर डीएसपी की पत्नी का स्टंट हाईकोर्ट ने खुद लिया संज्ञान, मांगा शपथ पत्र

बलरामपुर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर के डीएसपी पति की नीली बत्ती वाली कार पर पत्नी के स्टंट मामले में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने मामले का स्वतः संज्ञान लिया है। मामले को जनहित याचिका मानकर हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बैंच ने चीफ सेक्रेटरी से मामले में क्या कार्रवाई की गई इसको लेकर शपथ पत्र मांगा है।

शपथ पत्र के साथ जवाब देने के लिए हाईकोर्ट ने सरकार को एक हफ्ते का समय दिया है। मामले की अगली सुनवाई अगले हफ्ते होगी। दरअसल पिछले दिनों बलरामपुर-रामानुजगंज में 12वीं बटालियन में तैनात डीएसपी तस्लीम आरिफ की पत्नी फरहीन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था।

वायरल वीडियो में डीएसपी की पत्नी अपने जन्मदिन का केक डीएसपी पति की नीली बत्ती लगी गाड़ी के बोनट पर बैठ कर काटती दिखाई दे रही हैं। वहीं, दूसरे वीडियो में फरहीन अपनी सहेलियों के साथ चलती गाड़ी पर खतरनाक स्टंट करती दिखाई दे रही हैं। जानकारी के मुताबिक ये वीडियो अम्बिकापुर के सरगवां पैलेस होटल में शूट किए गए थे। डीएसपी की पत्नी अपनी सहेलियों के साथ अपना बर्थडे सेलिब्रेट करने के लिए वहां पहुंची थी। वीडियो में दिखाई दे रही नीली बत्ती वाली एक्सयूवी 700 डीएसपी तस्लीम आरिफ की निजी गाड़ी है। बर्थडे सेलिब्रेशन के दौरान ये तमाम वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किए गए थे।

इस मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद गांधीनगर पुलिस ने इसकी जांच की। जांच में बताया गया कि वीडियो में दिखाई दे रही एक्सयूवी 700 क्रमांक (सीजी 15 ईएफ 3978) डीएसपी तस्लीम आरिफ की निजी गाड़ी है। जिस पर नीली बत्ती लगाई गई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि ड्राइवर ने गाड़ी के दरवाजे, सनरूफ और डिग्गी खोलकर लोगो को लटकाकर लापरवाही पूर्ण गाड़ी चलाई। पुलिस ने ये तो माना कि ये यातायात नियमों का उल्लंघन है और कार ड्राइवर के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 177, 184 और 281 के तहत मामला दर्ज किया । लेकिन इस मामले किसे आरोपी बनाया गया है ये पुलिस की एफआईआर में स्पष्ट नही किया गया।

अब इस मामले पर छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा की डिवीजन बेंच ने वायरल वीडियो और मीडिया रिपोर्ट्स को जनहित याचिका मानकर इस पर स्वतः संज्ञान लिया है। हाई कोर्ट में छत्तीसगढ़ के चीफ सेक्रेटरी से शपथ पत्र के माध्यम से जवाब मांगा है, कि आखिर इस मामले पर सरकार ने क्या कार्रवाई की गई? मामले की अगली सुनवाई अगले सप्ताह की जाएगी।

इजरायल से युद्ध के बाद बंकर से बाहर निकले खामेनेई, पहली बार सामने आए ईरान के सर्वोच्च नेता

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। इजरायल-ईरान के बीच चले युद्ध के बाद सुरक्षित बंकर में छिपे ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई बाहर निकल आए हैं। उन्होंने एक धार्मिक कार्यक्रम में सार्वजनिक रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस बात की जानकारी सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। ईरान के सरकारी टेलीविजन पर जारी एक वीडियो में खामेनेई को लोगों का अभिवादन और मस्जिद में उनका उत्साहवर्धन करते दिखाया गया। ये मौका नमाजी इमाम हुसैन की शहादत की वर्षगांठ मनाने का था। ये शिया मुसलमानों के लिए महत्वपूर्ण दिन होता है।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में खामेनेई को काले कपड़ों में देखा जा सकता है, जबकि उनके सामने खड़ी भीड़ 'हमारी रगों में हमारे नेता के लिए खून है' के नारे लगा रही है। सरकारी टीवी का कहना है कि ये क्लिप मध्य तेहरान की इमाम खुमैनी मस्जिद की है। 1989 से ईरान की सत्ता संभाल रहे खामेनेई को 13 जून को इजरायल के हवाई हमलों के बाद से सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया था। पिछले सप्ताह के प्री-रिकॉर्डेड वीडियो जारी किया गया था, जिसमें वो दिखाई दे रहे थे। वो सार्वजनिक रूप से उस वक्त दिखे थे जब उन्होंने संसद सदस्यों से मुलाकात की थी।

अमेरिका के टेक्सास में बाढ़ का कहर, 51 की गई जान

15 मिनट में 26 फुट बढ़ा जल स्तर हजारों घर डूबे; 51 लोगों की मौत

टेक्सास, 6 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के टेक्सास राज्य में तड़के आई भीषण बाढ़ से मची भारी तबाही का दायरा बढ़ गया है। इस भयानक बाढ़ में हुई मौतों का आंकड़ा बढ़कर 13 से 51 तक पहुंच गया है।

इस आपदा से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र केर काउंटी रहा है। अकेले इसी क्षेत्र में ही 15 बच्चों सहित 43 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। इसके अलावा आसपास के इलाकों में भी कई लोग मारे गए हैं। इस अचानक आई बाढ़ ने इलाके में अफरा-तफरी मचा दी। बारिश और बाढ़ से मची तबाही का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यहां की ग्वाडालूप नदी का जलस्तर मात्र 45 मिनट में 26 फुट तक बढ़ गया। इसके चलते पेड़ जड़ से उखड़ गए, वाहन पानी में बह गए और अनेक इमारतें गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गईं। हजारों घर पानी में डूब गए। इस बाढ़ के समय हंट क्षेत्र में स्थित ग्वाडालूप नदी किनारे चल रहे 'मिस्टिक समर कैंप' में 27 लड़कियां शामिल थीं, जो अब भी लापता हैं।

बचाव दल लापता लड़कियों की तलाश में जुटा है और राज्य में आपातकालीन सेवाएं पूरी तत्परता से काम कर रही हैं। यह कैंप हर वर्ष बच्चों के लिए आयोजित किया जाता है और बाढ़ की दृष्टि से संवेदनशील इलाके में होने के बावजूद ऐसे आयोजनों को वर्षों से जारी रखा गया है। बचाव कार्य बड़े पैमाने पर चलाया जा रहा है, जिसमें हेलीकॉप्टर, नाव और ड्रोन की मदद ली जा रही है। राहत दल अब तक 850 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकालने में सफल रहा है। राज्य के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने बताया कि राहत और बचाव कार्य लगातार चौबीसों घंटे चलाया जा रहा है।

उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि किसी भी तरह की मदद में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। हालांकि, इस भयावह त्रासदी को लेकर स्थानीय निवासियों में प्रशासन के प्रति नाराजगी है। उनका कहना है कि बाढ़ जैसी आपात स्थिति के लिए कोई पूर्व चेतावनी नहीं दी गई थी, जिससे जान-माल का भारी नुकसान हुआ। कई लोगों का मानना है कि यदि समय रहते चेतावनी दी जाती, तो इतनी बड़ी संख्या में जानें नहीं जातीं और समर कैंप में भाग ले रहे बच्चों को भी सुरक्षित निकाला जा सकता था।

ट्रंप की सुरक्षा में बड़ी चूक

जहां छुट्टियां मना रहे थे राष्ट्रपति; उसी एअरस्पेस में दाखिल हुआ विमान

वॉशिंगटन, 6 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका में एक एफ-16 लड़ाकू विमान ने (06 जुलाई, 2025) को एक सिविलियन एयरक्राफ्ट (नागरिक विमान) को रोका क्योंकि वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के न्यू जर्सी स्थित बेडमिन्स्टर गोल्फ क्लब के ऊपर बने नो-फ्लाई जोन में घुस गया था। इस इलाके को अस्थायी रूप से उड़ानों के लिए बंद किया गया था क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप वहां छुट्टियां मना रहे हैं। अमेरिकी डिफेंस एजेंसी नोराड ने बताया कि उन्होंने तुरंत एक एफ-16 जेट भेजा, जिसने उस विमान को सुरक्षा से बाहर निकाल दिया। नोराड ने कहा कि विमान से किसी तरह का खतरा नहीं था और सबकुछ शांतिपूर्वक हो गया। राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए जब वे कहीं बाहर होते हैं तो उस इलाके को कुछ समय के लिए उड़ानों के लिए बंद कर दिया जाता है। अधिकारियों के मुताबिक, घुसपैठ करने वाले विमान को रोकने के लिए एफ-16 लड़ाकू विमान भेजा गया। उसने नागरिक विमान का ध्यान खींचने के लिए एक विशेष हेडबट मूव किया। यानी विमान के ठीक आगे से तेजी से उड़ान भरना, जिससे पायलट सतर्क हो गया। इसके बाद उसे सुरक्षित रूप से प्रतिबंधित क्षेत्र से बाहर निकाल दिया गया। नोराड ने कहा है कि यह हाल के हफ्तों में ऐसी कई घटनाओं में से एक है। उन्होंने पायलटों से अपील की है कि उड़ान भरने से पहले वे सभी उड़ान प्रतिबंधों और नोटम (वायु मिशनों को सूचना) की जानकारी जरूर लें।

चीन ने राफेल की बिक्री घटवाने के लिए अपने दूतावासों के जरिये कई देशों में फैलाया झूठ, फ्रांसीसी खुफिया रिपोर्ट ने खोली पोल

पेरिस, 6 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद चीन ने एक और बेहद गंदा खेल खेला है, जिसके बारे में सुनकर आपके होश उड़ जाएंगे। फ्रांसीसी खुफिया रिपोर्ट ने खुलासा किया है कि भारत-पाक युद्ध के दौरान चीन ने कई देशों में अपने दूतावासों का इस्तेमाल करके राफेल लड़ाकू विमानों की बिक्री कमजोर करवाने के लिए बड़ा झूठ फैलाया। इस दौरान चीन ने फ्रांस के राफेल लड़ाकू विमानों को खरीदने का सौदा कर चुके या इच्छुक देशों को दूतावासों के जरिये पाक के साथ युद्ध में भारत के राफेल विमानों के नुकसान होने का झूठ फैलाया। ऐसा झूठ फैलाने के पीछे चीन का मकसद अपने लड़ाकू विमानों को दूसरे देशों को खरीदने के लिए प्रोत्साहित करना था। फ्रांसीसी सैन्य और खुफिया अधिकारियों ने निष्कर्ष निकाला है कि चीन ने भारत और पाकिस्तान के बीच मई में हुए टकराव में राफेल विमानों की भूमिका देखने के बाद उनके प्रदर्शन पर संदेह फैलाने और फ्रांस के प्रमुख लड़ाकू विमान की प्रतिष्ठा गिराने और बिक्री को कमजोर करने के लिए दुनियाभर में अपने दूतावासों का उपयोग किया।

रिपोर्ट के अनुसार चीन के विदेशी दूतावासों में रक्षा मामलों से जुड़े अधिकारियों ने राफेल की बिक्री को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया। फ्रांस की खुफिया रिपोर्ट के अनुसार चीन ने विशेष रूप से राफेल का ऑर्डर दे चुके देशों को हतोत्साहित करने का काम किया। इसमें इंडोनेशिया भी शामिल है, जिसने पहले ही रॉफेल का ऑर्डर दे रखा है। इसके साथ ही बीजिंग ने अन्य संभावित ग्राहकों को भी चीन के हथियारों की ओर आकर्षित करने का प्रयास किया। अपने लड़ाकू विमानों की बिक्री बढ़ाने और राफेल फाइटर जेट की बिक्री घटाने के लिए चीन ने पाकिस्तान से भी झूठा दावा करवाया।

इसके बाद पाकिस्तान ने दावा किया कि उसने लड़ाई में पांच भारतीय विमान गिराए थे, जिनमें तीन राफेल शामिल थे। फ्रांसीसी अधिकारियों ने बताया है कि इन झूठे दावों से राफेल खरीद चुके देशों में इसके प्रदर्शन को लेकर सवाल उठे। फ्रांसीसी अधिकारियों का मानना है कि पाकिस्तान और चीन ने मिलकर सोशल मीडिया पर एक संगठित डिसइंफॉर्मेशन अभियान चलाया। इसमें राफेल के कथित मलबे की फर्जी तस्वीरें, एआई-निर्मित वीडियो और वीडियो गेम के दृश्यों का इस्तेमाल किया गया। फ्रांसीसी अनुसंधानकर्ताओं ने बताया कि संघर्ष के दौरान 1,000 से अधिक नए सोशल मीडिया अकाउंट बनाए गए, जिन्होंने चीनी तकनीक को श्रेष्ठ दिखाने की कोशिश की। फ्रांसीसी खुफिया रिपोर्ट में कहा गया है कि चीनी दूतावासों के रक्षा अधिकारियों ने अन्य देशों के रक्षा अधिकारियों के साथ बैठकों में यह प्रचार किया कि राफेल प्रदर्शन में कमजोर है और चीनी विमानों को तरजीह दी जानी चाहिए।

बीजिंग ने रिपोर्ट को किया खारिज

इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद बीजिंग के रक्षा मंत्रालय ने इस आरोप को निराधार अफवाह और बदनामी करार दिया और कहा कि चीन सैन्य निर्यात में हमेशा जिम्मेदार और सतर्क रवैया अपनाता है। वहीं फ्रांसीसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि राफेल को जानबूझकर निशाना बनाया गया क्योंकि यह न केवल एक उच्च प्रदर्शन वाला विमान है, बल्कि यह फ्रांस की रणनीतिक स्वायत्तता, औद्योगिक विश्वसनीयता और अंतरराष्ट्रीय साझेदारी का प्रतीक भी है।

ट्रंप ने खुद माना उनके बस में नहीं पुतिन को रोकना, रूस ने बढ़ाया अपना सैन्य उत्पादन

वॉशिंगटन, 6 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस में वापसी के बाद और चुनावों के दौरान जोर देते रहे हैं कि यूक्रेन-रूस युद्ध को वह रुका सकते हैं। कुर्सी संभाले हुए महीनों बीतने के बाद अब ट्रंप इस बात को स्वीकार करने लगे हैं कि रूस यूक्रेन के बीच युद्ध विराम इतना आसान नहीं है। ट्रंप ने 5 जुलाई को कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने में रुचि नहीं रखते हैं, ट्रंप ने दोहराया कि वह दोनों नेताओं के बीच 3 जुलाई को हुई फोन कॉल से "बहुत नाखुश" हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध को समाप्त कर सकते हैं, तो ट्रंप ने कहा , 'मुझे नहीं पता। मैं आपको यह नहीं बता सकता कि ऐसा होने वाला है या नहीं।' जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या युद्ध समाप्त करना उनकी प्राथमिकता है, तो उन्होंने सहमति जताते हुए कहा, "हां। मैं ऐसा होते देखना चाहूंगा।" रूस यूक्रेन के खिलाफ अपना अभियान तेज कर रहा है। नाटो महासचिव मार्क रूट ने कहा, "रूस स्वयं को ऐसी गति से पुनर्गठित कर रहा है जो हाल के इतिहास में कभी नहीं हुई है।" उन्होंने कहा कि रूस अब तीन महीनों में तीन गुना ज्यादा गोला-बारूद का उत्पादन कर रहे हैं, जितना पूरा नाटो एक साल में करता है।

पुतिन लोगों को मारना जारी रखना चाहते हैं- ट्रंप

ट्रंप ने मीडिया से कहा कि पुतिन 'लोगों को मारना जारी रखना चाहते हैं', इससे संकेत मिलता है कि अमेरिका यूक्रेन में पैट्रियट्स भेज सकता है। रूसी के बढ़ते खतरे को देखते हुए जर्मनी पहले से ही रूस के लिए एयर डिफेंस खरीदने पर बातचीत कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, "ऐसा लगता है कि वह पूरी तरह से लोगों को मारना चाहते हैं। यह अच्छा नहीं है।" क्रेमलिन ने पुष्टि की कि करीब एक घंटे तक चली इस बातचीत में यूक्रेन पर ध्यान केंद्रित किया गया। पुतिन ने कथित तौर पर ट्रंप से कहा कि रूस युद्ध में अपने 'लक्ष्यों' का पीछा करना जारी रखेगा। जिसके बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि युद्ध और लंबा खिंच सकता है।

रूस ने बढ़ाया अपना सैन्य उत्पादन

वहीं रूस के अपने हमलों में दिन प्रतिदिन तेजी आ रही है और वह अपने कब्जे को यूक्रेन में एडवांस कर रहा है। निगरानी समूह का कहना है कि रूस ने निप्रॉपेट्रोव्स्क ओब्लास्ट सीमा के पास 2 गांवों पर कब्जा कर लिया है। रूसी सैनिक इस क्षेत्र में अपने हमले बढ़ा रहे हैं और निप्रॉपेट्रोव्स्क ओब्लास्ट में घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे हैं, जहां 2022 के बाद से कोई महत्वपूर्ण रूसी घुसपैठ नहीं देखी गई है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 7 जुलाई - 2025

भाषा पर राजनीति ?

भाषा में कितनी आत्मीयता है यह शनिवार को तब सिद्ध हो गया जब मुंबई में बीस साल से एक दूसरे को फूटी आंखों न सुहाने वाला ठाकरे परिवार फिर से एक हो गया। अब उन्हें यह समझना होगा कि भाषाई-युद्ध राजनीतिक तौर पर भले अस्थायी लाभ दे दे, लेकिन एक समय बाद उसे विलुप्त होते देर नहीं लगेगी है। देखा जाए तो भाषा की विविधता ही भारत की ताकत है। नौकरी तलाश रहे अधिकतर युवा भाषाई तौर पर कट्टर नहीं हैं। राजनीतिक दलों के लिए भाषाई कट्टरता राजनीतिक हथियार रही है, अब वह और मजबूत हुई है। अपनी भाषा की दुहाई इसलिए भी दी जा रही है ताकि असल मुद्दों से ध्यान भटकाया जा सके। अंग्रेजी के प्रति गृहमंत्री अमित शाह की नाराजगी की जड़ में संघ परिवार की हिंदी-हिंदू-हिंदुस्तान वाली विचारधारा देखी जा रही है कि औपनिवेशिक भाषा होने के नाते अंग्रेजी भारतीय संस्कृति के विरुद्ध है। लेकिन बताना जरूरी है कि अमित शाह खुद अहमदाबाद के सेंट जेवियर्स कॉलेज में बायोकेमिस्ट्री की पढ़ाई किए हैं, जो अंग्रेजी के प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक है। उनके पुत्र जय शाह भी अहमदाबाद के लोयोला हॉल में पढ़े, जो नामीगिरामी अंग्रेजी माध्यम का स्कूल है। इसके बावजूद शाह ने अंग्रेजी के प्रति तिरस्कार को कभी छुपाया नहीं है। इसी तरह ठाकरे बंधुओं ने भी अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में भेजा। उन्होंने हिंदी में बातचीत करना और साक्षात्कार देना भी नहीं छोड़ा है। फिर भी उनकी राजनीति 'मराठी प्रथम' के इर्द-गिर्द घूमती रही है ताकि सियासत के बाजार में उनका सिक्का चलता रहे। भाषा के मुद्दे पर ठाकरे बंधुओं की सियासत शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे के मूल 'धरतीपुत्र' आंदोलन को फिर से खड़ा करने का है। बताने में कोई गुरेज नहीं कि बाल ठाकरे भले ही गैर-मराठीभाषियों के विरुद्ध बोलते रहे हों, लेकिन उन्होंने अपनी पहली नौकरी अंग्रेजी के एक अखबार में कार्टूनिस्ट के तौर पर की थी। आज जब शिवसेना के सामने अस्तित्व का संकट आया तो ठाकरे बंधु फिर भाषाई अस्मिता के मुद्दे पर मैदान संभाल लिए हैं। एमके स्टालिन भी तमिलनाडु के लोगों पर हिंदी थोपने का जो मुद्दा उठा रहे हैं, वह राज्य में होने जा रहे चुनावों से पहले का एक चिर-परिचित सियासी औजार के अलावा कुछ नहीं है। बता दें कि 1960 के दशक में द्रविड़ दलों का उदय ही हिंदी विरोधी आंदोलनों के कारण हुआ था। छह दशक बाद जब स्टालिन नई शिक्षा नीति में त्रिभाषा फॉर्मूले को तमिलियन पर हिंदी थोपने का प्रयास बता कर उत्तर-दक्षिण की जंग को सुलगाकर चुनावी रोटी सेंकने की तैयारी में हैं। जहां वे 'तमिल प्रथम' का युद्धघोष कर रहे हैं, वहीं उनके परिवार के बच्चे पढ़ने के लिए विदेशी विश्वविद्यालयों में जा रहे हैं। जबकि चेन्नई में अधिकतर निजी स्कूल त्रिभाषा पाठ्यक्रम के लिए तैयार हैं, जिसमें हिंदी वैकल्पिक भाषा है। मुद्दा यह है कि समाजवादी-लोहियावादियों से लेकर हिंदुत्ववादी और क्षेत्रीय क्षत्रपों तक सभी राजनेता भले ही अंग्रेजी के खिलाफ जोर लगा लें, लेकिन ये सभी अपने बच्चों को अंग्रेजी स्कूलों में ही भेजना पसंद करते हैं। कम से कम आधा दर्जन कैबिनेट मंत्रियों के बच्चे तो आज प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालयों में पढ़ कर वहीं सेटल हो चुके हैं। अंग्रेजी अब आशाओं और महत्वाकांक्षाओं की भाषा बन गई है। इसीलिए देश के कोने-कोने में अंग्रेजी कोचिंग कक्षाएं मुनाफे में चल रही हैं। अंग्रेजी बोलने में शर्माने के बजाय युवा इसमें महारत हासिल करना चाह रहे हैं। खुद हिंदी भी अब देश में उन्नति और उम्मीदों की भाषा बन चुकी है। यही कारण है कि दक्षिण में बनी फिल्में हिंदी में रिलीज होते ही ब्लॉकबस्टर बन जाती हैं।

गांधी का स्वराज और केरल हाईकोर्ट की टिप्पणी

रघु ठाकुर

केरल हाई कोर्ट के जस्टिस ए मोहम्मद मुस्ताक और जस्टिस पी कृष्ण कुमार की बेंच ने 27 फरवरी 2025 को एक याचिका की सुनवाई करते हुए टिप्पणी की थी कि शगवर्नेंस की समस्याएं काफी बढ़ गई है, महात्मा गांधी द्वारा प्रस्तावित ग्राम स्वराज को खत्म करने की आवश्यकता है। य जस्टिस मुस्ताक ने यह भी कहा कि श्स्थानीयकरण और विकेंद्रीकरण से अपेक्षित परिणाम नहीं मिले हैं। गांधी जी द्वारा प्रस्तावित ग्राम स्वराज का विचार जो अब संवैधानिक रूप से शामिल है उसे खत्म करना चाहिए क्योंकि गवर्नेंस में अब जटिलता आ गई है। पहले छोटे मुद्दे ही हल करने होते थे अब स्थानीय प्राधिकरणों के लिए चुनौती बहुत बड़ी है।य उन्होंने आगे कहा कि हर पंचायत कचरा प्रबंधन नहीं कर सकती हमें पूरे जिले या बड़े क्षेत्र के लिए एक बड़ी संस्था की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि श्संपत्ति और भवन कर जैसे राजस्व संग्रहण भी इस स्थानीय दृष्टिकोण के कारण प्रभावित होते हैं।य जस्टिस मुस्ताक हाई कोर्ट के न्यायाधीश हैं उनका यह अधिकार है कि वह अपने विचार के अनुसार कोई भी टिप्पणी करें और एक नागरिक के नाते मेरा भी संवैधानिक अधिकार है कि मैं जस्टिस साहब पर टिप्पणी करूं।

जहां तक महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज और पंचायती राज के विचार में वर्तमान पर स्थितियों में संशोधन और सुधार का प्रश्न तो यह भी समझना होगा कि सुधार मूल विचार में नहीं होता बल्कि मूल विचार को लागू करने की प्रक्रिया में होता है, परंतु जस्टिस मुस्ताक तो गांधी जी के ग्राम स्वराज को ही समाप्त करना चाहते हैं। मुझे लगता है कि उन्होंने गांधी जी को पढ़ा नहीं है या फिर सावधानी से नहीं पढ़ा और उन्होंने गांधी जी के विचारों और अपनी कल्पना के केंद्रीयकरण के खतरों को भी गंभीरता से नहीं समझा, वरना शायद वह ऐसी टिप्पणी नहीं करते। गांधी जी ने आजादी के आंदोलन के दौरान ही अपनी स्वराज की कल्पना को स्पष्ट कर दिया था। उन्होंने 1905 में हिंद स्वराज पुस्तक में स्पष्ट बताया था कि उनके लिए आजादी का मतलब क्या है? बापू के विचारों में आजादी का मतलब ग्राम स्वराज और व्यक्ति स्वराज था, जहां ग्राम हर अर्थों में आर्थिक राजनीतिक और सभी प्रकार से एक स्वतंत्र इकाई हो जो किसी दूसरे पर निर्भर नहीं हो और इसी प्रकार व्यक्ति भी उतना उन्नत हो कि उसे किसी बाहर के शक्ति बंधन या कानून की आवश्यकता ना हो। पंचायती राज की अवधारणा को संविधान में स्थान तो दिया गया था परंतु नीति निर्देशक सिद्धांतों में उस समय उसे संवैधानिक प्रावधान नहीं बनाया गया था, परंतु संविधान निर्माण के लगभग 35 वर्ष के बाद पंचायती राज लाने को संवैधानिक स्वरूप दिया गया और बापू की कल्पना को आधे अधूरे ढंग से या कुछ कुछ बेमन से संविधान में शामिल किया गया। निसंदेह इसके बाद ग्राम पंचायत से लेकर जनपद और जिला पंचायतों तक कुछ अधिकार उन्हें राज्य सरकारों द्वारा दिए गए परंतु उन्हें राजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक आजादी नहीं मिली और उन्हें अपने ग्राम विकास के काम को पूरा करने के लिए राज्य और केंद्र सरकारों सांसदों और विधायकों की निधि पर निर्भर रहना पड़ता है। एक बुनियादी फर्क तो आया है कि पंचायत में कौन सा काम कहां उपयोगी है इसमें यद्यपि पूर्णतया तो नहीं परंतु कुछ हद तक सुधार हुआ है। आजादी के बाद के प्रारंभिक काल में जो पंचवर्षीय योजना रूस की नकल के तौर पर लागू की गई थी उसमें नीचे से ग्रामीण समाज की आवश्यकता ऊपर जाती थी और बँटवारा केंद्र सरकार करता था। केंद्र भी केवल संख्या स्वीद्धत करता था परंतु स्थान चिन्हित करने का काम राज्य सरकारें ही करती थी और राज्य सरकारों में जो ताकतवर लोग होते थे अधिकांश योजनाओं को वे ही अपने प्रभावित क्षेत्र में ले जाते थे। यद्यपि भी अब पंचवर्षीय योजना नहीं है परंतु प्रशासनिक ढांचा तो लगभग वैसा ही स्थापित है तथा आज भी शासन प्रणाली में वितरण का न्याय नहीं है। बल्कि श्जिसकी लाठी उसकी भैंस्य का सिद्धांत चल रहा है, यानी जो सत्ता में है या जिसकी भागीदारी है, विकास की योजनाएं वह अपने मर्जी से ले जाता है या बंदरबांट करता है। आम जनता और ग्राम पंचायत से लेकर जनपद पंचायत तक भिखारी जैसी स्थिति होती है, जो मंत्री मुख्यमंत्री, सांसद, विधायकों के आगे हाथ जोड़े खड़ी रहती है। कहीं-कहीं इनके अध्यक्षों को सरकारी रेस्ट हाउस या विश्रामगृह में ठहरने की पात्रता दी गई है या बैठकों आदि में अध्यक्ष पद पर आसीन होने का अवसर मिल जाता है, परंतु पंचायत सचिव से लेकर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालिक अधिकारी तक सारे अधिकारों का प्रयोग लगभग अधिकारी ही करते है। यहां तक कि स्थानीय कर्मचारी, पटवारी, शिक्षक, कंपाउडर, आंगनबाड़ी कर्मचारी आदि पर भी उनका कोई नियंत्रण नहीं होता।

विकेंद्रीकरण के नाम के आधे अधूरे और कुछ हद तक इस विद्धत स्वरूप ने भ्रष्टाचार का विकेंद्रीकरण अवश्य कर दिया है और जिले से लेकर ग्राम पंचायत तक सभी अपनी क्षमता के अनुसार भ्रष्टाचार के चंगुल और जाल में फंसे हैं। पंचायत के स्तर पर तो अधिकारियों और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का भ्रष्टाचार या कमिशन के रेट तय करने का चलन बन चुका है। इन स्थितियों में गांधी जी के ग्राम स्वराज के विचार को दोष देना निरर्थक है। यह स्थानीयकरण और विकेंद्रीकरण के सिद्धांत की असफलता नहीं है, बल्कि उसे लागू करने वालों की मानसिक व भावनाओं की कमी है। स्थानीयकरण और विकेंद्रीकरण के बहुत लाभ होते हैं और अधिक हो भी सकते हैं पर शर्त यह है कि उन्हें लागू करने की ईमानदार इच्छा केंद्र व राज्य सरकार की हो तथा उसके लिए वे संवैधानिक प्रावधान सगुण रूप से बनाएं। जस्टिस मुस्ताक ने कचरा प्रबंधन को लेकर विकेंद्रीद्धत प्रणाली को अप्रभावी कहा है और इसे बड़े क्षेत्र के लिए जिले, पूरे जिले और बड़ी संस्था की आवश्यकता बताई है। जस्टिस महोदय भूल गए हैं कि बड़े क्षेत्र में भी कचरा प्रबंधन की प्रणाली लगभग असफल ही है। दूसरे छोटे इकाई में कचरा प्रबंधन आसान हो सकता है, क्योंकि वहां कचरा भी अलग प्रकार का और कम मात्रा में होता है। हमारे देश के गांव में आज भी पालीथिन का प्रयोग शहरों की तुलना में बहुत कम है, जो गंदगी और कचरा महानगरों में या बड़े स्तर पर होता है वह स्थिति ग्रामों में नहीं है। अगर ग्रामीण इकाइयों या पंचायत को आवश्यकता आवश्यक उपकरण या सुविधा मुहैया कराई जाए तो ग्रामीण इकाइयों में कचरा प्रबंधन बहुत आसानी से हो सकता है। दूसरी बात यह भी है कि मशीनीकरण ने आम इंसान की आत्मनिर्भरता दूर कर दी। हर बात इस बात पर निर्भरता राज्य सरकार या प्रशासन तंत्र के ऊपर हो रही है।

महात्मा गांधी को ग्राम स्वराज का दर्शन देने का नैतिक अधिकार था क्योंकि वे ग्रामों को न केवल आर्थिक प्रशासनिक, राजनीतिक इकाई के रूप में आजाद बनाना चाहते थे, बल्कि बेहतर इंसान को गढ़कर एक इकाई के रूप में अपना काम खुद करने की मानसिकता वाला बनाना चाहते थे। गांधी जी ने जो कहा और उसका पालन भी किया। जस्टिस साहब जरा याद करें कि जब महात्मा गांधी कोलकाता के कांग्रेस अधिवेशन में भाग लेने गए थे तो वहां मल मूत्र व गंदगी का ढेर लगा था। लोग एक-दूसरे से शिकायत कर रहे थे कि बहुत गंदगी है, और तब की बड़ी इकाई कोलकाता महानगर पालिका या सफाई कर्मी के इंतजार में थे। महात्मा गांधी ने वहां जाकर अपने हाथ से न केवल कचरे को बल्कि मल मूत्र को भी बाल्टी में भर-भरकर फेंकना शुरू किया और बाद में अन्य लोगों ने भी अनुसरण करना शुरू किया। जिसके परिणाम स्वरुप अधिवेशन स्थल साफ हो सका। उसके कुछ दिनों बाद महात्मा गांधी चंपारण गए और उन्होंने वहां भी गांव की गंदगी को खुद हाथ से साफ करना शुरू किया। उनका अनुसरण कर गांव वाले खुद सफाई करने लगे, किसी महानगरी या बड़ी इकाई को किसी मशीन की आवश्यकता नहीं पड़ी। आज अगर किसी गांव या ग्राम पंचायत में सफाई या कचरा प्रबंधन का अभाव है तो यह स्थानीय या विकेंद्रीकरण की असफलता नहीं है, बल्कि हमारी सभ्यता की असफलता है।

बदलता स्वरूप और भाषा का नया दौर

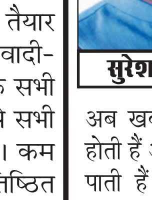
सुरेश गांधी

सोशल मीडिया ने पारंपरिक मीडिया की गति और दिशा दोनों को चुनौती दी है। ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स ने सूचना के संप्रेषण की प्रक्रिया को 'रीयल टाइम' बना दिया है। अब खबरें पहले सोशल मीडिया पर वायरल होती हैं और फिर मुख्यधारा के मीडिया में स्थान पाती हैं। सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को पत्रकार बना दिया है। अब कोई भी नागरिक किसी घटना का वीडियो या फोटो अपलोड कर खबर बना सकता है। खबरों की प्रस्तुति में भी बड़ा बदलाव आया है, जहां आकर्षक हेडलाइंस, शॉर्ट वीडियो, रील्स और छोटे-छोटे ट्वीट्स का बोलबाला है। सोशल मीडिया ने मीडिया की भाषा को सरल, हिंग्लिश और संवादात्मक बना दिया है। हालांकि, इसके साथ ही ट्रोलिंग, अफवाह और फेक न्यूज की समस्याएं भी तेजी से बढ़ी हैं, जिससे मीडिया की विश्वसनीयता पर सवाल उठने लगे हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स ने भारतीय मीडिया को कंटेंट की आज़ादी दी है। नेटफ्लिक्स, अमेज़न प्राइम, डिज़्नी$ हॉटस्टार, और भारतीय ओटीटी जैसे एमएक्स प्लेयर ने दर्शकों को समय, भाषा और विषय की आज़ादी दी है। अब दर्शक खुद तय करता है कि क्या देखना है, कब देखना है और किस भाषा में देखना है। ओटीटी के माध्यम से क्षेत्रीय भाषाओं का पुनर्जागरण हुआ है। हिंदी, तमिल, तेलुगु, मराठी, पंजाबी और भोजपुरी में अब वेब सीरीज़ और फिल्में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। ओटीटी कंटेंट की भाषा अधिक स्वाभाविक, स्थानीय मुहावरों से युक्त और बोलचाल की शैली में होती है। हालांकि सेंसरशिप की कमी के कारण इसमें कभी-कभी अभद्र भाषा और अश्लीलता की सीमा पार होने की शिकायतें भी देखी जाती हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) ने मीडिया में कंटेंट निर्माण, अनुवाद, और वितरण में क्रांतिकारी बदलाव किया है। समाचार एजेंसियां अब एआई की मदद से खेल, आर्थिक, और मौसम से संबंधित समाचार स्वतः तैयार कर रही हैं। वॉयस असिस्टेंट्स, चैटबॉट्स, और न्यूज एग्रीगेटर्स एआई के जरिए पाठकों को उनकी रुचि और भाषा के अनुसार समाचार परोस रहे हैं। या यूं कहे सोशल मीडिया ने समाचारों के संप्रेषण और उपभोग का तरीका बदल दिया है। अब समाचार तत्काल चाहिए और संक्षिप्त चाहिए। ट्विटर, इंस्टाग्राम रील्स, यूट्यूब शॉर्ट्स जैसे प्लेटफॉर्म्स ने पारंपरिक मीडिया को तेज, आकर्षक और जनसंवादी होने के लिए मजबूर कर दिया है। सोशल मीडिया ने "जनता का मीडिया" का रूप ले लिया है, जहां हर व्यक्ति एक संभावित पत्रकार है। ओटीटी (ओवर दी टॉप) प्लेटफॉर्म ने मनोरंजन, समाचार और जनसंचार के तरीकों को क्रांतिकारी रूप से बदला है। अब दर्शक अपने समय के अनुसार कंटेंट देखना पसंद करते हैं। यह प्लेटफॉर्म क्षेत्रीय भाषाओं, स्थानीय कथानकों और विविध संस्कृति को व्यापक मंच दे रहे हैं। एआई ने मीडिया की भाषा, प्रस्तुति और कंटेंट निर्माण को बहुत प्रभावित किया है। ऑटोमेटेड रिपोर्टिंग, बॉट्स के माध्यम से समाचार संप्रेषण और एआई आधारित भाषा अनुकूलन ने भाषा के सरलीकरण और त्वरित संवाद को बढ़ावा दिया है। डजिटल युग में फेक न्यूज सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरी है।

इसके चलते मीडिया संस्थानों को फैक्ट-चेकिंग, त्वरित खंडन और भाषा में सटीकता बनाए रखने के लिए अधिक सचेत रहना पड़ा है। सामुदायिक रेडियो आज भी ग्रामीण और आंचलिक समाज का प्रमुख संचार माध्यम बना हुआ है। यह माध्यम स्थानीय भाषा, बोली, और संस्कृति को संरक्षित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। कहा जा सकता है आज की मीडिया भाषा अधिक सरल, सीधी, और भावनात्मक हो गई है। मोबाइल और सोशल मीडिया की वजह से संक्षिप्त भाषा का चलन बढ़ा है, वहीं डिजिटल मीडिया के लिए 'क्लिकबेट' हेडलाइंस भी एक नई भाषा शैली के रूप में उभरी हैं। डिजिटल मीडिया ने हिंदी, तमिल, तेलुगु, बंगला, मराठी जैसी भारतीय भाषाओं को तेजी से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर स्थान दिलाया है। अब क्षेत्रीय भाषाओं में ब्लॉग, ई-पेपर, वेब सीरीज़ और पॉडकास्ट की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। स्मार्टफोन के व्यापक प्रसार ने भारतीय भाषाओं में सामग्री की मांग को तेजी से बढ़ाया है। आज गूगल, फेसबुक, इंस्टाग्राम सहित लगभग सभी एप्स भारतीय भाषाओं में उपलब्ध हैं। यह भाषाई लोकतंत्रीकरण का एक बड़ा उदाहरण है। मीडिया क्षेत्रीय भाषाओं, आंचलिक बोलियों और लुप्तप्राय भाषाओं को बचाने में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। डिजिटल आर्काइव्स, भाषा आधारित यूट्यूब चैनल, और क्षेत्रीय पॉडकास्ट इसके सशक्त माध्यम बन चुके हैं। वाट्सऐप, इंस्टाग्राम और फेसबुक पर हिंग्लिश, बंग्लिश जैसी मिश्रित भाषाओं का चलन बढ़ा है। इसने पारंपरिक भाषा संरचना को तोड़ा है, लेकिन साथ ही भाषाओं में लचीलापन भी बढ़ाया है। आज जनसंपर्क की भाषा अधिक ग्राहक-केंद्रित, संवादात्मक और दृश्यात्मक हो गई है। इसमें डिजिटल कंटेंट, वायरल वीडियो और मीम्स का स्थान बढ़ा है। डिजिटल मीडिया के लिए लेखन शैली में भी आमूल चूल परिवर्तन देखने को मिल रहा है। इसमें एसइओ आधारित हेडलाइंस, इन्फोग्राफिक्स और विजुअल्स का प्रयोग के अलावा हाइपरलिंकिंग और इंटरैक्टिव कंटेंट आदि प्रमुख है। जहां तक साहित्य का सवाल है तो मीडिया की भाषा तेजी से सरल, संवादात्मक और त्वरित हो रही है जबकि साहित्य अब भी गंभीर, गहन और कलात्मक भाषा की माँग करता है।

हालांकि, डिजिटल युग में साहित्य भी पॉडकास्ट, ई-बुक्स और इंस्टाग्राम कविताओं के माध्यम से तेजी से मीडिया से जुड़ रहा है। डिजिटल मीडिया ने आंचलिक भाषाओं के लिए एक वैश्विक मंच तैयार किया है। अब भोजपुरी, मैथिली, अवधी, बुंदेलखंडी, मालवी जैसी भाषाओं में यूट्यूब चैनल, पॉडकास्ट और वेब सीरीज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय हो रही हैं।

चन्द्रधर शर्मा गुलेरी की साहित्य-यात्रा

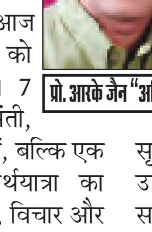
प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

चन्द्रधर शर्मा गुलेरी का नाम हिंदी साहित्य के उस दीप्तिमान आकाश में एक तारे-सा जगमगाता है, जिसकी किरणें समय की सरहदों को पार कर आज भी पाठकों के हृदय को प्रज्वलित करती हैं। 7 जुलाई, उनकी जयंती, महज एक तारीख नहीं, बल्कि एक ऐसी साहित्यिक तीर्थयात्रा का प्रतीक है, जो संवेदना, विचार और शिल्प की त्रिवेणी से रची गई। गुलेरी जी ने भले ही चुनिंदा रचनाएँ दीं, किंतु प्रत्येक रचना एक रत्न-सी चमकती है, जिसने हिंदी साहित्य को अभूतपूर्व ऊँचाइयों तक पहुँचाया। उनकी अमर कृति 'उसने कहा था' न केवल हिंदी की पहली आधुनिक कहानी के रूप में एक युगांतकारी उपलब्धि है, बल्कि मानव मन की गहन संवेदनाओं और भावनाओं का ऐसा सजीव चित्र है, जो हर युग में जीवंत और प्रासंगिक रहेगा। उनकी जयंती पर उनके साहित्यिक अवदान को स्मरण करना प्रत्येक साहित्यप्रेमी के लिए एक गौरवमयी क्षण है, जो हमें साहित्य की अमर शक्ति और उसकी परिवर्तनकारी ताकत से जोड़ता है।

गुलेरी जी की लेखनी में एक ऐसी मंत्रमुग्ध कर देने वाली सादगी थी, जो पाठक के मन को सहज ही बाँध लेती थी। उनकी कहानियाँ महज शब्दों का संयोजन नहीं, बल्कि भावनाओं का एक अथाह सागर थीं, जिसमें गोता लगाकर पाठक आत्ममंथन की गहराइयों में खो जाता है। 'उसने कहा था' एक ऐसी कालजयी रचना है, जो प्रेम, कर्तव्य और बलिदान के त्रिकोण को इतने हृदयस्पर्शी अंदाज में पिरोती है कि वह पाठक के अंतर्मन को झकझोर देती है। लहना सिंह और सूबेदारनी की क्षणभंगुर मुलाकात, उनके बीच का अनकहा प्रेम और अंत में लहना सिंह का सर्वोच्च बलिदान – यह कहानी केवल एक कथा नहीं, बल्कि मानव जीवन के उन शाश्वत सत्यों का साक्षात्कार है, जो समय की कसौटी पर और भी प्रखर हो उठते हैं।

गुलेरी जी ने प्रेम को एक ऐसी अलौकिक शक्ति के रूप में उकेरा, जो स्वार्थ को तजकर कर्तव्य और निष्ठा के साथ एकरूप हो जाती है। इस कहानी का प्रत्येक संवाद, प्रत्येक दृश्य और प्रत्येक भाव इतना सजीव है कि वह पाठक को एक अविस्मरणीय भावनात्मक यात्रा पर ले जाता है, जहाँ हर शब्द हृदय की गहराइयों को स्पंदित करता है। गुलेरी जी केवल एक कथाकार ही नहीं, बल्कि एक विद्वान, शिक्षक और विचारक भी थे। संस्कृत, पाली, प्राकृत, अंग्रेजी, फारसी और उर्दू जैसी भाषाओं में उनकी गहरी पकड़ थी। इतिहास, पुरातत्त्व और भारतीय संस्कृति पर उनके शोध ने उनकी रचनाओं को एक वैचारिक गहराई प्रदान की। जयपुर और बनारस के शिक्षण संस्थानों में अध्यापन के दौरान उन्होंने अपने विद्यार्थियों में न केवल ज्ञान का प्रकाश फैलाया, बल्कि उनमें स्वतंत्र चिंतन और सृजनात्मकता का बीज भी बोया। उनकी लेखनी में विद्वता और सहजता का अद्भुत समन्वय था। उनके निबंध, जैसे 'बुद्धि-विलास', उनकी बौद्धिक प्रखरता और व्यंग्यात्मक शैली के उत्कृष्ट उदाहरण हैं। वे मानते थे कि साहित्य का उद्देश्य केवल कहानी कहना नहीं, बल्कि पाठक के मन में गहरे विचारों और संवेदनाओं को जागृत करना है। उनकी भाषा में एक ऐसी स्वच्छंदता थी, जो विद्वानों को प्रेरित करती थी और सामान्य पाठकों के लिए भी सहज थी।

गुलेरी जी की रचनाएँ उनकी शब्दों पर अद्भुत पकड़ और विचारों की क्रिस्टल-स्पष्ट गहराई का जीवंत प्रमाण हैं। वे जटिलता के कट्टर विरोधी थे, और उनकी लेखनी में ऐसी मनोहारी सरलता थी, जो पाठक को सहज ही कथा के हृदय तक ले जाती थी, मानो कोई जादुई प्रवाह हो। उनकी कहानियाँ और निबंध केवल साहित्यिक कृतियाँ नहीं, बल्कि मानव जीवन की गहन जटिलताओं, संवेदनाओं और सत्य का दर्पण हैं, जो पाठक के मन को झकझोर देते हैं। 'उसने कहा था' में प्रेम और कर्तव्य के द्वंद्व को उन्होंने जिस संवेदनशीलता और गहराई से उकेरा, वह उस युग के साहित्यिक क्षितिज पर एक क्रांतिकारी मील का पत्थर साबित हुआ।

यह कृति न केवल हिंदी साहित्य की पहली आधुनिक कहानी के रूप में अमर है, बल्कि एक ऐसी शक्तिशाली रचना है, जो पाठक को सच्चे प्रेम, बलिदान और मानवीय मूल्यों की गहन खोज में डुबो देती है, उन्हें आत्म-चिंतन के लिए विवश करते हुए।

गुलेरी जी का व्यक्तित्व उनकी रचनाओं की तरह ही गरिमामय और विनम्र था। उनकी विद्वता कभी आडंबर में नहीं बदली। वे ज्ञान को एक साधन मानते थे, जिसका उपयोग समाज को समृद्ध करने के लिए होना चाहिए। उनका जीवन और लेखन दोनों ही बौद्धिक ईमानदारी और संवेदनशीलता का प्रतीक था। आज के दौर में, जब साहित्य तेजी से उपभोक्तावादी संस्कृति का हिस्सा बन रहा है, गुलेरी जी का साहित्य हमें यह सिखाता है कि साहित्य का असली मूल्य उसकी गहराई और संवेदना में है, न कि उसकी मात्रा में। उनकी रचनाएँ हमें यह याद दिलाती हैं कि सच्चा साहित्य वही है, जो समय और स्थान की सीमाओं को पार कर पाठक के हृदय तक पहुँचे।

सेलिब्रिटी सांसद बनाम ज़मीनी नेता

अजय कुमार

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में 30 जून और 1 जुलाई को जो जलप्रलय टूटा, उसने न केवल सड़कों, घरों और पुलों को बहा दिया, बल्कि सत्ता और जनप्रतिनिधियों के ज़मीर को भी बहते हुए उजागर कर दिया। जब सराज घाटी, थुनाग और जंजैहली जैसे क्षेत्र बाढ़ और भूस्खलन से जूझ रहे थे, तब इस समूचे संकट पर जो नाम सबसे ज़्यादा गूंज रहा था, वह मंडी की सांसद कंगना रनौत का था।

गूंज इसलिए नहीं कि वह वहां थीं, बल्कि इसलिए कि वह वहां नहीं थीं।कंगना रनौत के नदारद रहने से पैदा हुए राजनीतिक और नैतिक सवाल अब भाजपा के भीतर से उठने लगे हैं। यह पहली बार नहीं है जब कंगना किसी संकट के समय अपने क्षेत्र से दूर रही हों। वर्ष 2023 में जब मंडी में बादल फटे थे और बड़ी संख्या में लोग बेघर हुए थे, तब भी यही आरोप लगे थे कि सांसद का क्षेत्र से संवाद बेहद सीमित है। दो वर्ष बाद वही त्रासदी, वही सवाल और वही चुप्पी फिर से लौट आई है, लेकिन इस बार विरोध का स्वर अंदरूनी गलियारों तक जा पहुंचा है।

पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने जब पत्रकारों से यह कह दिया कि "हम अपने लोगों के साथ जीने-मरने तक खड़े हैं, जिनका कन्सर्न नहीं है, उनके बारे में टिप्पणी नहीं करेंगे", तो यह बयान उतना ही तीखा था जितना सटीक। यह एक वरिष्ठ नेता की व्यथा थी, जो भाजपा के अंदर ही अपनी सांसद के व्यवहार से असहज था। जयराम ठाकुर वही नेता हैं जिनकी सराज विधानसभा सीट मंडी संसदीय क्षेत्र में आती है, और जिनका दशकों से उस इलाके में मजबूत जनाधार है। ऐसे में जब क्षेत्र जलमग्न हो और सांसद मुंबई में ट्रेलर लॉन्च में व्यस्त दिखें, तो यह विरोध स्वाभाविक था। राजनीति में जब जनप्रतिनिधि संवेदनहीनता की हदें पार करते हैं, तब सबसे पहले उनके अपने लोग ही सवाल उठाते हैं।कंगना ने इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर सफाई दी कि उन्हें जयराम ठाकुर ने ही वहां ना आने की सलाह दी थी। उन्होंने कहा कि जब तक संपर्क मार्ग और प्रशासनिक इजाजत नहीं मिल जाती, तब तक वहां जाना व्यावहारिक नहीं था। लेकिन सवाल यह नहीं था कि वह कब पहुंचेंगी सवाल यह था कि वह अभी तक क्यों नहीं पहुंचीं और संकट की घड़ी में क्या उन्होंने लगातार संवाद बनाकर जनता को भरोसा दिलाया? जवाब में उन्होंने अपनी गाड़ी पर गिरी चट्टानों की तस्वीरें दिखाकर खुद को पीड़ित साबित करने की कोशिश की, लेकिन क्या सांसद का काम आत्मरक्षा है या नेतृत्व? कंगना रनौत शायद ये भूल गईं कि सांसद होने का अर्थ सिर्फ संसद में भाषण देना नहीं, बल्कि संकट की घड़ी में जनता के बीच खड़े रहना है। भले ही सड़कें टूटी हों, लेकिन क्या एक ट्वीट, एक लाइव वीडियो, या स्थानीय प्रशासन से लगातार संपर्क और लोगों की मदद के लिए कोष जुटाना उनके लिए संभव नहीं था?

सोशल मीडिया पर हल्के-फुल्के तंज और मजाकिया पोस्ट डालकर उन्होंने न सिर्फ जनता की पीड़ा को हल्के में लिया, बल्कि अपने संवैधानिक दायित्वों की अवहेलना भी की।भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को आखिरकार हस्तक्षेप करना पड़ा। भाजपा नेतृत्व को यह भलीभांति समझ में आ गया है कि मंडी की जनता अब प्रतीकात्मकता से संतुष्ट नहीं है। कंगना को टिकट देकर पार्टी ने भले ही एक ग्लैमरस चेहरा मंडी को दिया हो, लेकिन जनसंवाद, ज़मीन से जुड़ाव और निरंतर उपस्थिति वही पुरानी कसौटी है, जिस पर हर जनप्रतिनिधि को परखा जाता है।

सुशासन की सरकार पर सवालिया निशान

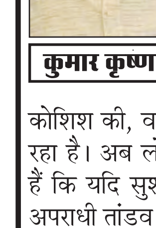
कुमार कृष्णन

अपने बिहार दौरे में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जिस जंगलराज के बहाने महागठबंधन को घेरने की कोशिश की, वह उलट सावित हो रहा है। अब लोग सवाल कर रहे हैं कि यदि सुशासन में सरे आम अपराधी तांडव कर रहे हैं, तो फिर जंगल राज क्या है? महागठबंधन का नेतृत्व कर रहे तेजस्वी यादव पहले से ही अपराध बुलेटिन जारी कर सुशासन की पोल खोलकर सरकार के विरुद्ध गोलबंदी की मुहिम छेड़ दी है । ऐसे में गोपाल खेमका समेत कई व्यवसाई की हत्या के बाद नाराज वैश्य समाज सुशासन की सरकार के विरुद्ध खड़ा हो जाए तो यह अतिश्योक्ति नहीं होगी। लोकसभा चुनाव में वैश्य समाज का एक वर्ग महागठबंधन के साथ जा जुड़ा था। सुशासन की सरकार पर सवालिया निशान खड़ा कर रहे हैं। पटना के राजेन्द्र नगर स्थित मगध हॉस्पिटल के मालिक और राज्य के प्रमुख व्यवसायी गोपाल खेमका की 4 जुलाई, को अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। जहां हत्या हुई है, उस स्थल से गांधी मैदान थाने महज ढाई सौ मीटर की दूरी पर है। आसपास ही पुलिस अधीक्षक और वरीय पुलिस अधीक्षक के आवास हैं। बावजूद इसके अपराधी हत्या कर चलते बने। हद तो ये है कि घटनास्थल पर स्थानीय पुलिस डेढ़ घंटे बाद पहुंची। व्यवसायी गोपाल खेमका के पहले गत जून माह में ही पुनपुन के सुहागी-कंडाप पथ पर बाइक सवार बदमाशों ने जमीन कारोबारी अंजनी सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी थी। यह घटना गौरीचक के कंडाप पैक्स गोदाम के पास की है, जहां सुनसान जगह का फायदा उठाकर अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया। मृतक हंडेर गांव के श्याम नंदन सिंह के पुत्र थे और जमीन के कारोबार से जुड़े थे। कारोबारी जयप्रकाश नारायण की भी गत वर्ष अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। आरोप यह था कि अपराधियों ने कारोबारी जयप्रकाश से 1.5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी थी। जब पैसा नहीं मिला तो उनकी हत्या कर दी गई। बेगूसराय में अक्टूबर 2024 को सोना व्यापारी अनिल कुमार की अपहरण कर हत्या कर दी गई। अनिल कुमार ज्योति ज्वेलर्स के मालिक थे। जून 2024 में ही बिहार के नालंदा जिले के पनहेस्सा गांव के पास दो बाइक सवार बदमाशों ने जमीन कारोबारी को गोलियों से छलनी कर दिया। उन्हें चार गोलियां मारी गयीं। इलाज के लिए ले जाने के दौरान उनकी मौत हो गयी। मृतक की पहचान पनहेस्सा गांव निवासी 42 वर्षीय रजी अहमद उर्फ नन्हे के रूप में की गयी। इस हत्या का कारण भी जमीन की खरीद-बिक्री के कारोबार बताया गया। इस घटना के बाद बिहार में कानून व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक समीक्षा बैठक की। नीतीश कुमार ने कहा कि अपराधियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। गोपाल खेमका हत्याकांड को लेकर हुई समीक्षा बैठक में मुख्य मंत्री नीतीश कुमार के साथ पुलिस के बड़े अधिकारी भी शामिल थे। नीतीश कुमार ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे अपराधियों को जल्द से जल्द पकड़ें और उन्हें कड़ी सजा दें। '1 अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में पुलिस महानिदेशक एवं अन्य वरीय पुलिस पदाधिकारियों के साथ विधि व्यवस्था की समीक्षा बैठक की। विधि व्यवस्था सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अपराध करने वाले कोई भी हों, उन्हें किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाए। घटित आपराधिक घटनाओं के अनुसंधान कार्यों में तेजी लाने और दोषियों पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासन को पूरी मुस्तैदी एवं कड़ाई से काम करने को कहा। एनडीए में नीतीश के सहयोगी चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (आर) के खगड़िया से सांसद राजेश वर्मा ने भी सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होने कहा कि जिस तरह गोपाल खेमका की हत्या को अंजाम दिया गया। उससे लगने लगा है कि राज्य में अपराधियों को पुलिस का कोई खौफ नहीं है। कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है। बिहार में व्यापारी सुरक्षित नहीं है। लोजपा (आर) के सांसद राजेश वर्मा ने कहा कि खेमका परिवार में ये दूसरी हत्या है, इससे पहले 2018 में गोपाल खेमका के बेटे गुंजन की हत्या भी इसी तरह की गई है।

आस्था का प्रतीक है सुलतानगंज से देवघर की कांवडयात्रा

श्रावण के महीने को भगवान शिव का प्रिय मास माना जाता है। यही कारण है कि इस महीने में महादेव की पूजा, आराधना का विशेष महत्व होता है किंतु श्रावण के महीने में बिहार और झारखंड राज्यों में भगवान शिव की पूजा कुछ अलग ही अंदाज में की जाती है।

श्रावण मास के प्रारंभ होते ही प्रत्येक वर्ष बिहार और झारखंड का पूरा क्षेत्र केसरिया वस्त्रधारी कांवरियां शिव-भक्तों की आवाजाही व 'बोल बम' के नारों से गुंजायमान हो उठता है।

कांवडिया बिहार के सुल्तानगंज से जल लेकर 110 किलोमीटर की लंबी पैदल यात्रा तय करते हैं। सुल्तानगंज से जल लेकर नाचते-गाते बाबा बैद्यनाथ के धाम की ओर प्रस्थान करते हैं। पूरे श्रावण मास में बिहार-झारखंड सहित बंगाल,असम, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ सहित देश के अन्य भागों के अलावे पड़ोसी देश नेपाल आदि से भी प्रतिदिन हजारों की संख्या में कांवरियां शिव-भक्त बिहार के सुल्तानगंज (भागलपुर जिला) नामक स्थान में आते हैं और यहां से उत्तरवाहिनी गंगा का पवित्र जल अपने कांवरों में लेकर नियम-निष्ठापूर्वक खुले पांव पैदल चलकर इसे झारखंड के देवघर स्थित वैद्यनाथ द्वादश ज्योतिर्लिंग पर अर्पित कर अपने कष्ट-व्याधियों को दूर करने तथा मनोवांछित फलों की प्राप्ति की कामना करते हैं।

वैद्यनाथधाम स्थित देवघर के ऐतिहासिक विवरण का उल्लेख शिवपुराण में है।यहां के संपूर्ण जीवन के केन्द्र विन्दु बाबा वैद्यनाथ के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में एक है।शिवपुराण में वर्णित द्वादश ज्योर्तिलिंगों में इसका 'वैद्यनाथ चिताभूमि' के रूप में वर्णन है। यह मात्र संयोग नहीं है कि देवघर भी शिव की चिताभूमि के रूप में जाना जाता है। ऐसी मान्यता है कि यहां माता सती का हृदय गिरा था। शिव पुराण के अनुसार यहीं पर माता के हृदय का दाह-संस्कार किया गया था। और तब बाबा बैद्यनाथ माता सती के वियोग में उसी राख में लोट-लोटकर पूरे अंग को भस्म विभूषित कर लिए थे। इसलिए भस्म का यहां विशेष महत्व है। और आने वाले श्रद्धालुओं को प्रसाद के रूप में भस्म भी दिया जाता है। मान्यता यह भी है कि इस भस्म को अपने ललाट पर लगाकर किसी भी कार्य के लिए निकले वह कार्य पूर्ण होता है। मनोवांछित फलों की प्राप्ति भस्म को अपने ललाट पर लगाने से होती है। देवघर के तीर्थ पुरोहित के श्रीनाथ महाराज के मुताबिक सावन और भादो में तीर्थ पुरोहित अपने यजमान को हवन से प्राप्त भस्म देते हैं। भगवान शिव का यह पीठ उर्जा का उदगमस्थल है, शक्ति का केन्द्र है। देवर्षि नारद ने हनुमान से बैद्यनाथधाम की महिमा का वर्णन करते हुए कहा है कि यही एक मात्र स्थान है जहां शिव बिना पात्र — कुपात्र, पापी पुण्यात्मा का विचार किए सबकी कामना पूर्ण करते हैं।

बाबा वैद्यनाथ के प्रादुर्भाव की कथा भी कुछ कौतुहलपूर्ण और अनोखी नहीं है। इस लिंग की स्थापना का इतिहास यह है कि एक बार असुरराज रावण ने हिमालय पर जाकर शिवजी की प्रसन्नता के लिये घोर तपस्या की और अपने सिर काट-काटकर शिवलिंग पर चढ़ाने शुरू कर दिये। एक-एक करके नौ सिर चढ़ाने के बाद दसवाँ सिर भी काटने को ही था कि शिवजी प्रसन्न होकर प्रकट हो गये। उन्होंने उसके दसों सिर ज्यों-के-त्यों कर दिये और उससे वरदान माँगने को कहा। रावण ने लंका में जाकर उस लिंग को स्थापित करने के लिये उसे ले जाने की आज्ञा माँगी। शिवजी ने अनुमति तो दे दी, पर इस चेतावनी के साथ दी कि यदि मार्ग में इसे पृथ्वी पर रख देगा तो वह वहीं अचल हो जाएगा। अन्ततोगत्वा वही हुआ। रावण शिवलिंग लेकर चला पर मार्ग में एक चिताभूमि आने पर उसे लघुशंका निवृत्ति की आवश्यकता हुई। रावण उस लिंग को एक व्यक्ति को थमा लघुशंका-निवृत्ति करने चला गया। इधर उन व्यक्ति ने ज्योतिर्लिंग को बहुत अधिक भारी अनुभव कर भूमि पर रख दिया। फिर क्या था, लौटने पर रावण पूरी शक्ति लगाकर भी उसे न उखाड़ सका और निराश होकर मूर्ति पर अपना अँगूठा गड़ाकर लंका को चला गया। इधर ब्रह्मा, विष्णु आदि देवताओं ने आकर उस शिवलिंग की पूजा की। शिवजी का दर्शन होते ही सभी देवी देवताओं ने शिवलिंग की वहीं उसी स्थान पर प्रतिस्थापना कर दी और शिव-स्तुति करते हुए वापस स्वर्ग को चले गये। जनश्रुति व लोक-मान्यता के अनुसार यह वैद्यनाथ-ज्योतिर्लिंग मनोवांछित फल देने वाला है।

लंकापति रावण के द्वारा स्थापित होने के कारण ये 'रावणेश्वर वैद्यनाथ' भी कहलाते हैं। शुद्ध हृदय से पूजा करने पर ये बड़ी सहजता से प्रसन्न हो उठते हैं और भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं। इस कारण मनोकामना लिंग के नाम से भी इनकी प्रसिद्धि है। बाबा वैद्यनाथ की पूजा अत्यंत सरल है। निर्मल हृदय फूल और बेलपत्र के साथ शिवलिंग पर उत्तरवाहिनी गंगा का जल अर्पित करो और बाबा प्रसन्न। तभी तो श्रावण मास के आते ही भक्तगण देश के कोने-कोने से कातर भाव से यहां शिवपूजन हेतु खिंचे चले आते हैं। देवघर तो आधुनिक नाम है। इसका शाब्दिक अर्थ है 'देवताओं का घर'। पर संस्कृत ग्रंथों में हृदपीठ, रावण वन, हरितिकी वन या वैद्यनाथ मिलता है। अघोर साधना का महत्वपूर्ण स्थान होने के कारण देवघर का तांत्रिक साधना के लिए कामाख्या के बाद स्थान आता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान शिव को जल अत्यंत प्रिय है। फिर सुल्तानगंज में आकर गंगा उत्तरवाहिनी हो जाती जो कि बहुत ही पवित्र मानी जाती है। यही कारण है कि अपने इष्टदेव को प्रसन्न करने हेतु प्रति वर्ष बड़ी संख्या में कांवडिया शिव-भक्त सुल्तानगंज से जल लेकर वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग पर अर्पित करने हेतु यहां आते हैं। सुल्तानगंज से जल उठाकर देवघर में अर्पित करने की परम्परा काफी पुरानी है। ऐसी मान्यता है कि सर्वप्रथम भगवान श्री रामचन्द्र ने सुल्तानगंज से जल लेकर वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग पर अर्पित किया था और तब से ही इस परम्परा की शुरुआत हो गई जो आजतक जारी है।

सावन का महीना शुरू होते ही देश के विभिन्न हिस्सों से प्रतिदिन हजारों शिव-भक्तों की आवाजाही सुल्तानगंज में शुरू हो जाती है। सुल्तानगंज से लेकर देवघर तक के 110 किमी के क्षेत्र में बिहार राज्य के भागलपुर, मुंगेर व बांका जिलों के तथा झारखंड राज्य के देवघर व दुमका जिलों के क्षेत्र पड़ते हैं। पूरे श्रावण मास में बिहार-झारखंड की राज्य सरकारें और संबंधित जिला प्रशासन दिन-रात शिव भक्तों की सुविधा एवं सुरक्षा, आवासन, पेयजल, चिकित्सा, परिवहन आदि की व्यवस्था में लगी रहती हैं। पूरे 110 किमी लम्बे कांवरियां मार्ग पर भक्ति की डोर में बंधे श्रद्धालुओं की अटूट श्रृंखला निरंतर चलायमान रहती जो लोक-आस्था के महामेले का स्वरूप धारण कर लेता है जो अपने आप में अनूठा है।

सुल्तानगंज आकर भक्तगण सर्वप्रथम यहां की उत्तरवाहिनी गंगा में स्नान करने के बाद अपने कांवरों की साज-सज्जा करते हैं। फिर कांवर की पूजा कर अजगैबीनाथ महादेव के दर्शन करते हैं। तत्पश्चात अपने कंधे पर कांवर लेकर 'बोल बम' और हर-हर महादेव का उद्घोष करते हुए देवघर की ओर प्रस्थान करते हैं। शिवभक्ति से ओतप्रोत इन कांवरियां श्रद्धालुओं में गजब का उत्साह देखने को मिलता है।

सुल्तानगंज से चलने के बाद 110 किमी के मार्ग में बिहार के भागलपुर, मुंगेर और बांका जिलों के असरगंज, कुमरसार, जिलेबिया, अबरखा, इनारावरण और गोड़ियारी नामक स्थान पड़ते हैं। इसके बाद वे पहाड़ी गोड़ियारी नदी पार कर झारखंड की सीमा में प्रवेश करते हैं जहां से देवघर की दूरी 17 किमी है। देवघर स्थित वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग पर गंगा के पवित्र जल के अर्पण के बाद भक्तों की कांवर यात्रा पूरी होती है। सामान्यतः भक्तगण तीन से चार दिनों में देवघर की पैदल-यात्रा तय करते हैं। ऐसे यात्री रास्ते में विश्राम करते हुए चलते हैं पर कुछ लोग अनवरत दौड़ लगाते हुए चौबीस घंटे में यह दूरी तय करते हैं जो 'डाक बम' कहलाते हैं।

प्रत्येक वर्ष बिहार और झारखंड के क्षेत्र में लगनेवाले यह महामेला सिर्फ भक्ति व श्रद्धा का धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं वरन् यह हमें शहरों के शोरगुल तथा प्रदूषण से दूर कुछ पल प्रकृति के साहचर्य में गूजारने का मौका भी देता है, जो हममें एक नयी ताजगी और ऊर्जा भर देता है। सुल्तानगंज की पवित्र उत्तरवाहिनी गंगा से प्रारंभ होनेवाली यह यात्रा देवघर की शिव गंगा में जाकर पूर्ण होती है जिसके बीच मार्ग में बाग-बगीचे, हरे-भरे खेत व मैदान, पर्वत-पहाड़, नदी-नाले, पशु-पक्षी सभी मिलते हैं। बीच-बीच में सावन की रिमझिम फूहारें। श्रावणी मेले की कांवर यात्रा में जहां एक ओर मन को एक अपूर्व भक्तिमिश्रित शांति मिलती है, वहीं तन में एक नयी ऊर्जा का संचार हो जाता है जो इसमें शरीक होकर ही महसूस किया जा सकता है।

-कुमार कृष्णन

कुंडली में इस ग्रह के कमजोर होने से इंसान को लग जाती हैं सभी बुरी आदतें?

ज्योतिष शास्त्र में नवग्रहों का जीवन पर गहरा प्रभाव माना गया है। इन ग्रहों की स्थिति और शक्ति ही व्यक्ति के स्वभाव, आदतों और भविष्य की दिशा तय करती है। इन्हीं ग्रहों में एक रहस्यमयी और सबसे अधिक चर्चा में रहने वाला ग्रह है राहु। जब किसी व्यक्ति की कुंडली में राहु कमजोर या अशुभ स्थिति में होता है, तो उसके जीवन में नकारात्मक बदलाव आने लगते हैं और धीरे-धीरे व्यक्ति बुरी आदतों की ओर आकर्षित होने लगता है। क्योंकि नवग्रहों में राहु को एक पाप ग्रह माना गया है, और इसका कमजोर होना अक्सर व्यक्ति को कई बुरी आदतों की ओर धकेल देता है।

राहु और बुरी आदतों का संबंध क्या है?

राहु को मायावी ग्रह भी कहा जाता है, जो भ्रम, मोह और छल का कारक है। जब किसी व्यक्ति की कुंडली में राहु कमजोर या अशुभ स्थिति में होता है, तो उसके भीतर नकारात्मक प्रवृत्तियां बढ़ने लगती हैं। शास्त्रों में वर्णित है कि ऐसे व्यक्ति का जीवन कई समस्याओं और बुरी आदतों से घिर सकता है।

राहु के कमजोर होने के संकेत और प्रभाव

कठोर वाणी और झूठ बोलनाः ऐसे व्यक्ति की वाणी कठोर हो सकती है और वे अक्सर झूठ बोलने लगते हैं। सच को छिपाना और बातों को तोड़-मरोड़ कर पेश करना उनकी आदत बन जाती है।

जुआ और सट्टेबाजी: राहु का प्रभाव व्यक्ति को जुए और सट्टेबाजी जैसे चीजों की ओर खींच सकता है। धन कमाने की लालसा में वे गलत तरीकों का सहारा लेने लगते हैं।

अत्यधिक लालच और बेईमानी: कमजोर राहु व्यक्ति में अत्यधिक लालच पैदा करता है, जिसके कारण वे दूसरों का हक छीनने या बेईमानी करने से भी नहीं हिचकते। चोरी और हेराफेरी जैसी प्रवृत्तियां भी बढ़ सकती हैं।

बुरी संगत और नशा: ऐसे व्यक्ति गलत लोगों की संगत में पड़ जाते हैं और शराब, सिगरेट या अन्य नशीले पदार्थों का सेवन शुरू कर सकते हैं। यह संगत उन्हें और भी गलत रास्तों पर ले जा सकती है।

क्रोध और झगड़ेः राहु के कमजोर होने पर व्यक्ति में क्रोध की अधिकता देखी जा सकती है। वे छोटी-छोटी बातों पर भी लड़ने-झगड़ने लगते हैं, जिससे उनके संबंधों में कड़वाहट आती है।

चालाकी और धूर्तता: ऐसे लोग बहुत चालाक और धूर्त हो जाते हैं। वे अपने फायदे के लिए दूसरों को फायदा लेने से भी नहीं चूकते हैं।

त्वचा संबंधी रोग: ज्योतिष के अनुसार, राहु त्वचा संबंधी रोगों का भी कारक है। यदि कुंडली में राहु कमजोर हो, तो व्यक्ति को त्वचा समस्याएं हो सकती हैं।

मानसिक अशांति और भ्रम: कमजोर राहु व्यक्ति को मानसिक रूप से अशांत रखता है। मन में हमेशा किसी न किसी बात का भ्रम या डर बना रहता है।

कैसे करें राहु के नकारात्मक प्रभाव को शांत?

राहु के मंत्रों का जापः "ॐ रां राहवे नमः" मंत्र का नियमित जाप राहु के नकारात्मक प्रभाव को कम करने में सहायक होता है।

गरीबों और जरूरतमंदों को दान करना: खासकर शनिवार को, शुभ माना जाता है। उड़द दाल, सरसों का तेल, कंबल आदि का दान कर सकते हैं। यह उपाय भी राहु दोष को शांत करता है।

महादेव की उपासना: भगवान शिव की पूजा और उनका अभिषेक राहु के नकारात्मक प्रभावों को शांत करने में विशेष रूप से लाभकारी माना जाता है।

हनुमान जी की उपासना करें: मंगलवार और शनिवार को बजरंगबली की पूजा राहु के प्रभाव को कम करती है।

नारियल और नीले कपड़े का दान करें: शनिवार को राहु की शांति के लिए ये चीजें दान करें।

अपने मातहत काम करने वालों को थोड़ा समय दीजिए

यदि आपके पास नेतृत्व है तो जाहिर है कि अतिरिक्त योग्यता भी होगी। उसके बिना नेतृत्व मिलता नहीं है।

तो यदि आप किसी टीम के लीडर हैं, किसी उच्च पद पर हैं, तो एक दान जरूर करिए। कई प्रकार के दान हैं- अन्नदान, गोदान, वस्त्रदान, विद्यादान। एक दान है समय का दान।

अपने मातहत काम करने वालों को थोड़ा-सा पर्सनल टाइम दीजिए। कभी-कभी एकांत में उनकी समस्याओं को सुनिए।

बाहर से जितने सहज और सरल दिखने वाले लोग हैं, भीतर से बड़े बेचैन हैं। तो आप अपने अधीनस्थ लोगों को ऐसा समय दीजिए कि आपकी पूछताछ से उन्हें बेचैनी नहीं, आनंद मिले, सहारा मिले।

वो आपमें लीडर ही नहीं, संरक्षक भी देखें। इस समय टेक्नोलॉजी सबके जीवन में उतर आई है। उसने मनुष्य को भीतर से खोखला करना शुरू कर दिया है। चैटजीपीटी का उपयोग करने वाले सोचने की क्षमता खो रहे हैं।

ये काम इंसान ही कर सकता है कि किसी के भीतर जाकर उसकी आत्मा, उसकी भावनाओं को स्पर्श करे और आंतरिक रूप से उसकी मदद करे।

क्या प्रेग्नेंसी में मंदिर जा सकती हैं महिलाएं?

सीढ़िया चढ़नी होती है तो वहीं कुछ मंदिर पहाड़ी की चोटी पर स्थित होते हैं, जिससे गर्भ में पल रहे शिशु पर असर पड़ सकता है।

अगर गर्भवती महिला की स्वास्थ्य स्थिति अच्छी हो तो 5-7 माह तक मंदिर जाने पर कोई रोक नहीं है। लेकिन मंदिर में बहुत अधिक देर तक बैठकर या खड़े होकर कष्टकारी रूप से पूजा न करें और परिक्रमा भी न करें। ऐसी कोई गतिविधि न करें, जिससे कि शारीरिक तनाव हो।

इस प्रकार धार्मिक रूप से गर्भवती महिला के मंदिर जाने पर कोई रोक नहीं होता है। लेकिन गर्भवती महिला को अपनी शारीरिक स्थिति और यात्रा की सुविधा का ध्यान रखना चाहिए।

गर्भवती महिला अगर मंदिर जाएं तो अधिक देर तक व्रत न रखे। बल्कि समय-समय पर पानी पीते रहें। अधिक समय तक भूखे-प्यासे रहना आपके और गर्भ में पल रहे शिशु के लिए हानिकारक हो सकता है।

गर्भावस्था में मंदिर जाने से मानसिक शांति और स्थिरता मिलती है। लेकिन आप अपनी स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए और डॉक्टर की सलाह के बाद ही मंदिर जाने का निर्णय लें। अगर किसी कारण मंदिर न जा पाए तो घर पर साधारण पूजा-पाठ भी कर सकती हैं या भगवत गीता का पाठ कर सकती हैं।

महिलाओं के लिए पूजा-पाठ में अलग से कुछ नियम होते हैं। जैसे मासिक धर्म में उन्हें धार्मिक कार्य की अनुमति नहीं होती। लेकिन क्या गर्भवती महिला के मंदिर जाने या पूजा-पाठ पर कोई रोक होती है?

गर्भावस्था का समय एक महिला के लिए बहुत ही अहम समय होता है। इस दौरान मंदिर जाने या पूजा-पाठ करने पर कोई रोक नहीं है, लेकिन गर्भवती महिला को कोई स्वास्थ्य समस्या हो तो उसे मंदिर जाने से परहेज करना चाहिए।

कई बार गर्भवती महिला को 7 माह के बाद मंदिर जाने की अनुमति नहीं होती है। इसका कारण यह है कि मंदिर में

यहां ज्योतिर्लिंग रूप में विराजते हैं महादेव! चार धाम द्वारका के है बेहद पास

ज्योतिर्लिंग भगवान शिव के 12 पवित्र मंदिर हैं। ये मंदिर भगवान शिव के प्रकाश स्वरूप के प्रतीक हैं। सभी का इतिहास और धार्मिक मान्यताएं अलग हैं। इसी तरह का एक नागेश्वर ज्योतिर्लिंग चार धाम में एक द्वारका के पास भी स्थित है। शिवपुराण के अनुसार, समुद्र के किनारे स्थित द्वारकापुरी के पास स्थित स्वयंभू शिवलिंग नागेश्वर ज्योतिर्लिंग के रूप में प्रमाणित है। इसको द्वादश ज्योतिर्लिंग में 10वां स्थान प्राप्त है। हालांकि इस ज्योतिर्लिंग के अतिरिक्त नागेश्वर नाम से तीन अन्य शिवलिंगों की भी चर्चा होती है।

इसमें महाराष्ट्र के हिंगोली जनपद में स्थित औंध नागनाथ मन्दिर, उत्तराखण्ड के अल्मोड़ा जनपद में स्थित जागेश्वर मन्दिर के साथ झारखंड के दुमका में स्थित बाबा बासुकीनाथ के मंदिर का भी नाम लिया जाता है। लेकिन, नागनाथ के नाम से प्रसिद्ध नागेश ज्योतिर्लिंग को शास्त्रों और पुराणों के अनुसार द्वारकापुरी के पास समुद्र के किनारे ही स्थित बताया गया है। क्योंकि द्वादश ज्योतिर्लिंग स्त्रोत के अनुसार यह ज्योतिर्लिंग दारुक वन में स्थित है और अभी गुजरात में जहां नागेश्वर ज्योतिर्लिंग है इस क्षेत्र को दारुक वन क्षेत्र के नाम से जाना जाता है।

विशालकाय है नागेश्वर ज्योतिर्लिंग

नागेश्वर ज्योतिर्लिंग के परिसर में भगवान शिव की एक बड़ी ही मनमोहक ध्यान मुद्रा में विशाल प्रतिमा बनाई गई है जिसकी वजह से मंदिर 3 किलोमीटर की दूरी से ही दिखाई देने लगता है। भगवान शिव जी की यह मूर्ति 125 फीट ऊंची तथा इसकी चौड़ाई 25 फीट है।

शिवपुराण में इस मंदिर है उल्लेख

शिवपुराण में स्पष्ट कहा गया है कि नागेश्वर ज्योतिर्लिंग 'दारुकवन' में है, जो प्राचीन भारत में एक जंगल को इंगित करता है। 'दारुकवन' का उल्लेख भारतीय महाकाव्यों, जैसे काम्यकवन, द्वैतवन, दंडकवन में भी मिलता है। शिवपुराण में इस ज्योतिर्लिंग के बारे में लिखा गया है कि जो प्राणी श्रद्धापूर्वक नागेश्वर ज्योतिर्लिंग की उत्पत्ति और माहात्म्य की कथा सुनेगा, वह सारे पापों से मुक्त होकर समस्त सुखों का आनंद लेते हुए अंत में भगवान-शिव के परम पवित्र दिव्य धाम को प्राप्त होगा। कोटिरुद्र संहिता में शिव को 'दारुकावने नागेशं' कहा गया है।

नाग दोषों से मिलती है मुक्ति

नागेश्वर—नागों का ईश्वर। नागेश्वर शब्द नागों के भगवान यानी महादेव शिव को इंगित करता है। इस कारण यह मंदिर विष और विष से संबंधित रोगों से मुक्ति के लिए प्रसिद्ध है। कहते हैं कि यहां द्वारकाधीश यानी स्वयं कृष्ण भगवान शिव का अभिषेक करते हैं। द्वादश ज्योतिर्लिंग स्त्रोत में नागेश्वर महादेव के बारे में वर्णित है।

जो दक्षिण के अत्यंत रमणीय सदंग नगर में विविध भोगों से सम्पन्न होकर सुन्दर आभूषणों से भूषित हो रहे हैं, जो एकमात्र सद्भक्ति और मुक्ति को देने वाले हैं, उन प्रभु श्रीनागनाथ जी की मैं शरण में जाता हूं। इसके साथ ही नागेश्वर ज्योतिर्लिंग के बारे में धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस मंदिर में भगवान शिव और माता पार्वती नाग-नागिन के रूप में प्रकट हुए थे। इसलिए इसे नागेश्वर ज्योतिर्लिंग के नाम से जाना जाता है। नाग दोष से छुटकारा मिल जाता है। जिन लोगों की कुंडली में सर्प दोष होता है उन्हें यहां धातुओं से बने नाग-नागिन अर्पित करने चाहिए। मान्यता है इससे नाग दोष से छुटकारा मिल जाता है।

नागेश्वर ज्योतिर्लिंग की विशेषताएं

– नागेश्वर ज्योतिर्लिंग को विशेष सुरक्षा प्रदान करने वाला ज्योतिर्लिंग माना गया है। इस ज्योतिर्लिंग की पूजा करने से वे शत्रु भय, असुरक्षा और भय से मुक्त होते हैं। शिव पुराण के अनुसार, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन से भक्तों की सभी विपत्तियाँ समाप्त होती हैं और जीवन में सकारात्मकता आती है। इसे "द्वारका का रक्षक" भी कहा जाता है।

– नागेश्वर ज्योतिर्लिंग के आस-पास कई दर्शनीय स्थल हैं जो यात्रियों को आकर्षित करते हैं। इसमें सबसे प्रमुख द्वारका धाम है, जो नागेश्वर ज्योतिर्लिंग के आस-पास स्थित है, जो भगवान कृष्ण की अवतार स्थली के रूप में प्रसिद्ध है। द्वारका मंदिर, नीलांबिका मंदिर, रुक्मिणी मंदिर और द्वारकाधीश मंदिर इस शहर के प्रमुख धार्मिक स्थल हैं।

– इसके साथ ही गोमती घाट भी यहां द्वारका के नगर में स्थित है और यहां गोमती नदी के किनारे पर श्रद्धालु बड़ी संख्या में स्नान करते हैं। इसके साथ यहां गोपी तालाब है, जो एक प्राकृतिक झील है जो द्वारका के पास स्थित है। यह एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है जहां आप शांति और सुकून का आनंद ले सकते हैं।

– यहीं बेट द्वारका स्थित है और यहां पर प्राचीन मंदिर और साहित्यिक स्थल हैं। यहां पर एक प्राचीन मंदिर है, जो भगवान कृष्ण के बालक रूप का देवालय है। यहां पर द्वारकाधीश मंदिर के समीप गुमणाम बांध के किनारे पर एक पवित्र कुंज है, जहां कृष्ण भगवान के बालक रूप के खेल का स्थल है। इसके पास ही शंकराचार्य की गुफा है, यहां आदिगुरु शंकराचार्य ने ध्यान किया था। यह भी एक आध्यात्मिक स्थल है जो यात्रियों को आकर्षित करता है।

1000 करोड़ का कलेक्शन, बॉक्स ऑफिस पर राज कर रहीं रश्मिका मंदाना , एक के बाद एक 3 फिल्में हिट

साल 2025 आधा बीत चुका है और बॉलीवुड के लिए अब तक के ये महीने कुछ खास नहीं रहे। मगर कुछ एक्टर्स के लिए ये साल लकी भी रहा। जैसे आमिर खान और अक्षय कुमार। जिनकी पिछले कुछ सालों में एक भी फिल्म सफल नहीं हुई, लेकिन इस बार वो भी बॉक्स ऑफिस पर छा गए हैं। अक्षय कुमार की 'हाउसफुल 5' ने करोड़ों में कमाई कर ली है और आमिर खान की 'सितारे जमीन पर' को भी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। मगर एक एक्ट्रेस जिसने इस साल 3 फिल्में की और तीनों ही हिट रहीं। उनकी फिल्मों ने 1000 करोड़ का बिजनेस किया है।

हम बात कर रहे हैं रश्मिका मंदाना की। रश्मिका अब साउथ फिल्म इंडस्ट्री के साथ-साथ बॉलीवुड पर भी राज कर रही हैं। रणबीर कपूर की 'एनिमल' में आने के बाद रश्मिका को हिंदी बेल्ट में भी अच्छी पहचान मिली है और उनके काम को भी सराहा गया। रश्मिका को इस फिल्म के बाद बहुत अधिक लोकप्रियता मिली है। ये ही कारण है कि

उन्होंने सलमान, विक्की कौशल के साथ भी काम कर लिया है।

छावा

रश्मिका मंदाना ने 'छावा' में विक्की कौशल के साथ काम किया था। विक्की कौशल ने छत्रपति संभाजी का किरदार निभाया था और रश्मिका ने येसूबाई का किरदार निभाया था। ये फिल्म सुपरहिट हुई और इस फिल्म ने दुनियाभर में कुल 807.88 करोड़ का बिजनेस किया।

सिकंदर

रश्मिका ने सलमान खान के साथ उनकी फिल्म 'सिकंदर' में भी काम किया। ये एक एक्शन ड्रामा फिल्म थी और रश्मिका-सलमान की जोड़ी को खूब पसंद भी किया गया। बॉक्स ऑफिस पर 'सिकंदर' ने 177 करोड़ का बिजनेस किया।

कुबेरा

इस वक्त रश्मिका, धनुष के साथ फिल्म 'कुबेरा' में नजर आ रही हैं। ये फिल्म 20 जून को रिलीज हुई थी और केवल 15 दिनों में इसने दुनियाभर में 104 करोड़ का बिजनेस कर डाला है। जिसके बाद रश्मिका इस साल सबसे अधिक बिजनेस करने वाली फिल्म करने वाली पहली हीरोइ बन गई हैं। उनकी इस साल की तीनों फिल्मों ने कुल 1088.88 करोड़ का बिजनेस किया है।

'आध्यात्मिक हूं, धार्मिक नहीं', नरगिस फाखरी को हनुमान चालीसा से मिलता है सुकून

सिनेमा जगत में सभी धर्मों के एक्टर और एक्टर्स मिल जाएंगे। वो सभी धर्मों की इज्जत भी करते हैं। उन्हें हर त्योहार को सभी के साथ मिलकर सेलिब्रेट करते हुए देखा जा सकता है। ऐसे में आज आपको बॉलीवुड की इस एक्ट्रेस के बारे में बता रहे हैं, जो एक मुस्लिम परिवार से ताल्लुक रखती है और इंडिया में नहीं रहतीं लेकिन, वो हनुमान चालीसा पढ़ती हैं। इसे लेकर उनका कहना है कि इससे उन्हें सुकून मिलता है। इतना ही नहीं, वो गायत्री मंत्रों का भी उच्चारण करती हैं। अगर आपको लग रहा है कि उन्होंने इसके लिए अपना धर्म छोड़ा तो ऐसा बिल्कुल नहीं है। मुस्लिम होकर भी वो ये सब काम करती हैं।

वो बॉलीवुड में रणबीर कपूर के साथ 'रॉकस्टार' जैसी फिल्मों का हिस्सा रह चुकी हैं। इसके अलावा भी कई फिल्में की है। ऐसे में अगर आपने अपने दिमाग के घोड़े दौड़ा लिए हैं तो चलिए हम आपको उनके बारे में बता देते हैं। दरअसल, मुस्लिम परिवार से आने के बाद भी हिंदू पूजा पाठ में

विश्वास रखने वाली अभिनेत्री कोई और नहीं बल्कि नरगिस फाखरी हैं, जिनके पिता का नाम मोहम्मद फाखरी है और पाकिस्तान से ताल्लुख रखते हैं। एक्ट्रेस की मां मैरी फाखरी हैं। जब नरगिस 6 साल की थीं तो उनके माता-पिता का तलाक हो गया था। चूंकि उनकी मां अमेरिका की निवासी हैं और नरगिस का भी जन्म वहीं हुआ तो वो अमेरिका ही की होकर रह गईं। वो खुद को कई बार ग्लोबल सिटिजन भी बता चुकी हैं।

उन्होंने खुद को धार्मिक नहीं बल्कि आध्यात्मिक बताया था। वो कहती हैं कि उन्हें सभी धर्मों के बारे में जानना पसंद है। एक्ट्रेस ने कहा था कि उनके घर पर गायत्री मंत्र सुने जा सकते हैं। इसे उन्होंने रेंडम बताया था और उनको ये काफी पसंद भी है। नरगिस का मानना है कि इन सबकी एनर्जी को वो फील करती हैं और उन्हें अच्छा महसूस होता है। एक्ट्रेस क्रिश्चियन म्यूजिक भी सुनती हैं।

साल में 9 दिन का व्रत और हनुमान चालीसा पढ़ती हैं नरगिस

इतना ही नहीं, नरगिस फाखरी ने हूटरफ्लाई से बातचीत में सोहा अली खान को बताया कि वो साल में दो बार 9 दिन का व्रत भी रखती हैं। इसमें वो कुछ भी नहीं खाती हैं केवल पानी पीकर रहती हैं। वो कहती हैं कि ये काफी कठिन होता है लेकिन उन्हें अच्छा लगता है। इसे उन्होंने अपनी खूबसूरती का राज भी बताया था। इसके साथ ही अभिनेत्री ने फिल्मफेयर से बातचीत में बताया था कि जब वो टेंशन में होती हैं तो हनुमान चालीस और गायत्री मंत्रों का उच्चारण करती हैं। वो मानती हैं कि इससे उनकी टेंशन दूर भागती है।

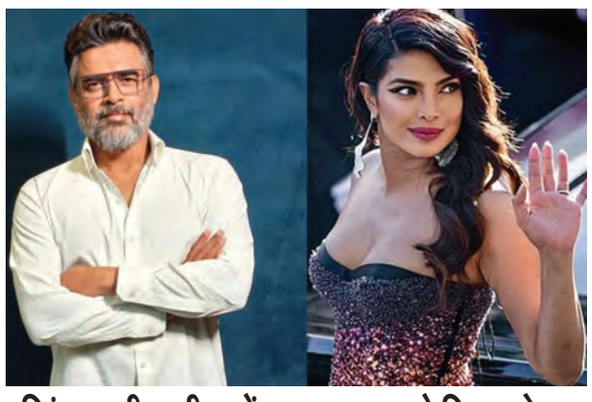

प्रियंका की तारीफ में आर माधवन ने किया पोस्ट बोले- 'उन्होंने वो किया जो हम सपना देखते हैं'

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा इस समय अपनी एक्शन थ्रिलर फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' से सुर्खियों में हैं। इस फिल्म को भारत में अमेजन प्राइम पर दिखाया जा रहा है। फिल्म में शानदार एक्शन के लिए एक्ट्रेस की तारीफें हो रही हैं। अब इसी कड़ी में अभिनेता आर माधवन ने एक पोस्ट शेयर करके उन्हें बधाई दी है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा ।

बॉलीवुड अभिनेता आर माधवन ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है, जिसमें उन्होंने प्रियंका चोपड़ा की हॉलीवुड फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' का पोस्टर शेयर करते हुए नोट लिखा। अभिनेता ने कैप्शन में कहा, 'नई राह दिखाने और वह सब करने के लिए आप पर गर्व है, जिसका हम सपना देखते हैं। फिल्म में आपने बहुत शानदार काम किया है और आपने खुद को बहुत अच्छे से संभाला है। आपकी जीत व्यक्तिगत लगती है प्रियंका चोपड़ा।'

प्रियंका चोपड़ा ने दिया जवाब

आर माधवन की इस स्टोरी को अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर री-शेयर किया। एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, धन्यवाद मेरे दोस्त। आपके प्रोत्साहन की वास्तव में मैं सराहना करती हूं।' इसके साथ अभिनेत्री ने लाल दिल वाला इमोजी और नमस्ते वाला रिएक्शन भी दिया।

आईसीयू में भर्ती मशहूर कॉमेडियन फिश वेंकट की मदद के लिए आगे आए प्रभास, अन्य टॉलीवुड स्टार्स से भी की अपील

'बाहुबली' फेम अभिनेता प्रभास ने कुछ ऐसा किया है जिसकी सराहना की जा रही है। प्रभास दिग्गज कॉमेडियन फिश वेंकट के मुश्किल वक्त में उनकी मदद के लिए आगे आए हैं। मौजूदा वक्त में गंभीर हालत में आईसीयू में भर्ती कॉमेडियन फिश वेंकट को तत्काल किडनी ट्रांसप्लांट की आवश्यकता है। इसके लिए अब प्रभास आगे आए और उन्होंने कॉमेडियन की वित्तीय सहायता की है। इसकी जानकारी खुद फिश वेंकट की बेटी ने दी है।

प्रभास ने की आर्थिक मदद

वन इंडिया के साथ बातचीत के दौरान फिश वेंकट की बेटी श्रावंती ने बताया कि प्रभास की टीम ने उनके पिता की वित्तीय मदद की है। श्रावंती ने अपने पिता के साथ काम करने वाले प्रमुख टॉलीवुड कलाकारों से भी मदद की अपील की है। श्रावंती ने बताया कि उन्हें फिश वेंकट के किडनी ट्रांसप्लांट के लिए लगभग 50 लाख रुपये की आवश्यकता है और प्रभास ने खर्च उठाने का वादा किया है। अपने पिता की गंभीर स्थिति के बारे में गहरी चिंता जताते हुए श्रावंती ने बताया कि वह आईसीयू में हैं और उन्हें तुरंत ही ट्रांसप्लांट कराना है।

अभी नहीं मिला किडनी डोनर

फिश वेंकट की बेटी ने बताया कि पापा की तबीयत काफी खराब है। उनकी हालत गंभीर है। वह आईसीयू में हैं और उन्हें किडनी ट्रांसप्लांट की आवश्यकता है, जिस पर हमें कम से कम 50 लाख रुपये खर्च करने होंगे। प्रभास के असिस्टेंट ने हमसे संपर्क किया और वित्तीय सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने हमें ट्रांसप्लांट होने पर उन्हें जानकारी देने के लिए कहा ताकि वो इसकी फीस दे सकें। प्रभास की मदद से कुछ राहत मिली है, लेकिन बड़ी चुनौती किडनी डोनर ढूंढना है। फिश वेंकट की बेटी ने खुलासा किया कि परिवार में कोई भी व्यक्ति उन्हें किडनी नहीं दे सकता है। इसलिए अभी तक डोनर की खोज की जा रही है।

श्रावंती ने की अन्य कलाकारों से भी भावुक अपील

श्रावंती ने टॉलीवुड के अन्य प्रमुख सितारों से भी भावुक अपील की है और मदद के लिए आगे की बात कही है। श्रावंती ने कहा कि चाहे चिरंजीवी हों, पवन कल्याण हों, अल्लू अर्जुन हों या जूनियर एनटीआर, मुझे उम्मीद है कि वे मेरे पिता के लिए डोनर खोजने में हमारी मदद करेंगे। उन्होंने इन सभी के साथ इतनी अच्छी फिल्मों में काम किया है। अब कोई भी उनकी परवाह नहीं करता। मैं सभी से अनुरोध करती हूं कि कृपया मेरे पिता की मदद करें।

कॉमेडी और विलेन के रोल के लिए मशहूर हैं फिश वेंकट

फिश वेंकट अपनी कॉमेडी और विलेन की प्रमुख भूमिकाओं के लिए जाने जाते हैं। अपनी मजबूत तेलंगाना बोली के कारण उन्हें 'फिश' उपनाम मिला है। उन्होंने 'बनी', 'अधूर्स' और 'धी' जैसी फिल्मों में काम किया है।

जब सामंथा ने 18 साल की उम्र में पहले प्यार के लिए बनवाया था टैटू, कहा- 'उससे शादी करूंगी'

सामंथा रुथ प्रभु ने अपनी बेहतरीन अदाकारी और अपनी पसंद से अपने फैंस का दिल जीता है। इसके अलावा वह अपनी निजी जिंदगी को लेकर हमेशा चर्चा में बनी रहती हैं। एक्ट्रेस की शादी नागा चैतन्य से हुई थी लेकिन वह साल 2021 में उनसे अलग हो गई थीं।

18 साल की उम्र में बनवाया पहला टैटू

एक पुराने इंटरव्यू में सामंथा रुथ प्रभु ने एक बार अपने पुराने प्यार के बारे में बात की। सामंथा ने अपने प्यार के लिए 18 साल की उम्र में सबसे पहला टैटू बनवाया था। हालांकि एक्ट्रेस ने किसी का नाम नहीं लिया और न ही यह बताया कि उन्होंने पहला टैटू कहां बनवाया था।

शादी करना चाहती थीं सामंथा रुथ प्रभु

एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने उनके नाम का टैटू इसलिए बनवाया क्योंकि उन्हें लगता था कि वह उसके साथ प्यार में हैं। सामंथा ने कहा 'मैंने सबसे पहला टैटू 18 साल की उम्र में बनवाया था। मुझे लगता था कि मैं उसके साथ प्यार में हूं और उसके साथ शादी करूंगी। मैं उस टैटू के बारे में बात नहीं करना चाहती और न ही यह बताना चाहती हूं कि मैंने इसे कहां बनवाया था।'

फोन की आदी हो गई थीं सामंथा

हाल ही में, अपने पॉडकास्ट टेक 20 में बोलते हुए, सामंथा रुथ प्रभु ने बताया कि कैसे वह अपने फोन की आदी हो गई थीं। उन्होंने बताया कि तीन दिन के मौन व्रत के बाद वह इससे छुटकारा पा सकीं।

सामंथा ने बताया 'मैं अपने फोन के बिना एकांतवास में चली गई। किसी से बात नहीं की, किसी से आंख नहीं मिलाई, पढ़ाई-लिखाई नहीं की और किसी तरह की उत्तेजना नहीं दिखाई।'

सामंथा रुथ प्रभु के काम के बारे में बात करें तो उन्हें आखिरी बार सीरीज 'सिटाडेल हनी बन्नी' में देखा गया था। इसमें वरुण धवन भी थे। तब से, वह अपने खुद के ब्रांड का काम संभाल रही हैं।

17 फिल्में, 2 ब्लॉकबस्टर 6 हिट, 5 फ्लॉप और बाकी एवरेज 15 सालों में कुछ ऐसा रहा रणवीर का करियर ग्राफ

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह आज इंडस्ट्री का एक जाना-माना नाम हैं। उन्होंने साल 2010 में आई फिल्म 'बैंड बाजा बारात' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की। इस फिल्म में उनके अभिनय को लोगों ने काफी पसंद किया। इसके बाद उन्होंने 'लुटेरा', 'किल दिल', 'गुंडे', और 'पद्मावत' समेत कई फिल्मों में काम किया, जिनमें से कुछ हिट हुईं, कुछ फ्लॉप और कुछ ने बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक प्रदर्शन किया। 6 जुलाई को रणवीर अपना 40वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। ऐसे में चलिए आपको बताते हैं कि एक्टर ने अपने 15 साल के करियर में कितनी फिल्में की और उनमें से कौन-सी हिट हुई और कौन-सी फ्लॉप।

15 साल में रणवीर ने की 17 फिल्में

रणवीर सिंह का इंडस्ट्री में आने का सफर बिल्कुल भी आसान नहीं था। उन्होंने फिल्मों में एंट्री लेने से पहले बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया। इसके साथ ही उन्होंने ऐड एजेंसी के लिए कंटेंट राइटर के तौर पर नौकरी भी की। हालांकि, बहुत कम लोग इस बात से वाकिफ होंगे कि अभिनेता आउटसाइडर नहीं हैं, बल्कि वह सोनम कपूर के दूर के कजिन हैं। बता दें कि एक्टर ने इंडस्ट्री में

अपने 15 साल पूरे कर लिए हैं और इन 15 सालों में उन्होंने 17 फिल्मों में बतौर लीड एक्टर काम किया।

2 फिल्म ब्लॉकबस्टर और 6 हिट

अपने 15 साल के करियर में रणवीर सिंह ने 17 फिल्में की, जिसमें से सिर्फ 2 ही फिल्में ब्लॉकबस्टर हुईं। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार, इसमें से एक साल 2018 में रिलीज हुई मूवी 'पद्मावत' और दूसरी भी साल 2018 में रिलीज हुई 'सिंबा' थी। दोनों ही मूवीज को लोगों ने काफी पसंद किया। 'पद्मावत' में एक्टर ने 'खिलजी' का किरदार निभाया था। वहीं, एक्टर की 6 फिल्में हिट हुई, जिसमें साल 2024 में रिलीज हुई 'सिंघम अगेन', साल 2023 में आई 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी', साल 2019 में रिलीज हुई 'गली बॉय', साल 2015 में आई 'बाजीराव मस्तानी', साल 2014 में आई 'गुंडे' और साल 2013 में आई 'रामलीला' शामिल थीं।

4 एवरेज और 5 रहीं फ्लॉप

वहीं, रणवीर सिंह की 4 फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक प्रदर्शन किया और एवरेज की लिस्ट में शामिल हो गईं। इसमें उनकी डेब्यू मूवी 2010 में रिलीज हुई 'बैंड बाजा बारात', साल 2011 में आई 'लेडीज VS रिकी बहल', साल 2015 में आई 'दिल धड़कने दो' और साल 2016 में रिलीज हुई 'बेफिक्रे' शामिल है। इन सबके अलावा रणवीर की 5 फिल्में ऐसी भी थीं, जो बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप हुईं। इसमें 'लुटेरा', 'किल दिल', '83', 'जयेशभाई जोरदार' और 'सर्कस' शामिल थीं।

विवेक ओबेरॉय यूं ही नहीं बने 1200 करोड़ की संपत्ति के मालिक, एक्टिंग से दूर एक साल में कमा डाले 8500 करोड़

बॉलीवुड एक्टर विवेक ओबेरॉय फिल्मों में कम ही नजर आते हैं। लंबे समय के बाद एक्टर को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' में सिद्धार्थ मल्होत्रा और शिल्पा शेट्टी के साथ देखा गया था। इसमें उनके अभिनय को काफी सराहा गया था। लेकिन, अब वो फिल्मों से ज्यादा बिजनेस में एक्टिव रहते हैं। उन्होंने बिजनेस को ही अपनी जिंदगी का मेन फोकस बना लिया। 20 साल तक फिल्मों में करने वाले एक्टर एंटरप्रेन्योरशिप में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे में अब एक्टर ने बताया कि उन्होंने एक साल में 12 कंपनियों के लिए करीब 8500 करोड़ का फंड जुटाया। उनकी दो कंपनियों के IPO भी आने वाले हैं। विवेक ने कहा कि वो फिल्मों पर ही निर्भर नहीं रहना चाहते हैं।

दरअसल, विवेक ओबेरॉय ने सीएनबीसी टीवी 18 से बात की और इस दौरान अपने बिजनेस और कमाई के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि वो बचपन से ही बिजनेस माइंडेड थे। उनके पिता सुरेश ओबेरॉय को देखकर उन्होंने बहुत कुछ सीखा है। एक्टर ने बताया कि उनके पिता हमेशा से ही इन्वेस्टर रहे हैं। वो जमीन-खरीदते और बेचते थे। इससे वो अच्छा खासा पैसा कमाते थे। विवेक बताते हैं कि उनका जमीन से पहला परिचय तब हुआ जब वो 9-10 साल के थे। वो

अचानक कोई सामान घर लेकर आ जाते थे जैसे कभी परफ्यूम, कभी इलेक्ट्रॉनिक्स। वो बैग भरकर घर-घर जाकर इसे बेचते थे।

फिल्म इंडस्ट्री को लेकर क्या बोले विवेक?

विवेक कहते हैं कि उनके पिता दिन के आखिरी में उनसे खाता बुक मांगते थे और मुनाफा रखने के लिए कहते थे लेकिन खर्च हुआ पैसा वापस मांग लेते थे। विवेक ने आगे फिल्म इंडस्ट्री को लेकर कहा कि कुछ साल काम करने के बाद उनको लगा कि वो जहां थे वहीं के वहीं हैं। उनको ये सब अच्छा नहीं लग रहा था। ये अनुभव उनको मजबूत नहीं बना रहा था। उन्हें कुछ लोगों के साथ काम करना अच्छा लगा, लेकिन उनका मानना है कि असली कोलैबोरेशन वही होता है, जिसमें सामने वाला टैलेंट को मौका दे, सलाह दे या सपोर्ट करे।

एक साल में कमा लिए 8500 करोड़

विवेक ओबेरॉय ने कहा कि इंडस्ट्री में ये सब काफी हद तक गायब था। वो कहते हैं कि या तो वो नेगेटिव सोच के दलदल में गिरते चले जाते या फिर उसी दरवाजे से सिर मारना बंद करके कोई नया दरवाजा खोल लेते। उन्होंने वही किया। एक्टर कहते हैं कि उन्हें मोटा पैसा इन्वेस्ट करने में कोई समस्या नहीं है। उनकी सभी कंपनियों ने पिछले साल मिलकर एक बिलियर डॉलर से ज्यादा कमाया है। एक बिलियन डॉलर के हिसाब से ये इंडियन करंसी में 8500 करोड़ है। वो कहते हैं कि ये कोई छोटा अमाउंट नहीं है। लेकिन असली बात ये है कि इसे सही दिशा में इन्वेस्ट कैसे करें और ग्रोथ को कैसे सुरक्षित रखें। विवेक कहते हैं कि इसमें कहीं ना कहीं सिलिकॉन वैली की सोच और मारवाड़ी माइंडसेट का मेल जरूरी है।

कॉम्पिटिटिव एग्जाम के लिए लॉजिकल रीजनिंग सेक्शन को ऐसे करें क्रैक

लॉजिकल रीजनिंग कई प्रतियोगी परीक्षाओं का एक अनिवार्य हिस्सा है, जैसे कॉमन एडमिशन टेस्ट, जेवियर एप्टीट्यूड टेस्ट, कर्मचारी चयन आयोग, रेलवे रिक्रूटमेंट एक्साम्स इत्यादि। इस विषय पर पकड़ बनाए बिना आप बड़ी एग्जाम्स क्लियर नहीं कर सकते।

लॉजिकल रीजनिंग सेक्शन जानकारी का विश्लेषण करने, तार्किक निष्कर्ष निकालने और जटिल समस्याओं को हल करने की आपकी त्वरित क्षमता का परीक्षण करता है। इसमें बढ़िया स्कोर करने के लिए कॉन्सेप्ट्स पर पकड़, प्रैक्टिस, और रणनीतिक सोच की जरूरत होती है।

आज हम विभिन्न कॉम्पिटिटिव एग्जाम्स के लॉजिकल रीजनिंग सेक्शन में तैयारी करने और अच्छा प्रदर्शन करने में आपकी मदद करने के लिए कुछ यूज़फुल टेक्निक्स पर चर्चा करेंगे।

परीक्षा पैटर्न को समझें

यदि लॉजिकल रीजनिंग के सारे टॉपिक्स की बात करें तो कुल मिलाकर बीस के करीब टॉपिक होते हैं, लेकिन समझने की बात यह है कि सारे टॉपिक किसी एक एग्जाम में पूछे नहीं जाते।

जैसे यदि IIM-CAT की बात करें तो अधिकतर प्रश्न डेटा अरेंजमेंट और लॉजिकल पजल्स पर आधारित होते हैं। वहीं 'पेपर फोल्डिंग' से सम्बंधित प्रश्न केवल एस.एस.सी. की कुछ एक्साम्स में पूछे जाते हैं। UPSC-CSAT में एक मिक्स आने लगा है।

इसलिए लॉजिकल रीजनिंग सेक्शन की तैयारी शुरू करें, परीक्षा पैटर्न और पाठ्यक्रम को समझना महत्वपूर्ण है। इसलिए सबसे पहले, पूछे गए प्रश्नों के प्रकार, सेक्शन के लिए आवंटित समय का पता करें। यह समझ आपको अपनी तैयारी की योजना बनाने और उसके अनुसार समय आवंटित करने में मदद करेगी।

बेसिक्स को मजबूत रखते हुए एनेलिटिकल स्किल्स विकसित करें

लॉजिकल रीजनिंग के टॉपिक्स की बेसिक वोकैब्युलरी और कॉन्सेप्ट्स की समझ सबसे पहले आवश्यक है। मान लीजिये किसी 'गेम्स और टूर्नामेंट' सम्बन्धी प्रश्न में ऐसा लिखा है कि टूर्नामेंट 'राउंड रोबिन पद्धति' से खेला जाएगा, और आप को इस टर्म का मतलब नहीं मालूम है तो फिर आपके लिए प्रश्न में आगे बढ़ना मुश्किल हो जाएगा।

एनेलिटिकल स्किल्स में, पैटर्न की पहचान, डिडक्टिव लॉजिक, संभावित परिणामों की रेंज निकालने और फिर उसमें से एक एक कर विकल्पों को हटाने, एक ही परिस्थिति को विभिन्न एंगल्स से देखने और सोचने और तार्किक निष्कर्ष निकालने की आवश्यकता होती है।

अपने एनेलिटिकल स्किल्स को विकसित करने के लिए, ऐसी गतिविधियों में संलग्न रहें जिनमें क्रिटिकल थिंकिंग और प्रॉब्लम सॉल्विंग शामिल हो। पहेलियां सुलझाएं, रणनीति-आधारित गेम खेलें, चेस खेलें, रुबिक क्यूब सॉल्व करें, सुडोकू हल करें इत्यादि।

लॉजिकल रीजनिंग में विजुअलाइजेशन एक महत्वपूर्ण कौशल है। दी गई जानकारी की कल्पना करने के लिए अपने दिमाग को प्रशिक्षित करें, विशेष रूप से बैठने की व्यवस्था, पहेलियाँ और डेटा व्याख्या से संबंधित प्रश्नों में। दी गई जानकारी को दर्शाने के लिए मानसिक चित्र बनाएं या चित्र बनाएं और समस्या का विश्लेषण और समाधान करना आसान बनाएं।

नियमित रूप से अभ्यास करें

आपका दिमाग कितना भी अच्छा हो, ट्रेनिंग और प्रैक्टिस का बहुत फर्क पड़ता है। किसी भी एग्जाम के लॉजिकल रीजनिंग सेक्शन की तैयारी के लिए आपको छह से आठ महीने रोज कुछ घंटों के लिए उस एग्जाम में पूछे जाने वाले प्रश्नों के तरह की प्रेक्टिस जरूर करना चाहिए। इससे परफॉर्मेंस में जमीन, आसमान का फर्क आता है।

विभिन्न प्रकार के लॉजिकल रीजनिंग प्रश्नों का अभ्यास करने के लिए प्रतिदिन समर्पित समय आवंटित करें। आसान स्तर के प्रश्नों से शुरुआत करें और धीरे-धीरे अधिक जटिल प्रश्नों की ओर बढ़ें।

विभिन्न प्रकार के प्रश्नों को हल करने से आपको विभिन्न पैटर्न का पता चलेगा और आपको विभिन्न प्रॉब्लम-सॉल्विंग एट्टीट्यूड और टाइम मैनेजमेंट विकसित करने में मदद मिलेगी।

मॉक टेस्ट और पिछले वर्ष के पेपर हल कर गलतियों की समीक्षा करें और उनसे सीखें

मॉक टेस्ट और पिछले वर्ष के पेपर परीक्षा की तैयारी के लिए अमूल्य संसाधन हैं। वे आपको वास्तविक परीक्षा का अनुभव देते हैं, आपके प्रदर्शन का आकलन करने में मदद करते हैं और आपकी ताकत और कमजोरियों की पहचान करते हैं। मॉक टेस्ट में अपने प्रदर्शन का विश्लेषण करें और उन क्षेत्रों में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित करें जहां आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। परीक्षा पैटर्न को समझने और पूछे गए प्रश्नों के प्रकार से खुद को परिचित करने के लिए पिछले वर्ष के प्रश्नपत्रों को हल करें।

गलतियां सीखने की प्रक्रिया का एक हिस्सा हैं। मॉक टेस्ट या अभ्यास सेट को हल करने के बाद, अपने उत्तरों की समीक्षा करें और अपनी गलतियों का विश्लेषण करें। उन अवधारणाओं को समझें जिन्हें आप भूल गए हैं या जिन तर्कों को आपने गलत तरीके से लागू किया है। अपनी गलतियों से सीखने से आपको भविष्य में उनसे बचने में मदद मिलेगी और आपके लॉजिकल रीज़निंग कौशल मजबूत होंगे।

परीक्षा के दौरान शांत और केंद्रित रहें

वास्तविक परीक्षा के दौरान, शांत और संयमित रहना महत्वपूर्ण है। प्रत्येक प्रश्न को ध्यान से पढ़ें, आवश्यकताओं को समझें और मुख्य जानकारी की पहचान करें। एक ही प्रश्न पर बहुत देर तक अटके रहने से बचें। यदि आपको कोई प्रश्न चुनौतीपूर्ण लगता है, तो उसमें समय व्यर्थ न करें आगे बढ़ जाएं।

'बदलाव' के लिए रहिए तैयार

बचपन में हम आने वाले जीवन के लिए कितने सपने देखते हैं- बड़े होकर ये बनेंगे, ऐसा करेंगे, लेकिन जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं जीवन की तमाम परेशानियां और विपरीत स्थितियों के चलते हम सपने देखना भूल जाते हैं।

कई लोग परेशानियों में उलझने के बाद भी जीवन का उद्देश्य याद रखते हैं तो कई लोग परेशानियों में इस तरह उलझ जाते हैं कि जीवन को बेहतर बनाने के लिए काम ही करना बंद कर देते हैं।

लोग इस तरह हताश हो जाते हैं कि जाने-अनजाने खुद का ही जीवन बर्बाद करते जाते हैं। आपको ऐसे संकेत बता रहे हैं जो इस ओर इशारा करते हैं कि आप अपने जीवन को बेकार या बर्बाद कर रहे हैं। अगर आपमें कोई ऐसे लक्षण हैं तो आपको तुरंत उन्हें बदलने की कोशिश करनी चाहिए।

फालतू की चीजें करके बर्बाद करते हैं समय : अगर आप अपना ज्यादातर समय वह काम करने में बिताते हैं जो आपको नहीं करने चाहिएं तो ये साफ संकेत है कि आप अपने जीवन को बर्बाद कर रहे हैं। बहुत से लोग आजकल ज्यादातर सोशल मीडिया पर वीडियो आदि देखते हुए गुजार देते हैं।

अगर आप भी ऐसा करते हैं तो यह समझने की जरूरत है कि बेवजह वीडियो देखना आपके जीवन को कहीं आगे नहीं ले जाएगा। ऐसा काम जो आपकी प्रोडक्टिविटी को नहीं बढ़ाता है और उस काम पर समय लगा रहे हैं तो आप एक तरह से खुद के जीवन को व्यर्थ कर रहे हैं।

यदि आप हर छोटी-छोटी बातों पर शिकायत करते हैं तो खुद को नैगेटिव विचारों से घेर लेते हैं। अपनी इस आदत को भी आपको बदलना होगा।

'तनाव' से बचने के टिप्स

स्ट्रैस से घिरे रहने के अलग-अलग कारण हो सकते हैं, लेकिन कई बार स्ट्रैस के लिए हम खुद ही जिम्मेदार होते हैं। हम हर रोज कुछ ऐसी गलतियां करते हैं जिसकी वजह से स्ट्रैस फ्री नहीं रह पाते । हम आज आपको कुछ ऐसी ही गलतियों के बारे में बता रहे हैं। कहीं आप भी तो यही गलतियां नहीं कर रहे हैं।

काम टालने की आदत : स्ट्रैस की सबसे बड़ी वजह हो सकती है काम टालने की आदत । अगर आप बार-बार हर काम को टालते रहते हैं और डैडलाइन से पहले किसी काम को शुरू करते हैं तो यकीनन आप खुद पर जरूरत से ज्यादा स्ट्रैस महसूस करेंगे। वहीं, काम टालने की आदत के चलते ही आपके पास काम का पहाड़ खड़ा हो जाता है। ऐसे में स्ट्रैस होना स्वभाविक है।

दूसरों को खुश करने के लिए जीते हैं जीवन : अगर आप उन लोगों में से हैं जो दूसरों को खुश करने के लिए जीवन जीते हैं तो आप हर वक्त खुद को स्ट्रैस में ही पाएंगे। आपको ये समझना चाहिए कि हर कोई आपके काम से खुश नहीं हो सकता है इसलिए खुद के लिए काम करना शुरू करें। वह काम करें जो आपको खुशी दे । स्ट्रैस फ्री जीवन के लिए, दूसरों की खुशी के लिए जीना छोड़ दें।

हर चीज कंट्रोल करने की कोशिश : जो लोग जीवन में हर चीज कंट्रोल करने की कोशिश करते हैं, वे अक्सर स्ट्रैस से घिरे रहते हैं।

जैसे ही कोई काम इन लोगों के कंट्रोल से बाहर जाता है, ये स्ट्रैस लेने लगते हैं। आपको समझना चाहिए कि आप हर चीज को कंट्रोल नहीं कर सकते हैं। जिस दिन आप ये समझ जाएंगे, दूसरों को खुश करने के लिए जीते खुद-ब-खुद स्ट्रैस फ्री महसूस करेंगे।

रिंग के डिजाइन बढ़ा देंगे आपके हाथों की खूबसूरती

पुराने समय में ज्यादातर शादी के बाद ही महिलाएं अंगूठी पहनती थीं। लेकिन धीरे-धीरे सोच और फैशन दोनों में बदलाव आया। इसके बाद से रिंग फैशन का हिस्सा बन गया।

हालांकि, पहले मार्केट में रिंग

के केवल कुछ ही डिजाइन मौजूद थे। जैसे नग वाली रिंग। लेकिन कुछ समय बाद बाजार में रिंग डिजाइन्स की भरमार होने लगी।

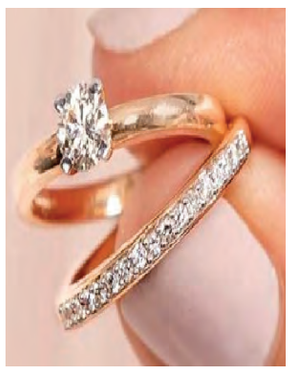

क्योंकि महिलाएं डेली वियर में भी रिंग पहनना पसंद करने लगीं।

क्या आपको भी रिंग का कलेक्शन रखना पसंद है? क्या आप बेहतरीन रिंग डिजाइन्स की तलाश में हैं? तो आज हम आपके लिए कुछ ऐसे डिजाइन्स लेकर आए हैं, जो आपके हाथों की खूबसूरती को दोगुना बढ़ा देंगे। चलिए एक नजर डालते हैं इन रिंग डिजाइन्स पर।

टू लेयर रिंग डिजाइन

मार्केट में आपको टू लेयर रिंग डिजाइन की काफी वैरायटी मिल जाएंगी। फोटो में दिखाया गया डिजाइन भी बेहद खूबसूरत है । इसमें

फर्स्ट लेयर पर डायमंड लगाए गए हैं। सेकंड लेयर पर फ्लावर डिजाइन बनाया गया है। यह डिजाइन सिंपल के साथ-साथ काफी अट्रैक्टिव भी है।

आप रिंग डिजाइन में बदलाव भी कर सकती हैं। जैसे कि दोनों लेयर में एक ही डिजाइन भी अच्छा लगता है। आपको मॉर्डन लेयर रिंग के भी डिजाइन मार्केट में आसानी से मिल जाएंगे। इससे आपकी उंगलियां भरी-भरी लगेंगी।

फ्लोरल रिंग डिजाइन

फ्लोरल डिजाइन ज्वेलरी देखने में बेहद अच्छी लगती है। इस तरह की ज्वेलरी का क्रेज दिन प्रतिदिन महिलाओं के बीच बढ़ता जा रहा है। खासतौर पर रिंग में यह डिजाइन महिलाओं को खूब पसंद आता है। आप चाहें तो सिंगल या डबल फ्लोरल डिजाइन वाली रिंग चुन सकती हैं।

लेकिन इस बात का भी ध्यान रखें कि कई रिंग में फूल के साथ पत्ती नहीं बनी होती है। ऐसे में यह आप पर निर्भर करता है कि आपको कैसा डिजाइन चाहिए।

कॉकटेल रिंग डिजाइन

मार्केट में कॉकटेल रिंग की काफी मांग है। इस रिंग का साइज काफी बड़ा होता है, जिसे पहन आपके हाथों की खूबसूरती बढ़ जाएगी। इसमें आपको डायमंड स्टड से लेकर फ्लोरल डिजाइन मिलेंगे। इस तरह की रिंग हैवी गाउन और एंब्रॉयडरी वाली साड़ी पर बेहद जंचती है।

हार्ट शेप रिंग डिजाइन

अगर आप अपनी गर्लफ्रेंड को गिफ्ट देने की सोच रहे हैं तो हार्ट शेप रिंग दें। यकीन मानिए यह रिंग देखकर आपकी गर्लफ्रेंड खुश हो जाएगी। हार्ट डिजाइन वाली रिंग देखने में बेहद प्यारी लगती है। इस रिंग को आप रोजाना भी पहन सकती हैं। क्योंकि इसका डिजाइन काफी सिंपल होता है। आप चाहें तो यह रिंग देकर अपनी गर्लफ्रेंड को शादी के लिए प्रपोज भी कर सकते हैं।

स्नेक रिंग डिजाइन

अगर आप कुछ डिफरेंट ट्राई करना चाहती हैं तो स्नेक रिंग डिजाइन चुनें। यह डिजाइन कूल लुक के लिए बेस्ट हैं। इस तरह की रिंग ज्यादातर वेस्टर्न आउटफिट्स पर ही अच्छी लगती हैं।

अन्य रिंग डिजाइन्स

आप पर्ल रिंग डिजाइन भी चुन सकती हैं। इस तरह की रिंग आपको रॉयल लुक देगी।

जिस तरह हुप इयररिंग्स देखने में सुंदर लगते हैं, उसी तरह आप मैचिंग लुक के लिए इस डिजाइन की रिंग भी पहन सकती हैं।

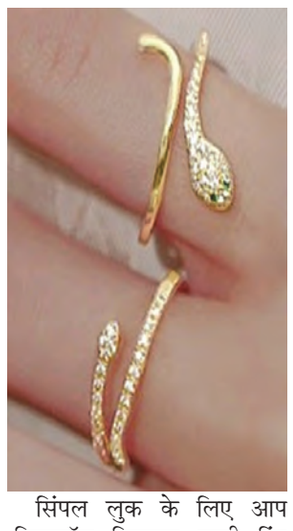

सिंपल लुक के लिए आप क्रिसक्रॉस डिजाइन वाली रिंग खरीद सकती हैं। इसमें आपको नग वाले डिजाइन भी मिल जाएंगे।

वोकेशनल ट्रेनिंग से लेकर इंस्टीट्यूट सिलेक्शन तक

आई केयर के क्षेत्र में कमाई के भरपूर मौके

भारत में वोकेशनल एजुकेशन स्टूडेंट्स के लिए स्पेसिफिक स्किल प्राप्त करने और उनके चुने हुए व्यवसायों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। 'आई केयर' का क्षेत्र एक आशाजनक करिअर मार्ग प्रदान करता है।

ऑप्थेल्मिक टेक्निक्स क्या होती हैं

इसमें 'आई केयर' के लिए आवश्यक स्किल्स और नॉलेज की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। इस क्षेत्र के प्रोफेशनल्स, नेत्र रोग विशेषज्ञों की सहायता करने, नेत्र परीक्षण करने, नेत्र संबंधी स्थितियों का निदान करने, नैदानिक परीक्षण करने और ऑपरेशंस में सहायता करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

वर्क स्कोप और विशेषज्ञता के क्षेत्र

नेत्र तकनीक एक व्यापक कार्य क्षेत्र है, जो अस्पतालों, नेत्र क्लिनिकों, निजी नेत्र और अनुसंधान संस्थानों में अवसर प्रदान करती है। नेत्र तकनीशियन रोगियों को गुणवत्तापूर्ण देखभाल प्रदान करने के लिए नेत्र रोग विशेषज्ञों और अन्य नेत्र देखभाल पेशेवरों के साथ मिलकर काम करते हैं।

नेत्र संबंधी तकनीकों के क्षेत्र में, छात्र विशिष्ट क्षेत्रों में विशेषज्ञता का चयन कर सकते हैं जैसेः

* रिफ्रेक्शन टेक्नीशियन रिफ्रेक्शन टेस्टिंग करने और करेक्टिव आईवियर के प्रेसक्रिप्शन में सहायता करने में विशेषज्ञ होते हैं।

*ओप्थाल्मिक सर्जिकल असिस्टेंट शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं के दौरान नेत्र रोग विशेषज्ञों के साथ काम कर समर्थन प्रदान करते हैं।

* ऑप्टोमेट्रिक तकनीशियन आंखों की जांच, दृष्टि परीक्षण और कॉन्टैक्ट लेंस फिटिंग करने में ऑप्टोमेट्रिस्ट की सहायता करने पर ध्यान देते हैं ।

*आई डायग्नोस्टिक टेक्नीशियन नेत्र सम्बन्धी विभिन्न बीमारियों के पहचान और प्रबंधन में सहायता के लिए विभिन्न नैदानिक परीक्षण और इमेजिंग प्रक्रियाओं को करने में विशेषज्ञता हासिल करते हैं।

कौन-कौन से कोर्स हैं अवेलेबल

ऑप्थेल्मोलोजी कोर्सेस मूल रूप से दो प्रकार के होते हैं।

10+2 पूरा करने के बाद उपलब्ध कोर्सेस पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों के अंतर्गत आते हैं। जबकि पोस्टग्रेजुएशन के बाद के कोर्सेस भी हैं जो एमबीबीएस पूरा करने वाले उम्मीदवारों के लिए उपलब्ध हैं।

लगभग सभी कोर्सेस मुख्य रूप से ऑफ़लाइन कक्षा आधारित पाठ्यक्रमों के रूप में पढ़ाए जाते हैं। हालांकि 10+2 स्तर पर उपलब्ध कुछ डिप्लोमा पाठ्यक्रम डिस्टेंस एजुकेशन के माध्यम से भी उपलब्ध हैं।

आज हम बारहवीं के बाद के कोर्सेस के बारे में जानकारी दे रहे हैं। इनमें ऑप्थेल्मिक टेक्निक्स में बीएससी, डिप्लोमा इन ऑप्थेलिमिक असिस्टेंट, सर्टिफिकेट कोर्स इन ऑप्थेल्मिक टेक्नीशियन, डिप्लोमा इन ऑप्टोमेट्री आदि कोर्सेस अवेलेबल हैं।

इन कोर्सेस की एलिजिबिलिटी

इन कोर्सेस के लिए स्टूडेंट्स को कक्षा बाहरवीं की परीक्षा फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी विषयों के साथ न्यूनतम 45% अंकों के साथ उत्तीर्ण करना आवश्यक है। अलग-अलग संस्थानों की आवश्यकता के अनुसार प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा या साक्षात्कार शामिल हो सकते हैं।

इन कोर्सेस में क्या पढ़ाया जाता है

इन कोर्सेस में विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है, जिसमें आंख की शारीरिक रचना और शरीर विज्ञान, नेत्र संबंधी रोग और विकार, डायग्नोस्टिक प्रोसिजर्स, नेत्र उपकरण, रोगी देखभाल शामिल हैं। हैंड्स-ऑन अनुभव, प्रयोगशाला सत्र और क्लिनिकल रोटेशन प्रशिक्षण का एक अनिवार्य हिस्सा है, जिससे छात्रों को व्यावहारिक कौशल और उनकी क्षमताओं में विश्वास हासिल करने में मदद मिलती है।

भविष्य की संभावनाएं

नेत्र संबंधी तकनीकों का क्षेत्र भारत में छात्रों के लिए आशाजनक भविष्य की संभावनाएं प्रदान करता है।

'आई केयर प्रोफेशनल्स' की बढ़ती मांग और प्रिवेंटिव आई केयर पर बढ़ते जोर के साथ, कुशल नेत्र तकनीशियनों की आवश्यकता आने वाले वर्षों में बढ़ने की उम्मीद है। जैसे-जैसे जनसंख्या की उम्र बढ़ती है और मोतियाबिंद, ग्लूकोमा, और उम्र से संबंधित धब्बेदार अधः पतन जैसी आंखों की स्थिति का प्रसार बढ़ता है, नेत्र संबंधी तकनीकों में प्रशिक्षित पेशेवरों की अधिक मांग होगी।

नेत्र तकनीशियन सरकारी और निजी अस्पतालों, नेत्र क्लिनिकों, ऑप्टिकल केंद्रों, अनुसंधान संस्थानों और यहां तक कि अंतरराष्ट्रीय नेत्र देखभाल संगठनों सहित विभिन्न सेटिंग्स में रोजगार पा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, नेत्र रोग विशेषज्ञों की अपनी निजी प्रैक्टिस स्थापित करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जिससे नेत्र तकनीशियनों को उनके साथ काम करने के और अवसर मिलते हैं।

कमाई के अवसर

कमाई की क्षमता के संदर्भ में, भारत में नेत्र तकनीशियनों का वेतन अनुभव, योग्यता, स्थान और नियोक्ता के प्रकार जैसे कारकों के आधार पर भिन्न होता है। प्रवेश स्तर की स्थिति आम तौर पर एक प्रारंभिक वेतन प्रदान करती है, जो अनुभव और विशेषज्ञता के साथ बढ़ती है। जैसा कि नेत्र तकनीशियन विशेषज्ञता हासिल करते हैं और प्रतिष्ठा बनाते हैं, उनके पास प्रतिस्पर्धी वेतन अर्जित करने की क्षमता हो सकती है।

नौसेना नागरिक भर्ती के लिए पंजीकरण शुरू 10वीं-12वीं पास और डिप्लोमा वाले करें आवेदन

भारतीय नौसेना ने आधिकारिक तौर पर भारतीय नौसेना नागरिक प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण पोर्टल लॉन्च कर दिया है। कुल 1,104 ग्रुप बी (एनजी) और ग्रुप सी नागरिक पदों पर भर्ती के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। उम्मीदवार अब आधिकारिक वेबसाइट incet.cbt-exam.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

ऑनलाइन आवेदन विंडो 5 जुलाई से 18 जुलाई 2025 तक खुली रहेगी। इस भर्ती अभियान के माध्यम से कई ग्रुप बी (एनजी) और ग्रुप सी सिविलियन पदों जैसे ट्रेड्समैन मेट, सीनियर ड्राफ्ट्समैन और चार्जमैन के पदों को भरा जाएगा।

भारतीय नौसेना पात्रता मानदंड

न्यूनतम पात्रता आवश्यकताओं के अनुसार अभ्यर्थियों को कक्षा 10वीं या 12वीं उत्तीर्ण होना चाहिए, अथवा प्रत्येक पद के लिए निर्दिष्ट प्रासंगिक डिप्लोमा या डिग्री होनी चाहिए।

आयु सीमा सामान्यतः 18 से 25 वर्ष के बीच है तथा सरकारी मानदंडों के अनुसार आरक्षित श्रेणियों के लिए छूट लागू होती है।

चयन प्रक्रिया

योग्य उम्मीदवारों का चयन कंप्यूटर आधारित परीक्षा, दस्तावेज सत्यापन और चिकित्सा परीक्षा के आधार पर किया जाएगा। भर्ती कंप्यूटर आधारित परीक्षा के माध्यम से आयोजित की जाएगी जिसमें वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न शामिल होंगे। परीक्षा पैटर्न में सामान्य बुद्धि, अंग्रेजी, संख्यात्मक योग्यता और सामान्य जागरूकता पर अनुभाग शामिल हैं। शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों को दस्तावेज सत्यापन और चिकित्सा परीक्षण के लिए बुलाया जाएगा।

परीक्षा का विस्तृत कार्यक्रम और एडमिट कार्ड जारी होने की तिथि आवेदन विंडो बंद होने के तुरंत बाद घोषित की जाएगी। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपडेट के लिए नियमित रूप से पोर्टल देखें।

आवेदन कैसे करें?

इच्छुक उम्मीदवार नीचे दिए गए चरणों का पालन करके भर्ती परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैंः

सबसे पहले आधिकारिक पोर्टल incet.cbt-exam.in. पर जाएं।

अपने मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी का उपयोग करके पंजीकरण करें।

आवेदन पत्र में सटीक व्यक्तिगत, शैक्षिक और संपर्क विवरण भरें।

अपनी तस्वीर, हस्ताक्षर और आवश्यक दस्तावेजों की स्कैन की गई प्रतियां अपलोड करें।

आवेदन शुल्क ऑनलाइन भुगतान करें (यदि लागू हो) और फॉर्म जमा करें।

भविष्य के संदर्भ के लिए पुष्टिकरण पृष्ठ को डाउनलोड करें और सुरक्षित रखें।

अडानी-अंबानी में होगी सीधी टक्कर

गुजरात में स्टेक पर होगा पेट्रोकैमिकल सेक्टर

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात में एशिया के दो दिग्गज कारोबारियों की सीधी टक्कर होने वाली है। एशिया के दो सबसे अमीर कारोबारी मुकेश अंबानी और अडानी के एक सेक्टर में सीधी जंग देखने को मिलेगी। खास बात तो ये है कि गौतम अडानी जिस सेक्टर में मुकेश अंबानी से पंगा लेना चाहते हैं, उसमें अंबानी का पुराना होल्ड है। इसका मतलब है कि गौतम अडानी मुकेश अंबानी के गढ़ में पहुंचकर उन्हें ललकार रहे हैं।

खबर है कि गौतम अडानी का ग्रुप गुजरात के मुंद्रा में 10 लाख टन सालाना क्षमता का पीवीसी प्लांट लगाने जा रहा है। इसके साथ समूह पेट्रोकैमिकल सेक्टर में उतर जाएगा। इस क्षेत्र में अभी तक रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे बड़ी कंपनी है। इसके साथ अडानी ग्रुप पीवीसी सेक्टर में भी रिलायंस के साथ मुकाबला करेगा। पीवीसी या पॉलिविनाइल क्लोराइड एक सिंथेटिक प्लास्टिक पॉलिमर है जिसका पाइप और फिटिंग से लेकर खिड़की और दरवाजे के फ्रेम, केबल इंसुलेशन, विनाइल फ्लोरिंग और वॉल कवरिंग, क्रेडिट कार्ड और खिलौने जैसे कई उत्पादों को बनाने के लिए व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाता है। भारत की सालाना पीवीसी की मांग लगभग 40 लाख टन है, जबकि घरेलू उत्पादन क्षमता लगभग 15.9 लाख टन है। घरेलू क्षमता में आधी रिलायंस के पास है। पीवीसी की मांग सालाना आठ-10 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है।

अडानी लगाएंगे पीवीसी प्लांट

इस मामले से अवगत दो सूत्रों ने बताया कि अडानी ग्रुप की प्रमुख कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज मुंद्रा मे एक पेट्रोरसायन संकुल बना रही है। कंपनी वहां 10 लाख टन सालाना क्षमता का पीवीसी मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगा रही है। यह प्लांट वित्त वर्ष 2027-28 तक चालू होगा। पीवीसी प्रोजेक्ट में पीवीसी, क्लोर-अल्कली, कैल्शियम कार्बाइड और एसिटिलीन इकाइयों के निर्माण की क्षमताएं शामिल होने की उम्मीद है। सूत्रों ने बताया कि अडानी ग्रुप एसिटिलीन और कार्बाइड आधारित पीवीसी उत्पादन प्रक्रिया को लागू करना चाहता है। इसके लिए पर्यावरणीय मंजूरी और परियोजना स्थापित करने की सहमति पहले ही मिल चुकी है। भारत में पीवीसी की मौजूदा हाई डिमांड और कम सप्लाई को देखते हुए अडानी ग्रुप की परियोजना से आपूर्ति के अंतर को कम करने और इंपोर्ट निर्भरता घटाने में मदद मिलेगी।

मुकेश अंबानी से होगा सीधा मुकाबला

यह परियोजना अडानी ग्रुप को रिलायंस के मुकाबले में खड़ा करेगी, जो वर्तमान में भारत की सबसे बड़ा पीवीसी उत्पादक है। रिलायंस की अनुमानित पीवीसी क्षमता लगभग 7,50,000 टन सालाना की है। रिलायंस के गुजरात में हजीरा, दहेज और वडोदरा में पीवीसी प्लांट हैं। रिलायंस 2027 तक अपनी क्षमता को दोगुना करने की योजना बना रही है। अडानी ग्रुप और मुकेश अंबानी की रिलायंस लंबे समय तक एक-दूसरे से अलग सेक्टर्स में काम करते रहे हैं। लेकिन पहले क्लीन एनर्जी और अब पेट्रोकैमिकल ऐसे क्षेत्र होंगे, जहां वे एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं।

गडकरी ने बता दिया देश का फ्यूचर ट्रांसपोर्ट प्लान, क्या-क्या है पिटारे में

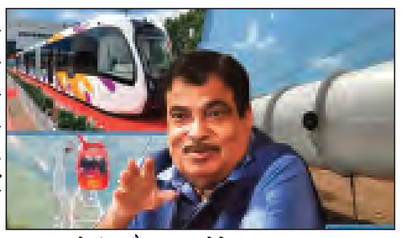

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भारत के परिवहन ढांचे को बदलने का एक बड़ा प्रोजेक्ट पेश क्या है। इस योजना में टिकाऊ और आधुनिक तकनीक वाले परिवहन समाधानों पर जोर दिया गया है। पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में गडकरी ने कई नई योजनाओं के बारे में बताया।

इनमें शहरों में इलेक्ट्रिक रैपिड मास ट्रांजिट, हाइपरलूप कॉरिडोर और दूरदराज के इलाकों में रोपवे और केबल-कार सिस्टम शामिल हैं। गडकरी ने कहा, 'हम इनोवेशन को बढ़ावा दे रहे हैं। मास मोबिलिटी में एक क्रांति आने वाली है।' उन्होंने भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर के भविष्य को आकार देने में तकनीक, पहुंच और पर्यावरण की जिम्मेदारी के महत्व पर जोर दिया। मास मोबिलिटी का मतलब है, लोगों के लिए एक साथ यात्रा करने के बेहतर साधन उपलब्ध कराना। गडकरी ने नेशनल हाईवे नेटवर्क पर हर दिन 100 किमी हाईवे बनाने और 25,000 किमी दो लेन की सड़कों को चार लेन में बदलने का लक्ष्य दोहराया। नेशनल हाईवे 2013-14 में 91,287 किमी थे, जो अब बढ़कर 1,46,204 किमी हो गए हैं। इसी तरह, हाई-स्पीड कॉरिडोर 2014 में 93 किमी थे, जो अब 2,474 किमी तक बढ़ गए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए सड़कों की निगरानी होगी। हाईवे के किनारे 20-25 करोड़ पेड़ लगाने का प्रस्ताव भी विचाराधीन है। पर्यावरण मंत्रालय 'ट्री बैंक' योजना पर विचार कर रहा है।गडकरी ने बताया कि दिल्ली और बेंगलुरु जैसे शहरों के लिए मेट्रिनो पॉड टैक्सी, हाइपरलूप ट्रांसपोर्ट और एलिवेटेड पिलर-आधारित नेटवर्क जैसी पायलट प्रोजेक्ट बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वो दिन दूर नहीं जब शहरों में केबल से चलने वाली बसें और हवाई जहाज जैसी सुविधाओं वाली इलेक्ट्रिक रैपिड मास ट्रांसपोर्ट होंगी। पहाड़ी और दूरदराज के इलाकों में 360 रोपवे और फनिक्युलर रेलवे प्रोजेक्ट हैं। इनमें से 60 पर काम चल रहा है। इनमें केदारनाथ जैसे तीर्थ स्थल भी शामिल हैं। इन सिस्टमों का उद्देश्य खड़ी चढ़ाई वाले इलाकों में सुरक्षित और कुशल परिवहन प्रदान करना है। फनिक्युलर रेलवे एक तरह की ट्रेन होती है जो ढलान पर चलती है।नागपुर में 135 सीटों वाली इलेक्ट्रिक बसों के लिए टेंडर जारी किए गए हैं। ये बसें 120-125 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चल सकती हैं। इनमें प्रीमियम सीटिंग और एयर कंडीशनिंग जैसी सुविधाएं होंगी। ये बसें 30-40 मिनट में चार्ज हो जाएंगी। इन्हें दिल्ली-जयपुर और मुंबई-पुणे जैसे इंटरसिटी मार्गों पर चलाने से पहले ट्रायल किया जाएगा। गडकरी ने कहा कि भारत का ग्रीन एनर्जी की ओर बदलाव तेजी से हो रहा है। टाटा, टोयोटा, हुंडई और महिंद्रा सहित 11 कंपनियां फ्लेक्स-फ्यूल वाहन बनाने के लिए सहमत हो गई हैं।

जेन स्ट्रीट पर एसईबीआई की कार्रवाई से बाजार में भूचाल

एक ही दिन में 12,000 करोड़ डूबे!

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को हड़कंप मच गया, जब सेबी की जांच के चलते चार बड़े कैपिटल मार्केट स्टॉक्स के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली। इस गिरावट ने बाजार की निर्भरता को उजागर कर दिया, क्योंकि एक विदेशी ट्रेडिंग फर्म जेन स्ट्रीट पर सेबी की कार्रवाई ने न सिर्फ उसे, बल्कि उसके भारतीय पार्टनर्स और पूरे डेरिवेटिव्स मार्केट को झटका दे दिया। नतीजा, करीब 12,000 करोड़ रुपये की मार्केट वैल्यू एक ही दिन में साफ हो गई।

नुवामा को सबसे बड़ा झटका

जेन स्ट्रीट की भारतीय ट्रेडिंग पार्टनर नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट को इस हंगामे में सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा। शुक्रवार को इसके शेयर 11.26% तक लुढ़क गए, जबकि सेबी की जांच में इसका कोई गलत काम सामने नहीं आया। फिर भी, निवेशकों ने डर के मारे शेयर बेचने शुरू कर दिए, क्योंकि जेन स्ट्रीट जैसे बड़े क्लाइंट के जाने से नुवामा की कमाई पर असर पड़ सकता है। इसके अलावा, स्टॉक एक्सचेंज बीएसई और ब्रोकिंग फर्म एंजेल वन के शेयर भी करीब 6% टूटे, जबकि सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (सीडीएसएल) के शेयरों में 2% से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई। इन चारों कंपनियों की मार्केट वैल्यू में कुल मिलाकर 12,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

बैंक निफ्टी इंडेक्स ऑप्शंस में हेरफेर करने का आरोप

बाजार नियामक सेबी ने जेन स्ट्रीट और उसकी सहयोगी कंपनियों पर बैंक निफ्टी इंडेक्स ऑप्शंस और अंडरलाइंग स्टॉक्स में हेरफेर करने का आरोप लगाया है। सेबी ने इन फर्मों को 4,844 करोड़ रुपये की अवैध कमाई वापस करने का आदेश दिया है। यह कार्रवाई जेन स्ट्रीट की कथित गड़बड़ियों को लेकर थी, लेकिन इसका असर पूरे बाजार पर पड़ा। जेन स्ट्रीट जैसी प्रॉप ट्रेडिंग फर्म्स भारतीय बाजार में ऑप्शंस ट्रेडिंग का करीब 50% वॉल्यूम संभालती हैं। जीरोधा के फाउंडर नितिन कामथ ने इस बात पर चिंता जताई और कहा, "अगर ऐसी फर्म्स बाजार से पीछे हटती हैं, तो रिटेल ट्रेडिंग (जो करीब 35% वॉल्यूम है) पर भी बुरा असर पड़ सकता है। यह एक्सचेंजों और ब्रोकर्स दोनों के लिए बुरी खबर है।"जेन स्ट्रीट की बाजार में अहमियत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि एक फर्म के पास ऑप्शंस ट्रेडिंग का आधा हिस्सा है। अगर यह फर्म बाजार छोड़ती है, तो लिक्विडिटी और ट्रेडिंग वॉल्यूम पर बड़ा सवाल खड़ा हो सकता है।

मस्क की पॉलिटिक्स में एंट्री का शेयर बाजार पर असर

अमेरिकी इन्वेस्टमेंट फर्म ने टेस्ला का ईटीएफ पोस्टपोन किया; कल पार्टी लॉन्च की थी

मुंबई, 6 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी इलॉन मस्क की राजनीति में एंट्री का असर शेयर बाजार पर भी दिखा रहा है। अमेरिका की इनवेस्टमेंट फर्म अजोरिया पार्टनर्स ने टेस्ला पर आधारित अपना नया ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) लॉन्च करने की योजना फिलहाल टाल दी है। अजोरिया पार्टनर्स अगले हफ्ते अजोरिया टेस्ला कन्वेक्सिटी ईटीएफ लॉन्च करने वाली थी, जिसमें टेस्ला के शेयर और ऑप्शंस में निवेश किया जाता। मस्क के नए राजनीतिक पार्टी के ऐलान के बाद अजोरिया के सीईओ जेम्स फिशबैक ने सोशल मीडिया पर मस्क की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि राजनीति से टेस्ला के सीईओ के तौर पर उनकी जिम्मेदारी पर असर पड़ सकता है। फिशबैक ने कहा कि मैं टेस्ला के बोर्ड से अपील करता हूं कि वे तुरंत बैठक करें और मस्क से साफ-साफ पूछें कि उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं टेस्ला के सीईओ के रोल के साथ मेल खाती हैं या नहीं। इलॉन मस्क ने शनिवार को अमेरिका में एक नई पॉलिटिकल पार्टी बनाने का ऐलान किया। उन्होंने इसका नाम 'अमेरिका पार्टी' रखा है। मस्क ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा- आज अमेरिका पार्टी का गठन किया जा रहा है, ताकि आपको आपकी आजादी वापस मिल सके। इसे लेकर उन्होंने एक्स पर पब्लिक पोल भी किया था। मस्क ने अपने पोस्ट में कहा कि आप में 66% लोग एक नई राजनीतिक पार्टी चाहते हैं और अब यह आपको मिलेगी। जब बात अमेरिका को बर्बाद करने और भ्रष्टाचार की आती है तो अमेरिका में दोनों पार्टी (रिपब्लिकन और डेमोक्रेट) एक ही जैसी हैं। अब देश को 2 पार्टी सिस्टम से आजादी मिलेगी। मस्क ने 4 जुलाई को अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक्स पर एक पोल पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने पूछा था कि क्या आप दो पार्टी वाले सिस्टम से आजादी चाहते हैं? क्या हमें अमेरिका पार्टी बनानी चाहिए? पोल के नतीजों में 65.4% लोगों ने हां और 34.6% ने नहीं में वोट दिया। अमेरिका की राजनीति में बीते डेढ़ सौ साल से डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन दो ही पार्टियों का दबदबा रहा है। देश में राष्ट्रपति चुनाव से लेकर राज्यों की विधानसभाओं तक इन दोनों दलों का वर्चस्व हैं। इस टू-पार्टी सिस्टम को अमेरिकी लोकतंत्र की स्थिरता की वजह भी माना जाता है। डेमोक्रेटिक पार्टी की शुरुआत 1828 में एंड्रू जैक्सन के दौर में हुई। यह शुरुआत में किसानों और आम जनता की पार्टी मानी जाती थी। 20वीं सदी में यह सामाजिक कल्याण, न्यू डील जैसे आर्थिक सुधारों और नागरिक अधिकारों की पैरोकार बनी। वहीं, रिपब्लिकन पार्टी 1854 में गुलामी के विरोध में बनी और अब्राहम लिंकन इसके पहले राष्ट्रपति बने। 20वीं सदी में यह व्यापार और टैक्स कट के समर्थन वाली पार्टी बन गई। मस्क और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच 5 जून को टैक्स और खर्च में कटौती करने वाले बिग ब्यूटीफुल बिल को लेकर तीखी नोकझोंक हुई थी, जिसके बाद मस्क ने ट्रम्प सरकार से खुद को अलग कर लिया था।

शेयर बाजार के लिए 10 जुलाई अहम

ये दिन निफ्टी की अगली दिशा तय कर सकता है, बड़े ट्रिगर जो मार्केट को प्रभावित करेंगे

मुंबई, 6 जुलाई (एजेंसियां)। शेयर बाजार में कल से शुरू होने वाले हफ्ते के लिए 10 जुलाई अहम होने वाला है। वेल्थ-व्यू एनालिटिक्स के डायरेक्टर हरशुभ शाह के मुताबिक ये दिन बाजार की अगली दिशा तय कर सकता है। वहीं उन्होंने अपनी वीकली मार्केट रिपोर्ट में कुछ खास समय और स्तर बताए हैं। इसके अलावा भारत-अमेरिका ट्रेड डील, पहली तिमाही के कंपनियों के नतीजे से लेकर विदेशी निवेशकों की खरीद-बिक्री और टेक्निकल फैक्टर्स बाजार की चाल तय करेंगे। चलिए समझते हैं कि इस हफ्ते बाजार में क्या हो सकता है...

निफ्टी के अहम स्तर

सपोर्ट जोन: 25,434 | 25,320 | 25,120 | 24,978 | 24,856

सपोर्ट यानी, वह स्तर जहां शेयर या इंडेक्स को नीचे गिरने से सहारा मिलता है। यहां खरीदारी बढ़ने से कीमत आसानी से नीचे नहीं जाती। इन स्तरों पर खरीदारी का मौका मिल सकता है।

रेजिस्टेंस जोन: 25,586 | 25,600 | 25,910 | 26,234

रेजिस्टेंस यानी, वह स्तर जहां शेयर या इंडेक्स को ऊपर जाने में रुकावट आती है। ऐसा बिकवाली बढ़ने से होता है। अगर निफ्टी रजिस्टेंस जोन को पार करता है, तो नई तेजी आ सकती है।

10 जुलाई की तारीख बाजार के लिए अहम

रिपोर्ट के मुताबिक 10 जुलाई का दिन बाजार के लिए टर्निंग पॉइंट हो सकता है। हरशुभ शाह ने कहा कि ट्रेडरों को इस दिन के प्राइस एक्शन और बताए गए समयों पर खास ध्यान देना चाहिए, ताकि बाजार की दिशा का अंदाजा लग सके।

भारत और अमेरिका के बीच चल रही व्यापार वार्ता इस हफ्ते सुर्खियों में रहेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 9 जुलाई तक टैरिफ पर 90 दिन की छूट दी थी। अगर दोनों देशों के बीच कोई समझौता हो जाता है, तो यह बाजार के लिए अच्छी खबर होगी। खासकर आईटी, फार्मा, और ऑटो जैसे क्षेत्र में तेजी देखने को मिल सकती है। लेकिन अगर बातचीत विफल होती है, तो टैरिफ बढ़ने से बाजार में अनिश्चितता बढ़ सकती है।

इस हफ्ते कॉरपोरेट कंपनियों के पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2025) के नतीजे शुरू हो रहे हैं। सबसे पहले नजर होगी आईटी दिग्गज टीसीएस और रिटेल कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स (डीमार्ट) पर। ये नतीजे पूरे तिमाही सीजन का मूड सेट करेंगे।

विशेषज्ञों का मानना है कि कम मुद्रास्फीति, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा तीन बार ब्याज दरों में कटौती, और मजबूत आर्थिक विकास के कारण इस बार नतीजे बेहतर हो सकते हैं। अगर कंपनियों के नतीजे उम्मीदों से अच्छे रहे, तो बाजार में तेजी का रुझान देखने को मिल सकता है।

जून में अनाज सस्ते, पर दूध-तेल ने महंगाई बढ़ाई, वैश्विक खाद्य कीमतों में हलचल

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। जून 2025 में वैश्विक खाद्य महंगाई को लेकर एक मिश्रित तस्वीर सामने आई है। संयुक्त राष्ट्र की खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक जहां अनाज और चीनी जैसी बुनियादी चीजों के दामों में गिरावट से उपभोक्ताओं को थोड़ी राहत मिली है, वहीं दूध, वनस्पति तेल और मांस जैसे जरूरी उत्पादों की बढ़ती कीमतों ने थाली को महंगा कर दिया है। इस बीच वैश्विक स्तर पर अनाज उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने की उम्मीद जगी है, लेकिन गर्मी और सूखे जैसे जलवायु जोखिमों ने भविष्य को लेकर चिंताएं गहरा दी हैं। एफएओ के फूड प्राइस इंडेक्स के अनुसार जून में खाद्य कीमतों में कुल मिलाकर 0.5% की बढ़त दर्ज की गई, जिससे सूचकांक 128 अंकों पर पहुंच गया। यह वृद्धि भले मामूली हो, लेकिन मार्च 2022 के शिखर से यह अभी भी 20.1% नीचे है। जून में जहां अनाज और चीनी के दाम गिरे वहीं डेयरी, मांस और तेल की महंगाई ने महंगाई को ऊपर की ओर खींचा। जून में अनाज मूल्य सूचकांक 107.4 अंक पर दर्ज किया गया जो मई के मुकाबले 1.5% कम है। मक्का, जौ और ज्वार के दामों में गिरावट अर्जेंटीना और ब्राजील जैसे उत्पादक देशों की आपूर्ति के कारण आई। हालांकि गेहूं महंगा हुआ क्योंकि यूरोप, रूस और अमेरिका में खराब मौसम की आशंकाओं ने कीमतों को ऊपर खींचा। एफएओ का अनुमान है कि वर्ष 2025 में वैश्विक अनाज उत्पादन 292.5 करोड़ टन तक पहुंच सकता है जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा होगा।जून में वनस्पति तेल मूल्य सूचकांक 2.3% चढ़कर 155.7 अंक पर पहुंच गया। पाम, सोया और रेपसीड तेल की कीमतों में तेजी आई, जबकि सूरजमुखी तेल सस्ता हुआ। पाम तेल की कीमत में लगभग 5% की वृद्धि हुई, क्योंकि वैश्विक मांग तेज रही। वहीं, सोया तेल की कीमतें अमेरिका और ब्राजील में बायोफ्यूल मांग के चलते बढ़ीं। रेपसीड तेल की कीमतें भी वैश्विक आपूर्ति की चिंता के कारण बढ़ीं।डेयरी मूल्य सूचकांक में जून में 0.5% की वृद्धि हुई और यह 154.4 अंक पर पहुंच गया। मक्खन की कीमतों में 2.8% की छलांग के साथ यह 225 अंकों के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गईं। इस तेजी के पीछे ओशिनिया और यूरोपीय देशों में उत्पादन में कमी और पश्चिम एशिया से मांग में वृद्धि रही।

जीडीपी: 'विकसित भारत का सपना पूरा करने के लिए हर साल 10% जीडीपी ग्रोथ जरूरी': सीआईआई के अध्यक्ष

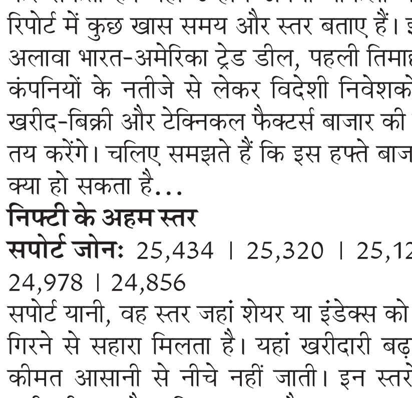

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। भारत अगर 2047 तक 'विकसित भारत' का सपना पूरा करना चाहता है, तो इसके लिए हर साल औसतन 10 प्रतिशत नाममात्र जीडीपी ग्रोथ जरूरी होगी। यह बात देश के उद्योग संगठन सीआईआई (कनफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री) के नवनियुक्त अध्यक्ष राजीव मेमानी ने कही है। नाममात्र जीडीपी यानी देश में बनने वाले सारे सामान और सेवाओं की कीमत को मौजूदा बाजार दरों पर मापा जाता है। इसमें महंगाई को समायोजित नहीं किया जाता, जबकि असली जीडीपी में महंगाई का असर कम करके देखा जाता है।

विकसित भारत के लक्ष्य के लिए तेज ग्रोथ जरूरी

राजीव मेमानी ने कहा कि अगर भारत को 2047 तक विकसित देशों की कतार में शामिल होना है, तो अगले 20 साल तक 10 फीसदी के करीब नाममात्र जीडीपी ग्रोथ जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारत की मौजूदा स्थिति अच्छी है, लेकिन उसे और मजबूत करना होगा।

सीआईआई अध्यक्ष ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच जल्द ही अंतरिम व्यापार समझौता हो सकता है। इससे भारत को बड़ा बाजार मिलेगा, खासकर उन क्षेत्रों में जो श्रम आधारित हैं। साथ ही तकनीक के ट्रांसफर, संयुक्त उपक्रमऔर नई साझेदारियों का रास्ता खुलेगा।

व्यापार समझौते से दूर होगी अनिश्चितता

राजीव मेमानी ने कहा कि इस समझौते से बाजार में बनी अनिश्चितता खत्म होगी। इससे व्यापारियों और कंपनियों को भविष्य को लेकर स्पष्ट दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि इससे भारत में निवेश बढ़ेगा और नई नौकरियों के अवसर बनेंगे।

भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत, लेकिन सावधानी जरूरी

सीआईआई के मुताबिक भारत की अर्थव्यवस्था इस वित्त वर्ष में 6.4 से 6.7 फीसदी की दर से बढ़ सकती है। इसकी वजह घरेलू मांग में मजबूती है।

हालांकि, वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक तनाव भारत की ग्रोथ में जोखिम भी पैदा कर सकता है।सरकार ने कहा है कि देश की आर्थिक स्थिति फिलहाल स्थिर और मजबूत है। भारतीय रिजर्व बैंक ने मौजूदा वित्त वर्ष के लिए 6.5 फीसदी जीडीपी ग्रोथ का अनुमान जताया है। सरकार के मुताबिक पूंजी बाजार, बैंकिंग सेक्टर और कॉर्पोरेट सेक्टर की स्थिति अच्छी बनी हुई है, जिससे देश आगे बढ़ रहा है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य दक्षिणायन ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 (सूर्योदय 05-50, सूर्यास्त 18-50)
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि प्रारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन में	मिथुन	04-16 बजे
चंद्र-	वृश्चिक में	कर्क	06-29 बजे
मंगल	सिंह में	सिंह	08-40 बजे
बुध-	कर्क में	कन्या	10-47 बजे
गुरु-	मिथुन में	तुला	12-54 बजे
शुक्र-	वृष में	वृश्चिक	15-02 बजे
शनि-	मीन में	धनु	17-16 बजे
राहु-	कुंभ में	मकर	19-26 बजे
केतु-	सिंह में	कुंभ	21-13 बजे
		मीन	22-51 बजे
		मेष	00-27 बजे
		वृष	02-56 बजे

दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी 23-10 तक उपरान्त त्रयोदशी
मास - आषाढ़ शुक्ल , सोमवार 07 July
नक्षत्र - अनुराधा 01-10 तक उपरान्त ज्येष्ठा
योग - शुभ 22-02 तक उप शुक्ल
करण- बव 10-16 तक उप बालव
विशेष - सर्वार्थ सिद्धि योग - 05-55 से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:27 से 09:05 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05:50 - 07:27	शुभ	चंचल	18:50 - 20:15	शुभ
काल	07:27 - 09:05	अशुभ	रोग।	20:15 - 21:37	अशुभ
शुभ	09:05 - 10:43	शुभ	काल	21:37 - 22:59	अशुभ
रोग	10:43 - 12:21	अशुभ	लाभ	22:59 - 00:21	शुभ
उत्पात	12:21 - 13:59	अशुभ	उत्पात	00:21 - 01:43	अशुभ
चंचल	13:59 - 15:37	शुभ	शुभ	01:43 - 03:05	शुभ
लाभ	15:37 - 17:15	शुभ	अमृत	03:05 - 04:27	शुभ
अमृत	17:15 - 18:50	शुभ	चंचल	04:27 - 05:50	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,): आज आपका भाग्य सट्टा उद्यम एवं उससे जुडी चीजो में आपका साथ देगा । अगर आप किसी दुविधा में हैं तो आज का दिन आपको तर्कशक्ति प्रदान करेगा जिससे आप उचित निर्णय ले पाओगे । ये निर्णय आपकी वित्तीय जरुरतो पर भी आगे जाकर अछा प्रभाव डालेगा । आज का दिन भूमि निवेश के लिए भी फायदेमंद रहेगा ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,): आज आपका ध्यान कही भटक सकता है , और आपको लगेगा की आप अपने कार्यो को समय पर पूरा नहीं कर पाएंगे । परिणाम स्वरुप आप अपने कार्यो में पीछे रह सकते है । इसका सबसे अच्छा समाधान है की आप कार्य से एक दिन अवकाश ले और बाहरी गतिविधियों में एक दिन बिताए ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,): आज आप एक चिंतनशील अवस्था में रहेंगे । आज आपके उस काम में उत्कृष्टता प्राप्त करने की संभावना है जिसमे गहरी सोच और चिंतन शामिल हो । आज शिक्षक , प्रचारकों , वकील, विवादकर्ताओं और राजनेताओं के अपने अपने कार्य क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने की संभावना है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,): आप अपने सभी लक्ष्यों को समय पर पूरा करेंगे और कार्य क्षेत्र में शांति का माहौल रहेगा , लेकिन व्यापार के मामलों में किसी भी समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले कानूनी विशेषज्ञों से परामर्श करें। धोखाधड़ी की संभावना है। यदि संभव हो तो अपनी व्यापारिक सौदों को दूसरे दिन पर टाले और अपने सहयोगियों की विश्वसनीयता का मूल्यांकन करे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,): आज आप आत्मविश्वास और सकारात्मक रहेंगे । आज किसी भी साक्षात्कार या ग्राहक के साथ किसी भी सौदे को तय करने के लिए एक अच्छा दिन है। आपको आज एक अछा लाभ मिल सकता है । आप दिन के उत्तरार्ध में किसी कार्य को लेकर कुछ अटक सकते है। कल के लिए मनोरंजन या मनोरंजन के लिए अपनी योजनाओं को स्थगित करे एवं अपने सहयोगी से आज मदद ले ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): जहां तक वित्तीय मामलों का संबंध है, आज आप एक बुद्धिमान निर्णय लेंगे । सलाह आपका उचित मार्गदर्शन करेंगी , तो आज छोटे लाभ से संतुष्ट रहे । शेयर बाज़ार में लगे लोग आज बड़े शेयरों के निवेश से बचे । अपने भीतर की आवाज सुनकर अपने अंतर्ज्ञान से काम करे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,): आज आपको विभिन्न भूमिकाओं का क्रियान्वन करना पड सकता है इसलिए दोस्तों से मदद लेने में संकोच न करे । वे सफलता के रास्ते पर आपको एक मजबूत समर्थन दे सकते हैं। छात्रों के लिए ये एक अच्छा दिन हो सकता है और उन्हें एक प्रतिष्ठित संस्थान से डिप्लोमा या डिग्री प्राप्त हो सकती है। इन स्थितियों की वजह से उच्च भुगतान नौकरियों में अवसर बढ़ेंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,): कुछ समय से अपने कार्यालय में आप काफी अच्छा काम कर रहे है और ये खूबी आज आपको अपने मालिक की नजरो में काफी ऊपर उठाएगी । पदोन्नति भी आपका इतंजार कर रही है परन्तु आपके सहकर्मियों की द्वेष एवं जलन आपका मन ख़राब कर सकती है । ये आपके लिए एक मुश्किल चुनौती की तरह है और आपको इस बात का ध्यान रखना है की ये चीज़ आपके मन और मस्तिस्क पर बुरा प्रभाव न डाले ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू, धा ,फा, ढा, भे): एक दुर्लभ नौकरी का अवसर आज आपके दरवाजे पर दस्तक देने के लिए आ रहा है। यह विचार करने पर कुछ हद तक जोखिम भरा लगेगा , लेकिन आप उस पर कार्रवाई करते हैं, तो आप अपने कैरियर को एक नया मोड़ दे सकते हैं। सुरक्षित और संकीर्ण रास्ते की तुलना में ये समय जोखिम लेने के लिए उत्तम है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी): आपका धैर्य से अब लाभ मिलने लगा है । आप एक लंबे समय से इसके लिए इंतजार कर रहे थे , जिसके लिए आपने कभी अपनी मेहनत को पीछे नहीं रखा और अवसरों की तलाश करते रहे । धीरे-धीरे जो आप चाहते थे वो आपको मिल रहा है ।आप संयमित रहे । इन लाभों का आनंद लें , लेकिन साथ ही साथ आसपास के लोगों से विनम्र रहे ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,): धन से संबंधित कुछ समस्याए आ सकती है । आपको ये समझना होगा की कौन सा खर्च जरुरी और गैर जरुरी है अन्यथा आपको वित्तीय संकट से गुजरना पड़ सकता है । अगर आप अपनी आय बढ़ाना चाहते है तो आपको कुछ नवीनतम प्रोद्योगिकी का समावेश करना होगा और वो आप पर निर्भर करेगा की आप उसका कितना फायदा उठा सकते है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची): आपका धैर्य , कर्तव्य और जिम्मेदारी की अपनी भावना आपके रास्ते में आ रही सभी बाधाओं को दूर करने में सहायक सिद्ध होगी । आपको अपने हास्य क्षमता को जागृत करना होगा ताकि आपका कार्य क्षेत्र में एक अच्छे माहौल का निर्माण हो सके जिससे की आप आराम से अपने कार्य को कर सके ।दिन के अंत में एक गंभीर वित्तीय लाभ का मौका आपको मिल सकता है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

सरकार को बड़ी राहत! 50.28 करोड़ रुपए और ब्याज से मिली मुक्ति

हाईकोर्ट ने रद्द किया आदेश

जयपुर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। हाईकोर्ट ने सड़क निर्माण से संबंधित विवाद में कंपनी को 50.28 करोड़ रुपए और ब्याज का भुगतान करने के आर्बिट्रेटर के आदेश को रद्द कर दिया। कोर्ट ने राज्य सरकार को राहत दी, वहीं जनवरी 2012 तक वसूली गई टोल राशि पर कंपनी का अधिकार माना। न्यायाधीश अवनीष झिंगन और न्यायाधीश भुवन गोयल की खंडपीठ ने राज्य सरकार की अपील पर यह आदेश दिया।

अतिरिक्त महाधिवक्ता संदीप तनेजा ने कोर्ट को बताया कि बीओटी आधार पर पाली बाइपास, जोधपुर-सुमेरपुर रोड निर्माण का कार्य साल 2003 में सांवरिया

इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी को दिया गया। उसे 18 माह में सड़क बनानी थी और 52 माह टोल राशि वसूल करनी थी।

कंपनी ने रोड बनाकर 3 मई 2006 से टोल वसूली शुरू कर दी। इसकी समय सीमा को लेकर विवाद होने पर मामला आब्रिट्रेटर तक पहुंचा। आब्रिट्रेटर ने वर्ष 2019 में कंपनी के वर्ष 2012 तक टोल वसूलने को सही माना। साथ ही, रेलवे लाइन बंद नहीं होने के कारण हुए नुकसान के लिए बतौर क्षतिपूर्ति राज्य सरकार से 50.28 करोड़ दिलाए।

भुगतान में देरी होने पर 12 फीसदी ब्याज भी दिलाया। इसे राज्य सरकार ने वाणिज्यिक न्यायालय में चुनौती दी और राहत नहीं होने पर हाईकोर्ट में अपील दायर की।

अपील में कहा कि करार में रेलवे लाइन बंद करने की शर्त नहीं थी। कोर्ट ने आब्रिट्रेटर का आदेश रद्द कर राज्य सरकार को राहत दी।

9 जुलाई को भारत बंद को संयुक्त किसान मोर्चा का समर्थन, प्रचार-प्रसार के लिए बनाई कमेटियां

जालोर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। संयुक्त किसान मोर्चा और राजस्थान किसान सभा की संयुक्त बैठक डाक बंगले में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता संयुक्त किसान मोर्चा के अध्यक्ष ईशराराम बिश्नोई और किसान सभा के अध्यक्ष विरद सिंह चौहान ने की।

विशेष अतिथियों में सेवानिवृत्त एडिशनल एसपी पूनमचंद गोदारा, कलाराम जाजूसन, हरिराम गोदारा और बालेरा वितरिका अध्यक्ष केसर सिंह मौजूद रहे। बैठक में केंद्र सरकार की किसान और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ 9 जुलाई को प्रस्तावित भारत बंद को समर्थन देने की घोषणा की गई। ईशराराम बिश्नोई ने बताया कि इस दिन सांचौर मुख्यालय पर हजारों किसान, मजदूर, विद्यार्थी, बेरोजगार युवा और संविदा कर्मी एकत्रित होकर विरोध प्रदर्शन

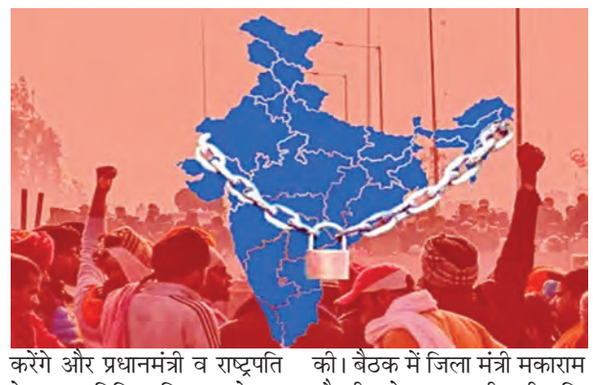

करेंगे और प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति के नाम अतिरिक्त जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपेंगे।

किसान सभा अध्यक्ष विरद सिंह चौहान ने सांचौर और चितलवाना क्षेत्र की आदान अनुदान राशि और फसल बीमा क्लेम को लेकर जिला कलेक्टर जालोर, कृषि विभाग और रिलायंस कंपनी अधिकारियों से हुई बातचीत की जानकारी साझा की। बैठक में जिला मंत्री मकाराम चौधरी ने जानकारी दी कि सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि खरीफ 2025 के लिए रिलायंस कंपनी का फसल बीमा नहीं करवाया जाएगा और कंपनी का बहिष्कार किया जाएगा। इस दौरान कंपनी के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी हुई। पूर्व बीईईओ राणाराम ने किसान सभा की ग्राम इकाइयों के गठन और सदस्यता अभियान को गति देने पर बल दिया। जोगाराम सुथार ने केंद्र सरकार पर किसानों से किए वादे नहीं निभाने का आरोप लगाया, वहीं पूनमचंद गोदारा ने सार्वजनिक प्रतिष्ठानों के निजीकरण पर चिंता जताई।

राजस्थान में 500 करोड़ का बड़ा फर्जीवाड़ा आया सामने, 450 अधिकारी और कर्मचारी शामिल; जांच में खुली पोल

केसर सिंह सरवाना ने नर्मदा नहर परियोजना में हो रहे भ्रष्टाचार की बात कही और नर्मदा कार्यालय का घेराव करने की घोषणा की। किसान सभा के जिला मंत्री लक्ष्मण सिंह चौधरी और पांचाराम डूंगरी ने बताया कि 9 जुलाई के भारत बंद की तैयारी को लेकर प्रचार-प्रसार के लिए अलग-अलग कमेटियों का गठन किया गया है।

पूर्व मंत्री बोले-वसुंधरा और गहलोत के बीच सांठ-गांठ थी

राजस्थान में सीएम-विपक्ष में अनकहा समझौता रहा है; भजनलाल को चुग्गा डाल रहे अशोक गहलोत

जयपुर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस सरकार में मंत्री रह चुके सुरेंद्र व्यास की किताब 'एक विफल राजनीतिक यात्रा' का रविवार को विमोचन किया गया। इस दौरान सुरेंद्र व्यास ने बताया- वसुंधरा राजे और इनके (अशोक गहलोत) बीच तो सांठ-गांठ थी। आप किताब पढ़ेंगे तो आपको मालूम पड़ेगा। 25 हजार करोड़ के जमीन घोटाले का मामला भी मालूम पड़ेगा। सुरेंद्र व्यास ने बताया- राजस्थान की राजनीति के कई अनकहे किस्से इस किताब में लिखे हैं। राजस्थान में अभी तक जो अनकहा समझौता मुख्यमंत्री और विपक्ष में होता रहा है। उसके उदाहरण भी पुस्तक में प्रस्तुत किए गए हैं। जयपुर के कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सुमित्रा सिंह मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहीं। जयपुर के कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सुमित्रा सिंह मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहीं।

सुरेंद्र व्यास ने चर्चा करते हुए कहा- अभी अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के लिए कहा कि उनके खिलाफ भाजपा में बड़ी साजिश हो रही है। यह उन्होंने भजनलाल को चुग्गा डाला है। उन्होंने कहा - अशोक गहलोत को भैरोंसिंह शेखावत ने बचाया। अब अगर इनके खिलाफ कोई मामला होता है तो भजनलाल शर्मा उनकी मदद करेंगे। यही चुग्गा डालना होता है। अगर कल मैं आऊंगा तो आपकी मदद करूंगा। अब भजनलाल इनके जाल में फंसते हैं या नहीं। यह कहना मुश्किल है। क्योंकि ये नए आदमी हैं। पूरी तरह नरेंद्र मोदी की चॉइस है। पूर्व मंत्री ने कहा- चुग्गा डालने से मेरा आशय यही है कि उनको अपने पक्ष में करना चाहते हैं। सहानुभूति अर्जित करना चाह रहे हैं। आप समझिए उन्होंने (अशोक गहलोत) इससे सहानुभूति तो अर्जित की। उन्हें (भजनलाल शर्मा) लगेगा कि अशोक जी भी मेरे लिए अच्छा सोचते हैं। अशोक गहलोत का 1998 में बिना विधायक चुने गए मुख्यमंत्री की शपथ लेना। अपने लिए सुरक्षित सीट की व्यवस्था के लिए सरदारपुरा से निर्वाचित विधायक मानसिंह देवड़ा से स्थान रिक्त करवाना। देवड़ा के विरुद्ध लंबित भ्रष्टाचार निरोधक विभाग के एक केस में खुद गृह मंत्री होते हुए केस वापस लेने का आदेश पारित करना। ऐसे कई किस्से पुस्तक में हैं।

मंत्रिमंडल फेरबदल पर आया बड़ा अपडेट

विस्तार पर सुगबुगाहट तेज, शेखावाटी से नए चेहरे को मिल सकती है जगह

जयपुर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में भाजपा सरकार बने जल्द ही डेढ़ साल होने जा रहे हैं। अब तक एक बार भी मंत्रिमंडल विस्तार या फेरबदल नहीं हुआ है। जानकारों का कहना है कि यदि इस माह भी किसी तरह का कोई राजनीतिक निर्णय नहीं हुआ तो फिर मंत्रिमंडल का मामला कुछ समय और टल सकता है। कुछ ही समय बाद बिहार चुनाव की सरगर्मियां तेज हो जाएंगी, ऐसे में पार्टी आलाकमान पूरी तरह से चुनावी मोड में आ जाएगा।

मंत्रिमंडल विस्तार या फेरबदल लम्बे समय से प्रस्तावित

उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार 2023 में जहां-जहां भाजपा की सरकारें बनी है वहां मंत्रिमंडल विस्तार या फेरबदल लम्बे समय से प्रस्तावित है। राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति के साथ ही किस नेता को सरकार में और किसको संगठन में एडजस्ट करना है... यह तय होगा। ऐसे में सब कुछ राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति पर ही निर्भर बताया जा रहा है। पार्टी को राजस्थान, छत्तीसगढ़ और एमपी में मंत्रिमंडल में फेरबदल और विस्तार करना है।

परफॉर्मेंस के आधार पर बदले जाएंगे विभाग

सूत्रों के अनुसार पार्टी आलाकमान ने मंत्रियों की परफॉर्मेंस आंकने के लिए कुछ पैरामीटर्स तय किए हुए हैं। इन पैरामीटर्स पर आलाकमान निरंतर मंत्रियों पर निगाह रखे हुए हैं। जिस दिन भी मंत्रिमंडल फेरबदल तय होगा, उस दिन मंत्रियों की परफॉर्मेंस के आधार पर उनका कद तय होगा। यदि किसी की परफॉर्मेंस बहुत ज्यादा खराब हुई तो मंत्रिमंडल से हटाया भी जा सकता है।

शेखावाटी अंचल से बढ़ाए जा सकते हैं मंत्री

प्रदेश में मंत्रिमंडल में सबसे कम प्रतिनिधित्व इस समय शेखावाटी अंचल का है। सीकर, चूरू, झुंझुनूं से लेकर हनुमानगढ़-श्रीगंगानगर तक सिर्फ एक सीकर से ही मंत्री है। लोकसभा चुनाव में भी इस क्षेत्र में भाजपा अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। विधानसभा उपचुनाव में भाजपा को सफलता मिली थी। ऐसे में इन जिलों की हिस्सेदारी सरकार में बढ़ाई जा सकती है।

प्रदेश में मंत्रियों की 6 सीटें रिक्त

नियमानुसार विधानसभा सदस्यों की संख्या का 15 प्रतिशत मंत्रिमंडल हो सकता है। इसमें मुख्यमंत्री भी शामिल हैं। प्रदेश में कुल 30 मंत्री बनाए जा सकते हैं। भाजपा सरकार बनने के बाद सीएम, दो डिप्टी सीएम के अलावा 22 मंत्रियों ने भी शपथ ली थी। एक को चुनाव से पहले ही मंत्री बना दिया गया था। वे चुनाव हार गए, जिससे मंत्रिमंडल की एक सीट और रिक्त हो गई। वर्तमान में मंत्रियों की छह सीटें रिक्त चल रही है। कुछ माह बाद प्रदेश में निकाय चुनाव भी प्रस्तावित है। ऐसे में पार्टी नए मंत्री बनाकर जातिगत समीकरण भी सही करना चाहती है।

पुलिया पार करते समय कार बही पिता-पुत्र सुरक्षित निकाले

बूंदी, 6 जुलाई (एजेंसियां)। श्यामू हरिपुरा मार्ग में घोड़ा पछाड़ नदी पर बनी पुलिया को पार करते समय एक कार पानी में बह गई। उसमें सवार पिता पुत्र कार डूबने से पहले सुरक्षित निकल गए। ग्रामीणों ने बताया कि जावरा रावतभाटा निवासी राजू लाल मीणा अपने पुत्र कुणाल के साथ शुक्रवार रात को श्यामू गांव में अपने परिचित के यहां मिलने जा रहे थे। श्यामू गांव की पुलिया पर उस समय पानी अधिक मात्रा में बह रहा रहा था, लेकिन राजू ने कार से पुलिया पार करना चाहा।

पुलिया के मध्य में जाकर पानी के बहाव के साथ कार बहने लगी तो कार चालक राजू ने अपने 10 वर्ष से पुत्र कुणाल को उतार कर दोनों कार से उतर गए और कार को पानी में छोड़ दिया, जिससे कार नदी में जाकर गिर गई। राजू ने सूझबूझ दिखाते हुए अपने पुत्र के साथ वापस पुलिया के दूसरे छोर पर हरिपुरा की तरफ आ गए और वहां से अपने परिचितों को फोन किया और घटना की जानकारी दी। क्रेन की मदद से कार को नदी में से बाहर निकाला। श्यामू गांव की पुलिया पर पिछले 5 दिनों से लगातार 4 फीट पानी चल रहा है, जिसके चलते आवागमन बंद है। लोग जोखिम लेकर पुलिया पार करते हैं।

बारिश का कहर, 29 जिलों में रेड अलर्ट, कई इलाके जलमग्न

जयपुर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में मानसून का दौर लगातार जारी है। रविवार को भी प्रदेश के 29 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। बीते 24 घंटे में सवाई माधोपुर, टोंक, सीकर, नागौर, जयपुर, अजमेर समेत कई जिलों में जोरदार बारिश दर्ज की गई, जिससे कई इलाकों में जलभराव और बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं।

सबसे ज्यादा बारिश सवाई माधोपुर में

प्रदेश में सबसे अधिक वर्षा सवाई माधोपुर के चौथ का बरवाड़ा में दर्ज की गई, जहां 214 मिमी बारिश हुई। इसके अलावा सवाई माधोपुर शहर में 124

मिमी, बौंली में 130 मिमी, मित्रपुरा में 50 मिमी, खंडार और मलारना डूंगर क्षेत्र में 44 मिमी बारिश दर्ज की गई। चौथ का बरवाड़ा में जलभराव के कारण कई इलाके जलमग्न हो गए हैं। यहां तक कि कलेक्ट्रेट ऑफिस में भी पानी भर गया।

राजधानी जयपुर सहित अन्य जिलों में भी तेज बारिश

जयपुर, सीकर, टोंक, भीलवाड़ा, बूंदी, झुंझुनूं सहित अन्य जिलों में 1 से 2 इंच तक वर्षा हुई।

बीसलपुर बांध, जो जयपुर को पानी सप्लाई करता है, उसका जलस्तर बढ़कर 313.74 मीटर हो गया है और त्रिवेणी नदी से लगातार पानी की आवक हो रही है। राज्य में अब तक सामान्य से 137 प्रतिशत अधिक बारिश हो चुकी है। 1 जून से 4 जुलाई तक प्रदेश में औसतन 70.5 मिमी बारिश होती है, लेकिन इस बार अब तक 167.1 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की जा चुकी है।

मौसम विभाग की चेतावनी

मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में भी कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। लोगों को सतर्क रहने और जलभराव वाले इलाकों से दूरी बनाए रखने की अपील की गई है।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से दो किसानों की मौत

सेना अधिकारी का परिवार बाल-बाल बचा

जैसलमेर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। जैसलमेर के सांगड़ थाना क्षेत्र में भेलानी टोल नाके के पास रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो किसानों की मौत हो गई।

पचपदरा (बालोतरा) निवासी दोनों किसान खेत के काम से ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर मोहनगढ़ जा रहे थे। रास्ते में ट्रैक्टर का टायर पंचर हो गया, और वे सड़क किनारे पंचर निकाल रहे थे, तभी पीछे से आई तेज रफ्तार कार ने ट्रैक्टर को टक्कर मार दी।

हादसे में किसान भूराराम (42) पुत्र सुखराम व सुरताराम (51) पुत्र अनाराम गंभीर रूप से घायल हो गए।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को एनएचएआई की एंबुलेंस से जवाहर अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

\टक्कर मारने वाली कार में आंध्र प्रदेश निवासी सेना अधिकारी एम. उमाशंकर अपने परिवार के साथ जैसलमेर आ रहे थे। हादसे में कार के एयरबैग खुलने से अधिकारी व उनके परिजन सुरक्षित रहे, उन्हें मामूली चोटें आई हैं।

मृतक भूराराम के चाचा बाबूराम ने सांगड़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद मृतक किसानों के गांव में शोक की लहर है।

भीषण सड़क हादसा, यूपी के चार लोगों की दर्दनाक मौत; कार के उड़े परखच्चे

बारां, 6 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में बारां जिले में नेशनल हाईवे-27 पर हुए भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा उस वक्त हुआ जब कार सवार उत्तर प्रदेश के लखनऊ से कोटा जा रहे थे। तभी सड़क पर गड्ढा बचाने के चक्कर में कार अनियंत्रित हो गई और आगे चल रही पिकअप में घुस गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस के मुताबिक हादसा नेशनल हाईवे-27 पर भजनपुरा के पास बीती रात 2 से 2.30 बजे के

बीच हुआ। हादसा इतना जबर्दस्त था कि तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, एक घायल युवती ने उपचार के लिए कोटा ले जाते समय दम तोड़ दिया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओमेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि गाड़ी को अमीनाबाद लखनऊ निवासीनमन चतुर्वेदी पुत्र रुक्मिणीवादी अमीनाबाद लखनऊ चला रहा था। इनके बगल की सीट पर जया शर्मा पुत्री विनोद कुमार निवासी गणेशगंज लखनऊ बैठी हुई थी। पीछे की तरफ अंशिका मिश्रा पुत्री सुनील मिश्रा निवासी गोरखपुर और राहुल कुमार पुत्र रमेश कुमार निवासी नई दिल्ली भी सवार थे। इन तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। जया शर्मा ने कोटा ले जाते वक्त रास्ते में दम तोड़ा।

डकैतों का आतंक: *उदयपुर में महिलाओं-बच्चों को बंधक बनाकर 4 घंटे लूटा*

महिला बोली- जिंदा बचना मुश्किल लग रहा था

उदयपुर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। सायरा थाना क्षेत्र के पुनावली गांव में मुख्य सड़क के पास स्थित एक घर में शुक्रवार देर रात बदमाशों ने डकैती की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। बदमाशों ने घर में महिलाओं की कनपटी पर बंदूक तानकर दो महिलाओं और दो बच्चों को बंधक बनाया। इसके बाद उनके पहने हुए जेवरों सहित पूरे घर में वारदात को अंजाम दिया।

बदमाशों ने रात 1 बजे से सुबह 5 बजे तक घर में आतंक मचाया। जहां जेवर-नकदी, मोबाइल और बाइक सब कुछ लेकर फरार हो गए। रात भर दहशत में रहे बंधक महिलाओं-बच्चों ने सुबह ग्रामीणों को सूचना दी और इसके बाद वारदात का पता चला।

पुलिस के अनुसार, वारदात ताराबाई पत्नी मांगीलाल पुरोहित के घर में हुई। घटना की सूचना पर पुलिस उपाधीक्षक सूर्यवीर सिंह राठौड़ और सायरा थानाधिकारी किशोर सिंह शक्तावत मय जाप्ता मौके पर पहुंचे। अज्ञात बदमाशों की पहचान करने और उनकी तलाश के लिए टीम गठित कर दी गई है।

6 दिन के एसओजी रिमांड पर सुरेश ढाका का साथी गणपतलाल, अब होंगे कई बड़े खुलासे!

जयपुर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। नकल प्रकरण में चार साल से फरार चल रहे इनामी आरोपी को जालोर पुलिस ने शुक्रवार देर रात सांचौर के चितलवाना से गिरफ्तार किया। आरोपी गणपतलाल नकल प्रकरण में फरार चल रहे सुरेश ढाका का साथी है। गिरफ्तार आरोपी विभिन्न नकल प्रकरणों में वांछित है। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) गणपतलाल को चितलवाना (जालोर) से जयपुर लेकर पहुंची। एसओजी ने आरोपी को अदालत में पेश कर 6 दिन के रिमांड पर लिया है।

स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) के एडीजी वी.के सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी गणपतलाल विश्नोई (31) चितलवाना (जालोर) का रहने वाला है। आरोपी पर एसओजी ने 50 हजार का इनाम घोषित कर रखा था। आरोपी काफी समय से फरार चल रहा था और लगातार अपना ठिकाना बदल रहा था।

ब्रेन डेड महिला के अंगदान से चार को मिला नया जीवन

जयपुर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। अलवर की ब्रेन डेड महिला के अंगदान से चार को नया जीवन मिला। जयपुर शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती अलवर जिले के मुंडिया खेड़ा चिकानी निवासी 43 वर्षीय महिला सुमित्रा के ब्रेन डेड घोषित होने के बाद उनके परिजनों ने अंगदान का निर्णय लिया। इस निर्णय के बाद महिला के अंगों से चार मरीजों को नया जीवन मिला। डेड महिला की दोनों किडनियों का प्रत्यारोपण

एसएमएस अस्पताल में किया गया है। एक किडनी जोधपुर निवासी 37 वर्षीय मरीज को और दूसरी किडनी जयपुर निवासी 37 वर्षीय पुरुष मरीज को दी गई।

महिला का हृदय भी एसएमएस अस्पताल में भर्ती एक पुरुष मरीज को प्रत्यारोपित किया गया है। जबकि लिवर को ग्रीन कॉरिडोर बनाकर जोधपुर एम्स भेजा गया, जहां उसका सफल प्रत्यारोपण किया गया।

सिर मुंडवाए, मूंछे कटवाई लेकिन महिलाओं को लूटने वाली गुजराती गैंग नहीं दे पाई जयपुर पुलिस को चकमा

जयपुर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। देश के अलग-अलग शहरों में महिलाओं के साथ लूट की वारदातें करने वाली गुजराती गैंग को जयपुर पुलिस ने दिल्ली में दबोच लिया। गैंग के सदस्य अलग-अलग शहरों में घूमकर ऑटो किराए पर लेते थे। फिर ऑटो में महिला सवारियों को बैठाकर उनके साथ लूट की वारदातें करते थे। गैंग के सदस्य महिलाओं से आभूषण छीनने के बाद ऑटो को सुनसान इलाके या किसी पार्किंग में खड़ा करके फरार हो जाते थे। जयपुर में एक ही दिन में दो वारदातों को अंजाम देने के बाद गैंग के सदस्य दिल्ली भाग गए। सीसीटीवी कैमरों से लुटेरों की पहचान करके जयपुर पुलिस ने लुटेरों का पीछा किया। फिर दिल्ली जाकर आरोपियों को दबोच लिया।

विधायकपुरी थाना प्रभारी बनवारी लाल मीणा ने बताया कि लुटेरी गैंग के सदस्य बड़े ही शातिर हैं। पुलिस से बचने के लिए वारदात के बाद ये लोग अपना हुलिया बदल लेते थे। इन्हें पता होता है कि शहरी क्षेत्रों में जगह जगह पर सीसीटीवी कैमरे लगे हैं जिसकी वजह से उनकी पहचान हो सकती है। जयपुर में महज एक घंटे में दो वारदातों को अंजाम देने के बाद लुटेरे दिल्ली भाग गए। पुलिस ने हुलिए के आधार पर बदमाशों की पहचान कर ली। पुलिस टीम जब दिल्ली पहुंची तब तक लुटेरे अपना हुलिया बदल चुके थे। एक बदमाश ने अपना सिर मुंडवा लिया और मुंछें कटवा ली लेकिन पुलिस ने बदमाशों को दिल्ली से दबोचा और जयपुर लेकर आई। पुलिस इंस्पेक्टर बीएल मीणा का कहना है कि इन बदमाशों ने देश के अलग अलग शहरों में दर्जनों वारदातें करना स्वीकार किया है।

सरकार का लक्ष्य लोगों को कुशल शासन प्रदान करना है : विवेकानंद

श्रम, रोजगार मंत्री ने लाभार्थियों को पट्टे वितरित किए

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम, रोजगार एवं खान राज्य मंत्री गड्डम विवेकानंद ने कहा कि सरकार का लक्ष्य राज्य के लोगों को कुशल शासन प्रदान करना है। उन्होंने रविवार को नागरिक आपूर्ति विभाग ने जिले के कोटापल्ली मंडल केंद्र में जिला कलेक्टर कुमार दीपक के साथ इंदिराम्मा आवास के लाभार्थियों को पट्टे वितरित किए।

इस अवसर पर बोलते हुए राज्य मंत्री ने कहा कि सरकार राज्य के लोगों को कुशल लोक प्रशासन प्रदान करने के उद्देश्य से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इंदिराम्मा आवास योजना के तहत पात्र सभी लोगों को मकान स्वीकृत किए जाएंगे, जिसका उद्देश्य पात्र गरीबों को घर उपलब्ध कराना है और जिनके पास अपनी जमीन है और वे पात्र हैं, उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य में प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के लिए 3 हजार 500 घरों की दर से पूरे राज्य में 4 लाख 50 हजार घर उपलब्ध कराए जाएंगे और चेन्नूर निर्वाचन क्षेत्र में 12 हजार आवेदन प्राप्त हुए हैं और सभी पात्र लोगों को उन्हें प्रदान करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार इंदिराम्मा के घर के निर्माण के लिए मुफ्त रेत उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि सरकार अवैध रेत परिवहन और रेत माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी।

उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं कि चेन्नूर निर्वाचन क्षेत्र के लोगों को अपनी पेयजल जरूरतों को पूरा करने में किसी भी कठिनाई का सामना न करना पड़े और अधिक पानी की कमी वाले क्षेत्रों की पहचान करने और बोरवेल स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं को महालक्ष्मी योजना के माध्यम से मुफ्त बस यात्रा प्रदान की गई है और इस क्रम में कोटापल्ली क्षेत्र के लिए 5 बसें मंजूर की गई हैं।

उन्होंने कहा कि मुफ्त बस योजना के माध्यम से महिलाओं को राज्य के किसी भी हिस्से में मुफ्त यात्रा प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि आरोग्यश्री योजना में 5 लाख रुपये की सीमा को बढ़ाकर 10 लाख रुपये करने से अधिक प्रकार की चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जाएंगी। शिक्षा क्षेत्र के विकास के तहत चेन्नूर निर्वाचन क्षेत्र के सोमनापल्ली में एक एकीकृत स्कूल की स्थापना की गई है और छात्रों को सभी सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। उन्होंने कहा कि पात्र लाभार्थियों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली, 500 रुपये में सब्सिडी वाला गैस सिलेंडर और सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सस्ते मूल्य की दुकानों के माध्यम से सभी सफेद राशन कार्ड धारकों को 3 महीने के लिए मुफ्त चावल प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि रैतु भरोसा योजना के माध्यम से 9 दिनों में किसानों के खातों में 9 हजार करोड़ रुपये जमा किए गए हैं और निवेश सहायता प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्येक गांव में सीसी रोड और सीवर का निर्माण शुरू और पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि चेन्नूर निर्वाचन क्षेत्र में 500 करोड़ रुपये के कोष से विकास कार्य किए जा रहे हैं। बाद में, 423 इंदिराम्मा घर लाभार्थियों को पट्टे वितरित किए गए।

कोटापल्ली मंडल केंद्र में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 5 लाख रुपये का सीएसआर प्रदान किया गया। (एससीसीएल) 2024-25 निधियों का उपयोग सोलर आर.ओ. वाटर प्लांट के उद्घाटन के लिए किया गया। उन्होंने वन महोत्सव- 2025 कार्यक्रम में भाग लिया और पौधे रोपे। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा जिले को दिए गए लक्ष्यों को संबंधित विभागों के अधिकारियों के समन्वय से पूरी तरह से हासिल किया जाना चाहिए।

बर्मिंघम में इंडिया की 58 साल में पहली जीत

दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 336 रन से हराया, आकाशदीप 10 विकेट, गिल 430 रन

बर्मिंघम, 6 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड को बर्मिंघम के एजबेस्टन ग्राउंड में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में 336 रन से हरा दिया। इसके साथ ही पांच मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर हो गई है।

608 रन के टारगेट का पीछा कर रही इंग्लैंड की टीम मैच के आखिरी दिन 271 रन पर ऑलआउट हो गई। यह इंग्लैंड की धरती पर रन के लिहाज से भारत की अब तक की सबसे बड़ी जीत है। पिछला रिकॉर्ड 279 रन से जीत का था। भारत ने 1986 में लीड्स में अंग्रेजों को इस अंतर से हराया था। साथ ही भारत ने बर्मिंघम में 58 साल में पहली जीत हासिल की है। इससे पहले यहां खेले 8 टेस्ट में से 7 में भारत को हार मिली थी और 1 मुकाबला ड्रॉ हुआ था।

मैच के आखिरी दिन इंग्लैंड ने तीन विकेट पर 72 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। बारिश के कारण मुकाबला करीब 90 मिनट की देरी से शुरू हुआ। लंच तक अंग्रेजों ने तीन विकेट और गंवा दिए। दूसरे सत्र में बाकी बचे चार विकेट गिरे। भारत के लिए आकाश दीप ने 6, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर, प्रसिद्ध कृष्णा और रवींद्र जडेजा ने एक-एक विकेट लिया।

भारत ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 587 रन बनाए थे। शुभमन गिल ने 269 रनों की पारी खेली। जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 407 रन पर सिमट गई। भारत ने अपनी दूसरी पारी 6 विकेट पर 427 रन के स्कोर पर घोषित कर दी। गिल फिर टॉप स्कोरर रहे और 161 रन बनाए। कप्तान शुभमन गिल ने इस मैच की दोनों पारियों में मिलाकर 430 रन बनाए, जबकि आकाश दीप ने 10 विकेट झटके।

एस्ट्रोनॉट शुभांशु ने आईएसएस की स्पेशल विंडो से पृथ्वी देखी

7 खिड़कियों वाले कपोला से धरती की तस्वीरें खीचीं, इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में 9 दिन पूरे

टेक्सास, 6 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) से नई तस्वीरें रविवार को सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। इसमें शुभांशु आईएसएस की स्पेशल विंडो कपोला से पृथ्वी देखते नजर आ रहे हैं।

आईएसएस में कपोला मॉड्यूल में 7 खिड़कियां हैं। कुछ तस्वीरों में शुभांशु को पृथ्वी की फोटोग्राफी करते हुए भी देखा गया। ये सभी फोटोज इसरो ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर शेयर की हैं। भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु समेत 4 एस्ट्रोनॉट ने 25 जून को कैनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरी थी। करीब 28 घंटे के सफर के बाद 26 जून को शाम 4:01 बजे आईएसएस पहुंचे।

शुभांशु को आईएसएस पर गए आज 9 दिन पूरे हो चुके हैं। वे

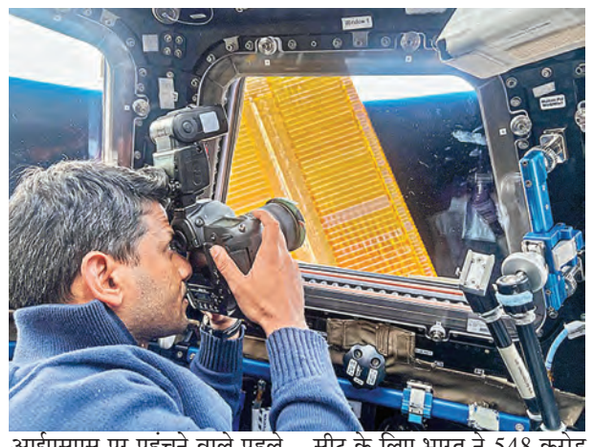

आईएसएस पर पहुंचने वाले पहले भारतीय और 1984 में राकेश शर्मा के बाद अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय हैं।

एक्सियम-4 मिशन का हिस्सा हैं शुभांशु शुक्ला :

शुभांशु शुक्ला एक्सियम-4 मिशन का हिस्सा हैं, जिसकी एक सीट के लिए भारत ने 548 करोड़ रुपये चुकाए हैं। यह एक प्राइवेट स्पेस फ्लाइट मिशन है, जो अमेरिकी स्पेस कंपनी एक्सियम, नासा और स्पेसएक्स की साझेदारी से हो रहा है। यह कंपनी अपने स्पेसक्राफ्ट में निजी अंतरिक्ष यात्रियों को आईएसएस भेजती है।

शुभांशु आईएसएस में इंडियन एजुकेशन इंस्टीट्यूट्स के 7 प्रयोग करेंगे। इनमें ज्यादातर बायोलॉजिकल स्टडीज हैं। वे नासा के साथ 5 अन्य प्रयोग करेंगे, जिसमें लंबे अंतरिक्ष मिशन के लिए डेटा जुटाएंगे। इस मिशन में किए गए प्रयोग भारत के गगनयान मिशन को मजबूत करेंगे।

शुभांशु का ये अनुभव भारत के गगनयान मिशन में काम आएगा। ये भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन है, जिसका उद्देश्य भारतीय गगनयात्रियों को पृथ्वी की निचली कक्षा में भेजना और सुरक्षित रूप से वापस लाना है।

इसके 2027 में लॉन्च होने की संभावना है। भारत में एस्ट्रोनॉट को गगनयात्री कहा जाता है। इसी तरह रूस में कॉस्मोनॉट और चीन में ताइकोनॉट कहते हैं।

कर्ज के बोझ से दबे एक किसान ने कर ली आत्महत्या

भूपालपल्ली, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। परेशान किसानों द्वारा आत्महत्या की एक और घटना में, रविवार को मल्हार मंडल के नचाराम गांव में एक 30 वर्षीय बटाईदार किसान ने कथित तौर पर ऋण चुकाने में असमर्थता के कारण अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। परिवार के सदस्यों ने बताया कि नाचाराम के एक किराएदार किसान बंदरी देवेंद्र ने मिर्च की फसल उगाने के लिए गए 4 लाख रुपये के कर्ज को चुकाने में विफल रहने के बाद कीटनाशक पी लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार दो साल मिर्च की फसल खराब होने और अपनी उपज के लिए खराब कीमतों के कारण देवेंद्र गहरे आर्थिक संकट में फंस गया था।

देवेंदर के पास कोई ज़मीन नहीं थी और वह आजीविका के लिए पूरी तरह से पट्टे पर लिए गए खेतों पर निर्भर था। लगातार घाटे और बाजार की खराब दरों के कारण उसे अपना गुज़ारा चलाने में मुश्किल आ रही थी। उसके एक परिजन की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मरने वालों की संख्या हुई 43 : दो और शवों की हुई पहचान

संगारेड्डी, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिगाची इंडस्ट्रीज लिमिटेड दुर्घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 43 हो गई है, जब दो परिवारों के डीएनए नमूने विस्फोट स्थल से बरामद क्षत-विक्षत शवों के अंगों से मेल खा गए।

मृतकों की पहचान मध्य प्रदेश के मूल निवासी चिक्कन सिंह और तेलंगाना के एम अखिल के रूप में हुई है। इससे पहले, उत्तर प्रदेश के एक अन्य कर्मचारी, जितेन्द्र, जिसका पटानचेरूवु के ध्रुव अस्पताल में इलाज चल रहा था, ने दम तोड़ दिया। शवगृह में रखे गए दो अज्ञात शवों में से एक की पहचान आंध्र प्रदेश के डी रामंजनेयुलु के रूप में हुई है। एक अज्ञात शव अभी भी शवगृह में है, जबकि सात अन्य का अभी तक पता नहीं चल पाया है। इस बीच, अधिकारियों ने घटनास्थल से बरामद 30 से ज़्यादा क्षत-विक्षत शवों को डीएनए जांच के लिए भेज दिया है। उन्हें उम्मीद है कि डीएनए रिपोर्ट मिलने के बाद दुर्घटना के बाद लापता हुए सभी लोगों की पहचान हो सकेगी।

ऑनलाइन संपत्ति कर सेवाएं शुरू

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिकों को अधिक सुविधा और पहुंच प्रदान करने के लिए, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने जीएचएमसी वेबसाइट पर संपत्ति कर सेवाएं शुरू की हैं। इनमें मूल्यांकन संशोधन, रिक्ति माफी, मालिक का नाम सुधार, दरवाजा संख्या सुधार, मूल्यांकन छूट और संपत्ति कर का स्व-मूल्यांकन शामिल हैं।

रेती लदे ट्रैक्टर को जप्त किया

डोंगली, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। डोंगली मंडल केंद्र के रेवेन्यू निरक्षक साईबाबा ने रविवार के दिन एक प्रेस मिट में बताया कि पोतगल मंडल के मंजीरा नदी से शनिवार देर रात अवैद्य रूप से ट्रैक्टर में रेती भरकर ले ज्याते समय डोंगली मंडल लिंबूर गांव में रेती से भरी एक ट्रैक्टर को पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों की शिकायत पर ट्रैक्टर को पोतगल मंजीरा जलग्रहण क्षेत्र से अवैध रूप से रेत ले जाते हुए रात करीब 2 बजे पकड़ा गया और डोंगली में तहसीलदार कार्यालय ले जाया गया। उन्होंने चेतावनी दी कि अवैध रूप से रेत ले जाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

देवशयनी एकदशी पर उस्मानशाही गौलीगुडा स्थित जंगली-विठोबा मंदिर में पूजा-आराधना करते एएमसी के वरिष्ठ सरकारी सलाहकार सदस्य ए. गौतम जैन, कांग्रेस नेता पी. राजेंद्र यादव, गजानन चौधरी, रघुनंदन गोप, शांता देवी लोढ़ा, एम. नरसिंग राव आदि।

भक्ति भाव से मनाई गई देवशयनी एकादशी

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। देवशयनी एकादशी के अवसर पर बजरंग सेना तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव ने भगवान विट्ठल और देवी रखुमाई का आशीर्वाद लेने के लिए गौलीगुड़ा स्थित पवित्र जंगल विठोबा मंदिर में जाकर दर्शन किया। दिव्य दर्शन के दौरान लक्ष्मण राव के साथ किरण, नीलेश, दीक्षिता रघुनंदन यादव सहित बडी संख्या में श्रद्धालु भी थे। इस यात्रा में भगवान विठोबा के सम्मान में गहरी भक्ति, आध्यात्मिक उत्साह और पारंपरिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया, जो महाराष्ट्र और तेलंगाना में भक्तों द्वारा मनाई जाने वाली पवित्र एकादशी उत्सव का हिस्सा है। यह त्योहार महाराष्ट्रीयन समाज का प्रमुख त्योहार माना जाता है।

चेंचू लोगों को 13,000 इंदिराम्मा घर दिए जाएंगे : मंत्री पोंगुलेटी

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व, आवास, सूचना और जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा, समाज में सबसे पिछड़े चेंचू लोगों ने दशकों से अपना घर नहीं देखा है और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली इंदिराम्मा सरकार उनके अपने घर के सपने को पूरा करेगी। रविवार को जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि वे उटनूर, भद्राचलम, मुन्नानूर और एतुरू नगरम की चार एकीकृत आदिवासी विकास एजेंसियों (आईटीडीए) के तहत 21 विधानसभा क्षेत्रों में संतृप्ति पद्धति के तहत 13,266 चेंचू परिवारों के लिए 13,266 इंदिराम्मा घरों को मंजूरी दे रहे हैं। उन्होंने कहा, राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने कई मौकों पर आदिवासी क्षेत्रों में

स्थायी घरों के निर्माण का सुझाव दिया और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने भी आदिवासी क्षेत्रों के विकास, खासकर उनके आवासीय घरों के निर्माण पर कई सुझाव दिए। राज्यपाल और मुख्यमंत्री के सुझाव और सलाह पर आदिवासी क्षेत्रों में चेंचुओं को इंदिराम्मा घर स्वीकृत किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सोमवार को वे स्थानीय विधायक डॉ. वामसी कृष्णा के साथ अचंपेट निर्वाचन क्षेत्र के मुन्नानूर में चेंचुओं को इंदिराम्मा घरों के मंजूरी दस्तावेज व्यक्तिगत रूप से सौंपेंगे। चेंचू एक जनजाति है जो जंगलों में रहती है। वे जंगलों में शिकार करके और वन उपज एकत्र करके और बेचकर अपना जीवन यापन करते हैं। यह अकल्पनीय है कि उनके पास छोटी झोपड़ियों के अलावा कोई स्थायी घर है और वे उन वन क्षेत्रों में नहीं रहते हैं। यही कारण है कि राज्य सरकार ने उन जगहों पर इंदिराम्मा घर आवंटित करने का फैसला किया है, जहां वे रहते हैं। दशकों में किसी सरकार ने इस बारे में सोचा भी नहीं है। उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में इंदिराम्मा घरों को मंजूरी देने की प्रक्रिया की निगरानी के लिए आईटीडीए परियोजना अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

बीबी का आलम जुलूस हैदराबाद में शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुहर्रम के शोक के एक हिस्से के रूप में, मुहर्रम के 10वें दिन आज का 'बीबी का आलम जुलूस' हैदराबाद में शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। सी.वी. आनंद, डीजी और पुलिस आयुक्त, हैदराबाद ने ऐतिहासिक चारमीनार से सुरक्षा व्यवस्था की व्यक्तिगत रूप से निगरानी की। उन्होंने जुलूस को सुचारू रूप से आगे बढ़ाने के लिए सभी अधिकारियों को समय पर निर्देश दिए। मुहर्रम के शोक के पिछले 10 दिनों से, सी.वी. आनंद के नेतृत्व में हैदराबाद सिटी पुलिस ने कड़े सुरक्षा उपाय और कुशल यातायात प्रबंधन लागू किया था। यह विशाल बीबी का आलम जुलूस दबीरपुरा (दारुल शिफा) के आशुरखाना से शुरू हुआ। जुलूस के दौरान "अलम" को लक्ष्मी, कर्नाटक राज्य से लाया गया एक हाथी पर ले जाया गया। कानून एवं व्यवस्था तथा यातायात विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आनंद ने जुलूस की देखरेख की। हैदराबाद सिटी पुलिस की ओर से चारमीनार में लम को माला और 'दत्तियां' (प्रसाद) भेंट की गईं। बीबी का आलम जुलूस के लिए 3,000 से अधिक पुलिसकर्मियों ने कड़ी सुरक्षा प्रदान की। सक्रिय योजना और सभी आवश्यक उपायों के कारण, बीबी का आलम जुलूस हैदराबाद में बिना किसी अप्रिय घटना के शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। इस अवसर पर, सी.वी. आनंद, डीजी और पुलिस आयुक्त, हैदराबाद में सभी शिया समुदाय के सदस्यों को धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम में विक्रम सिंह मान (अतिरिक्त पुलिस आयुक्त एलएंडओ), डी. जोएल डेविस आईपीएस (संयुक्त सीपी ट्रैफिक), रक्षिता कृष्ण मूर्ति आईपीएस (डीसीपी सीएआर मुख्यालय), स्नेहा मेहरा (डीसीपी साउथ जोन), अन्य पुलिस अधिकारियों के साथ उपस्थित थे।

दंपत्ति को धोखा देने के आरोप में महिला गिरफ्तार

आदिलाबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। फर्जी जमीन के दस्तावेजों का इस्तेमाल कर एक घर की जमीन बेचकर एक दंपति को धोखा देने के आरोप में रविवार को एक महिला को गिरफ्तार किया गया।

मामले में एक अन्य आरोपी अभी भी फरार है। आदिलाबाद I टाउन इंस्पेक्टर के फणीधर ने बताया कि ब्रुंडवन कॉलोनी की एक रियल एस्टेट एजेंट दसारी ज्योति को गेदेम देवीदास और उनकी पत्नी ज्योत्सना को जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करके खानपुर इलाके में एक घर की जमीन बेचकर धोखा देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। दंपति ने तीन साल पहले इस जमीन के लिए 3.30 लाख रुपये का भुगतान किया था। उसका साथी मोहम्मद कलीम अभी भी फरार है।

पूछताछ के दौरान ज्योति ने कबूल किया कि उसने जल्दी पैसे कमाने के लिए कलीम के साथ धोखाधड़ी की थी। उसने कलीम के नाम पर ज़मीन की रजिस्ट्री करने की बात स्वीकार की, जबकि उसने पहले ही देवीदास के साथ एक समझौता कर लिया था। यह प्लॉट पहले ही कलीम को बेचा जा चुका था।

देवीदास और ज्योत्सना को तब एहसास हुआ कि उनके साथ धोखा हुआ है जब ज्योति प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन पूरा किए बिना रजिस्ट्रार ऑफिस से भाग गई। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार अनुरोध करने के बावजूद भी उसने पैसे वापस करने से इनकार कर दिया।

आज भाजपा प्रदेश कार्यालय नामपल्ली में अमर बलिदानी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी जयंती के अवसर पर प्रेम सिंह राठौड़, टी. उमा महेंद्र भाजपा अध्यक्ष गोलकोंडा, राकेश जयसवाल नगरसेवक जामबाग मंडल, अमरसिंह, हरि काका, महेंद्र, जय तिवारी व अन्य नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उन्हें भावभीनी पुष्पांजलि अर्पित की।

जगतियाल कांग्रेस नेता सीएमआरएफ फंड दुरूपयोग मामले में बेनकाब

जगतियाल, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में एक कांग्रेस नेता द्वारा सरकारी सहायता के दुरूपयोग का कथित मामला सामने आया है, इस बार मामला कोडिमियल मंडल में मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) से जुड़ा है। कोडिमियल निवासी गुडीपल्ली राजू ने पिछले साल करीमनगर के एक अस्पताल में रीढ़ की सर्जरी करवाई थी, जिसके लिए उनसे 1.34 लाख रुपये लिए गए थे। इसके बाद उन्होंने सीएमआरएफ के तहत वित्तीय सहायता के लिए आवेदन किया। पिछले साल 10 अक्टूबर को 34,000 रुपये की राशि मंजूर की गई थी, लेकिन राजू को चेक नहीं मिला। जब उन्होंने अपने आवेदन की स्थिति जानने के लिए चोपडांडी विधायक कैंप कार्यालय से संपर्क किया, तो उन्हें बताया गया कि चेक मल्लियाल कृषि बाजार समिति के उपाध्यक्ष गद्दाम जीवन रेड्डी के पास है।

पूछताछ करने पर जीवन रेड्डी ने बताया कि चिंतलापल्ली निवासी राजू नामक एक अन्य व्यक्ति ने यह राशि निकाल ली है।

हरीश राव ने किसानों की आत्महत्या में तीव्र गिरावट के लिए केसीआर को दिया श्रेय

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस विधायक टी हरीश राव ने 2015 से 2022 के बीच किसानों की आत्महत्या में भारी गिरावट का श्रेय के चंद्रशेखर राव की एक दशक लंबी सरकार को दिया। उन्होंने कहा कि किसान समर्थक नीतियों के कार्यान्वयन से तेलंगाना में आमूलचूल परिवर्तन आया है। 2015 से 2022 तक के एनसीआरबी डेटा का हवाला देते हुए, बीआरएस विधायक ने देश के प्रमुख राज्यों में किसानों की आत्महत्या के हिस्से का तुलनात्मक विश्लेषण एक्स पर साझा किया। महाराष्ट्र का हिस्सा 34.05 प्रतिशत से बढ़कर 37.62 प्रतिशत हो गया, कर्नाटक 12.45 प्रतिशत से बढ़कर 21.18 प्रतिशत हो गया, और आंध्र प्रदेश 7.26 प्रतिशत से बढ़कर 8.12 प्रतिशत हो गया, जबकि तेलंगाना में सात साल के भीतर 11.1 प्रतिशत से घटकर सिर्फ़ 1.57 प्रतिशत रह गया।

उन्होंने कहा, आप सहमत या असहमत हो सकते हैं, लेकिन तथ्य यह है कि 10 साल के केसीआर शासन ने तेलंगाना को उल्लेखनीय रूप से बदल दिया है और किसानों की आत्महत्या को अब तक के सबसे निचले स्तर पर ला दिया है। केसीआर के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना की जानी चाहिए।

हरीश राव ने कई महत्वपूर्ण पहलों की सूची दी, जिनसे न केवल ग्रामीण आजीविका में सुधार हुआ, बल्कि कृषि संकट में भी उल्लेखनीय कमी आई। इनमें रायथु बंधु प्रत्यक्ष लाभ योजना, दो बार कृषि ऋण माफी, कलेश्वरम और पलामुरु-रंगारेड्डी जैसी प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं का निर्माण, यूरिया और गुणवत्तापूर्ण बीजों की सुनिश्चित आपूर्ति और मशीनीकरण सहायता शामिल हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विश्व मुक्केबाजी कप में भारत का शानदार प्रदर्शन

पांच मुक्केबाज फाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय मुक्केबाजों ने विश्व मुक्केबाजी कप में शानदार प्रदर्शन जारी रखा। मीनाक्षी, साक्षी, पूजा रानी, हितेश गुलिया और जुगनू ने शानदार जीत दर्ज करते हुए विश्व मुक्केबाजी कप में अपने भार वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया। कजाखस्तान में भारतीय मुक्केबाजी दल ने अब 11 पोडियम स्थान सुनिश्चित कर लिए हैं, जिसमें रविवार को छह स्वर्ण पदक मुकाबले शामिल हैं।

अभिनाश जामवाल (पुरुष 65 किग्रा) आज ही सेमीफाइनल खेलेंगे जिससे भारत एक और स्वर्ण पदक की दौड़ में होगा। मीनाक्षी ने 48 किग्रा सेमीफाइनल में तुर्की की नर्सलेन याल्गेटकिन को 5-0 से हराकर भारत की जीत की शुरुआत की। इसके बाद साक्षी ने उज्बेकिस्तान की फेरुजा काजाकोवा पर दबदबा बनाया और समान अंतर की जीत से 54 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में पहुंची। ओलंपियन पूजा रानी ने 80 किग्रा वर्ग में तुर्की की एलिफ गुनेरी को पीछे छोड़ते हुए 3-2 के फैसले के साथ फाइनल में प्रवेश किया।

नूपुर ने शुक्रवार को 80 किग्रा से अधिक वर्ग में अपना फाइनल स्थान पक्का कर लिया था जिससे चार भारतीय महिला मुक्केबाज फाइनल में पहुंच गई। संजू (60 किग्रा) ने कजाखस्तान की विक्टोरिया ग्राफेयेवा से 0-5 से हारने से पहले कड़ी टक्कर दी और अब उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना होगा। भारत ने इस साल की शुरुआत में ब्राजील में विश्व मुक्केबाजी कप के पहले चरण में कुल छह पदक जीते थे जिसमें केवल पुरुष मुक्केबाजों ने भाग लिया था।

यह पहली बार है कि महिला मुक्केबाज विश्व मुक्केबाजी कप में भाग ले रही हैं। ब्राजील चरण के स्वर्ण पदक विजेता हितेश गुलिया पुरुषों के 70 किग्रा वर्ग में फ्रांस के माकन ट्रोरे के खिलाफ पहले दौर के बाद मुश्किल में दिखे। लेकिन 20 वर्षीय मुक्केबाज ने दूसरे राउंड में काफी जोरदार मुक्के मारे और अंतर कम किया। तीसरे और अंतिम राउंड में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई। इसके बाद जुगनू (पुरुष 85 किग्रा) ने इंग्लैंड के टीगन स्कॉट को 5-0 से हरा दिया।

नोवाक जोकोविच ने रचा इतिहास, विंबलडन में पूरी की 100वीं जीत, चौथे दौर में हुई दमदार एंट्री

लंदन, 6 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने विंबलडन 2025 में बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। सर्बियाई साथी खिलाड़ी मियोमिर केकमानोविच को सीधे सेटों में 6-3, 6-0, 6-4 से हराकर विंबलडन में अपनी 100वीं जीत दर्ज की। यह मुकाबला उनके करियर का तीसरा राउंड था और जीत के साथ उन्होंने प्री-क्वार्टरफाइनल (चौथे दौर) में जगह बना ली।

जोकोविच अब तक 7 बार विंबलडन के पुरुष एकल खिताब जीत चुके हैं और यह उनका 20वां विंबलडन टूर्नामेंट है। इस जीत के साथ उनका विंबलडन में कुल रिकॉर्ड 100 जीत और सिर्फ 12 हार का हो गया है। वह अब सिर्फ तीसरे ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने सिंगल्स में विंबलडन में 100 जीत हासिल की है। उनसे पहले यह कारनामा केवल रोजर फेडरर और मार्टिना नवरातिलोवा ने किया है।

मैच के बाद जोकोविच ने कही ये बात

मैच के बाद जोकोविच ने कहा कि टेनिस ने मुझे वो सब कुछ दिया है जो आज मैं हूं। इस उम्र में भी खेल पाना और जीत पाना मेरे लिए किसी वरदान से कम नहीं है। मैं इस पल को बहुत सम्मान और कृतज्ञता के साथ लेता हूं। इस मैच में जोकोविच का प्रदर्शन दमदार रहा। उन्होंने इस ग्रैंड स्लैम सीजन का पहला 'बगेल' (6-0 सेट) भी दर्ज किया और महज 1 घंटे 47 मिनट में जीत अपने नाम की।

सेमीफाइनल में जापान के निशिमोटो से हारे श्रीकांत, भारत का टूर्नामेंट में सफर समाप्त

कैलगरी, 6 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के किदांबी श्रीकांत कनाडा ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जापान के केंटा निशिमोटो से 21-19, 14-21, 18-21 से हार गए। उनकी हार के साथ ही कनाडा ओपन में भारत की चुनौती समाप्त हो गई।

श्रीकांत ने पहला गेम 21-19 से जीतकर मुकाबले की मजबूत शुरुआत की थी, लेकिन उनके जापानी प्रतिद्वंद्वी ने अगले दो गेम में कड़ी टक्कर दी और एक घंटे 18 मिनट तक चले गेम को जीत लिया। एक वक्त निर्णायक गेम में स्कोर 18-18 से बराबर हो गया था। हालांकि, इसके बाद निशिमोटो ने कमजोर रिटर्न पर अटैक किया और फिर श्रीकांत ने दो बार शॉट वाइड मारकर मैच जापानी खिलाड़ी के झोली में डाल दिया।

इससे पहले, पूर्व विश्व चैंपियनशिप रजत पदक विजेता, जो इस साल मई में मलयेशिया मास्टर्स के फाइनल में पहुंचे थे, ने शुक्रवार को 43 मिनट के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में दुनिया के छठे नंबर के खिलाड़ी चोउ टिएन-चेन को 21-18, 21-9 से हराया था।

2022 विश्व जूनियर चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यन ने 79 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल में निशिमोटो से 15-21, 21-5, 17-21 से हारने से पहले शानदार टक्कर दी थी। महिला एकल में, श्रेयांशी वलीशेट्टी का प्रभावशाली प्रदर्शन डेनमार्क की अमाली शुल्ज से हारने के बाद समाप्त हो गया।

शुभमन गिल पर विराट कोहली ने लुटाया प्यार

एजबेस्टन की रिकॉर्डतोड़ पर कहा इतिहास को दोबारा लिख रहे हो

खेल डेस्क, 6 जुलाई (एजेंसियां)। टीम इंडिया का इंग्लैंड दौरा शुरू होने से पहले सबकी जुबान पर एक ही सवाल था- क्या नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल टीम इंडिया में नंबर-4 पर विराट कोहली की जगह लेंगे? अगर नंबर-4 पर खेलते हैं तो क्या वो कोहली जैसी यादगार पारियां खेल पाएंगे या उस तरह लगातार रन बरसा पाएंगे? सिर्फ 2 टेस्ट मैच के अंदर गिल ने इन सब सवालों के जवाब धमाकेदार अंदाज में दिए हैं. लीड्स और एजबेस्टन में शतकों की बारिश कर गिल ने साबित कर दिया कि वो इस पोजिशन के सही हकदार हैं. भारतीय कप्तान के इस लाजवाब प्रदर्शन को देखकर विराट कोहली भी खुद को नहीं रोक पाए और उन्होंने गिल को 'स्टार बॉय' बताते हुए जमकर तारीफ की.

तुम इसके हकदार हो- कोहली

एजबेस्टन टेस्ट मैच की पहली पारी में दोहरा शतक लगाने के बाद भारतीय कप्तान गिल ने दूसरी पारी में भी शतक जमा दिया. गिल ने मैच के चौथे दिन एक तूफानी पारी खेली और सिर्फ 162 गेंदों में 161 रन कूट दिए. इसके साथ ही एक टेस्ट मैच में दोहरा शतक और शतक जमाने वाले वो भारत के सिर्फ दूसरे बल्लेबाज बन गए. गिल ने जहां इस पारी से कई रिकॉर्ड तोड़े, वहीं दुनियाभर के दिग्गजों की तारीफ भी हासिल की. मगर इसमें गिल के लिए सबसे खास बातें कही उनके आदर्श और टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने.

पिछले कुछ वक्त से मीडिया और सोशल मीडिया से दूर चल रहे कोहली ने दूसरी पारी में गिल के शतक के बाद अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक स्टोरी पोस्ट की. इसमें कोहली ने गिल की फोटो लगाई थी और उन्हें स्टार बताया. कोहली ने लिखा, "बहुत अच्छा खेले स्टार बॉय. इतिहास को दोबारा लिख रहे हो. यहां से आगे और ऊपर बढ़ो. तुम इस सबके हकदार हो."

गिल ने तोड़े कोहली के रिकॉर्ड

कोहली ने 2014 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट क्रिकेट में अपनी कप्तानी की शुरुआत की थी और शुरुआती दो मुकाबलों में ही 3 शतक जमा दिए थे. कोहली की ही तरह करीब 11 साल बाद युवा कप्तान के रूप में भारत की टेस्ट टीम की कमान संभालने वाले गिल ने भी विदेशी जमीन पर अपनी कप्तानी की शुरुआत की और शुरुआती 2 मैच में ही 3 शतक जमा दिए. गिल ने तो बल्कि कोहली के ही रिकॉर्ड तोड़ डाले. कोहली ने जहां बतौर कप्तान अपनी पहली सीरीज में 449 रन बनाए थे, वहीं गिल ने तो सिर्फ 2 मैच में ही 585 रन बना लिए हैं. इतना ही नहीं, गिल अब इंग्लैंड में बतौर कप्तान कोहली के सबसे ज्यादा 592 रन के रिकॉर्ड को तोड़ने के भी करीब हैं.

ग्रेनेडा टेस्ट- ऑस्ट्रेलिया की बढ़त 254 रन की हुई

तीसरे दिन दूसरी पारी में स्कोर- 221/7; ग्रीन-स्मिथ ने हाफ सेंचुरी लगाई

ग्रेनेडा, 6 जुलाई (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम बनाम ऑस्ट्रेलिया राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला 3 जुलाई से ग्रेनेडा के नेशनल क्रिकेट स्टेडियम, सेंट जॉर्जेस में खेला जा रहा है. जिसके तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी में 7 विकेट के नुकसान पर 221 रन बना लिए हैं और अब उन्हें वेस्टइंडीज पर 254 रन की मजबूत बढ़त मिल चुकी है. पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया ने 286 रन बनाए थे, जिसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 253 रन पर ऑलआउट हो गई थी. दूसरी पारी में इंग्लैंड की टीम लडखडाई, टीम इंडिया 7 जीत से विकेट दूर; यहां देखें चौथे दिन का स्कोरकार्ड

दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत बेहद खराब रही. सलामी बल्लेबाज सैम कोनस्टास खाता खोले बिना आउट हो गए, जबकि उस्मान ख्वाजा भी सिर्फ 2 रन बनाकर चलते बने. इसके बाद कैमरून ग्रीन (52) और स्टीव स्मिथ (71) ने पारी को संभालते हुए चौथे विकेट के लिए अहम साझेदारी की. ट्रैविस हेड ने 39 रन बनाए, जबकि विकेटकीपर एलेक्स कैरी 26 रन बनाकर नाबाद हैं. कप्तान पैट कमिंस 4 रन पर नाबाद हैं. वेस्टइंडीज के लिए जेडन सील्स ने 16 ओवर में सिर्फ 29 रन देकर 2 विकेट झटके. शमार जोसेफ और जस्टिन ग्रेव्स ने भी 2-2 विकेट अपने नाम किए. ऑस्ट्रेलिया की बढ़त अब निर्णायक होती जा रही है और मैच पर उनकी पकड़ मज़बूत हो गई है. चौथे दिन की शुरुआत में वे बढ़त को और बढ़ाने की कोशिश करेंगे.

वेस्टइंडीज की पहली पारी

ब्रिस्बेन टेस्ट के दूसरे दिन वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 73.2 ओवर में 253 रन बनाए. एक समय टीम संकट में थी, लेकिन ब्रैंडन किंग ने 75 रन की शानदार पारी खेलकर टीम को संभाला. उन्होंने 108 गेंदों में 8 चौके और 3 छक्के लगाए. सलामी बल्लेबाज़ क्रैग ब्रैथवेट खाता खोले बिना आउट हो गए, जबकि जॉन कैंपबेल ने तेज़ 40 रन बनाए. मध्यक्रम में शाई होप (21) और शमार जोसेफ (29) ने उपयोगी योगदान दिया. ऑस्ट्रेलिया के लिए नाथन लायन ने 19 ओवर में 75 रन देकर 3 विकेट चटकाए, जबकि पैट कमिंस और जोश हेजलवुड को 2-2 विकेट मिले. ब्यू वेबस्टर और ट्रैविस हेड ने 1-1 सफलता हासिल की.

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी

नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 66.5 ओवर में 286 रन बनाए. टीम की शुरुआत लड़खड़ाई थी, लेकिन एलेक्स कैरी (63 रन) और ब्यू वेबस्टर (60 रन) की अर्धशतकीय पारियों ने पारी को संभाला. सलामी बल्लेबाज़ सैम कोनस्टास ने 25 रन बनाए, जबकि उसमान ख्वाजा (16) और स्टीव स्मिथ (3) जल्दी आउट हो गए. कैमरून ग्रीन (26) और ट्रैविस हेड (29) ने भी उपयोगी योगदान दिया. वेस्टइंडीज के लिए अल्जारी जोसेफ सबसे सफल गेंदबाज़ रहे, जिन्होंने 15.5 ओवर में 61 रन देकर 4 विकेट चटकाए. जेडन सील्स ने 2, जबकि शमर जोसेफ, जस्टिन ग्रेव्स और एंडरसन फिलिप ने 1-1 विकेट लिया.

बांग्लादेश ने किया जबरदस्त पलटवार

तनवीर इस्लाम के पंजे में फंसी श्रीलंका, 16 रन से जीता मैच

कोलंबो, 6 जुलाई (एजेंसियां)। तनवीर इस्लाम की घातक गेंदबाजी और परवेज हुसैन एमोन के बेहतरीन फिफ्टी से बांग्लादेश ने दूसरे वनडे में श्रीलंका को 16 रन से हरा दिया। मुकाबले में बांग्लादेश की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 45.5 ओवर में 248 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में मेजबान श्रीलंकाई टीम 48.5 ओवर में 232 रन बनाकर सिमट गई। इस जीत के साथ ही बांग्लादेश की टीम ने दमदार वापसी करते हुए सीरीज को 1-1 से बराबर कर दिया। ऐसे में तीन मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला अब निर्णायक हो गया है। तीसरा वनडे मैच में मंगलवार को पल्लेकेले में खेला जाएगा।

बल्लेबाजी में बांग्लादेशी टीम की शुरुआत कुछ खास नहीं रही थी। टीम ने अपना पहला विकेट सिर्फ 10 रन के स्कोर पर गंवा दिया। तंजीद हसन के रूप में बांग्लादेश को पहला झटका लगा था। हालांकि, इसके बाद एमोन और नजमुल हुसैन शांतो ने शुरुआती विकेट के दूसरे विकेट के लिए 63 रनों की साझेदारी की। शांतो श्रीलंका के कप्तान चरित असलंका द्वारा 14 रन पर आउट हो गए, लेकिन एमोन ने 69 गेंदों में 67 रन बनाए। एमोन की इस अर्धशतकीय पारी के कारण बांग्लादेश की टीम 200 रन के स्कोर को पार करने में सफल रही।

एमोन के अलावा तौहीद हृदय ने भी बैटिंग में अहम भूमिका निभाई। हृदय ने 69 गेंदों में 51 रन बनाए, जिसमें दो चौके शामिल थे। इसके अलावा बांग्लादेश की तरफ से तजीम हसन साकिब ने 21 गेंदों में 33 रनों का योगदान जबकि जकर अली ने 24 और शमीम हुसैन ने 22 रन बनाए। बॉलिंग में श्रीलंका की तरफ से फर्नांडो ने 35 रन देकर 4 विकेट लिए और हसरंगा के खाते में 3 विकेट आया।

श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने टीम को किया निराश

249 रनों का पीछा करते हुए, श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका एक बार फिर असफल रहे और साकिब द्वारा 5 रन पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए। निसांका टेस्ट सीरीज में दो शतकों के साथ शानदार फॉर्म में थे, लेकिन पहले वनडे में वह शून्य पर आउट हो गए थे।

अनिमेष कुजूर-मोहम्मद अफसल का कमाल

यूरोप में अलग-अलग स्पर्धाओं में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़े

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। स्टार धावक अनिमेष कुजूर ने यूनान में ड्रोमिया इंटरनेशनल स्प्रिंट एंड रिलेज मीटिंग प्रतियोगिता में 10.18 सेकेंड के शानदार समय के साथ 100 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। 22 वर्षीय कुजूर ने यूनान की राजधानी एथेंस में गुरिंदरवीर सिंह के 100 मीटर के पहले के राष्ट्रीय रिकॉर्ड 10.20 सेकेंड को बेहतर बनाया।

यूनान के सोटिरियोस गारगागनिस (10.23 सेकेंड) और सैमुली सैमुएलसन (10.28 सेकेंड) विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर सिल्वर लेबल मीट में क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। कुजूर के नाम अब 100 मीटर और 200 मीटर दोनों राष्ट्रीय रिकॉर्ड हैं। उन्होंने मई में दक्षिण कोरिया में एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के पुरुषों की 200 मीटर फ़ाइनल में 20.32 सेकेंड का समय निकाल पिछला राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा था।

इससे पहले एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता मोहम्मद अफसल ने अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया और पोलैंड के पोजनान में मेमोरियल चेस्लावा साइबुलस्कीगो में पुरुषों की 800 मीटर दौड़ में 1:45 मिनट के अंदर का समय निकालने वाले पहले भारतीय बन गए। अफसल ने हांग्झोउ में 2022 एशियाई खेलों में रजत पदक जीता था। उन्होंने 1:44.96 मिनट का समय निकाला और टूर्नामेंट की हीट ए 1 में छठे स्थान पर रहे।

बालाजी और बोलिपल्ली को झटका

अपनी-अपनी जोड़ियों के साथ विंबलडन से बाहर

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के एन श्रीराम बालाजी और रित्विक बोलिपल्ली विम्बलडन पुरुष युगल के दूसरे दौर में यहां अपनी-अपनी जोड़ियों के साथ हार कर टूर्नामेंट से बाहर हो गये। बालाजी और मैक्सिको के उनके जोड़ीदार मिगुएल रेयेस-वारेला ने चौथी वरीयता प्राप्त मार्सेल ग्रैनोलर्स और होरासियो जेबालोस की जोड़ी को कड़ी टक्कर दी लेकिन सीधे सेटों में हार गए। स्पेन-अर्जेंटीना की जोड़ी ने गैर वरीयता प्राप्त बालाजी और रेयेस-वारेला को एक घंटे 20 मिनट तक चले मुकाबले में 6-4, 6-4 से हराया। बोल्लिपल्ली और उनके कोलंबिया के उनके जोड़ीदार निकोलस बैरिएंटोस ने भी छठी वरीयता प्राप्त सैलिसबरी और नील स्कूपस्की की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी को कड़ी टक्कर दी। भारत और कोलंबिया के खिलाड़ियों की जोड़ी को हालांकि एक घंटे 47 मिनट के मुकाबले में 4-6, 6-7 से हार का सामना करना पड़ा। रोहन बोपन्ना पहले दौर में हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गए थे। इस ग्रास कोर्ट मेजर में हालांकि भारतीय चुनौती अभी बरकरार है जिसमें युकी भांबरी दूसरे दौर का मुकाबला खेलेंगे। इस बीच पुरुषों के एकल में कृष त्यागी चेक गणराज्य के जान कुमस्टैट के खिलाफ 3-6, 3-6 से हारकर पहले दौर से बाहर हो गए।

2,847 गैर-जमानती वारंटों का निष्पादन

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस ने 2,847 गैर-जमानती वारंटों का निष्पादन किया, जो पिछले दो वर्षों से लंबित थे। राचकोंडा के पुलिस आयुक्त जी सुधीर बाबू ने कहा कि सुनवाई के लिए अदालत में उपस्थित नहीं होने वाले लोगों को पकड़ने के लिए उप-निरीक्षकों और चार कांस्टेबलों की 14 टीमें गठित की गई थीं। टीमें महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और अन्य राज्यों में गईं, जिसे सुधीर बाबू ने राचकोंडा पुलिस की सबसे बड़ी व्यावसायिक उपलब्धियों में से एक बताया। उन्होंने कहा कि 40 दिनों के भीतर कुल 2,847 वारंटों की तामील की गई और पकड़े गए लोगों को अदालत में पेश किया गया। उन्होंने कहा कि गैर-जमानती वारंटों की तामील और जिन लोगों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किए गए हैं, उन्हें गिरफ्तार करने से आपराधिक तत्वों में डर पैदा करने में मदद मिलेगी।

विपक्ष के सामने अनिश्चित भविष्य : भट्टी

डिप्टी सीएम ने इंदिराम्मा आवास भूमि वितरण समारोह में भाग लिया

मधिरा, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि विपक्षी दल अपने भविष्य को लेकर चिंतित है और असहायता की स्थिति में पहुंच गया है, क्योंकि राज्य सरकार कई कल्याणकारी योजनाएं और विकास पहल जारी रखे हुए है। उपमुख्यमंत्री ने इंदिराम्मा आवास भूमि वितरण समारोह में भाग लिया और बाद में रविवार को मधिरा विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष चिंतित है और साजिश कर रहा है क्योंकि कांग्रेस पार्टी की योजनाएं मौलिक रूप से जीवन बदल रही हैं। लेकिन चाहे वे कितनी भी साजिशें रच लें, जनता की सरकार डटी रहेगी और जनता के लिए अथक काम करेगी।," विक्रमार्क ने बताया कि तेलंगाना में 1.10 करोड़ परिवार हैं और इंदिराम्मा सरकार लगभग 93 लाख परिवारों को कम से कम एक कल्याणकारी लाभ प्रदान कर रही है। उपमुख्यमंत्री ने कहा, "केवल डेढ़ साल में, हमने जन्म से लेकर बुढ़ापे तक जीवन के हर चरण के लिए किसी न किसी तरह के कल्याणकारी कार्यक्रम को लागू किया है।" विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, "जिन लोगों ने दस साल तक शासन किया, लोगों की जरूरतों को वोटों में बदलकर केवल अपने हितों की देखभाल की - समस्याओं का समाधान नहीं किया। वे अपने शासन से पहले कांग्रेस सरकार द्वारा स्वीकृत घरों के बिलों का भुगतान भी नहीं कर सके। इसके बजाय, वे विलासिता से रहते थे, राज्य को लूटते थे और लोगों की पीड़ा को नजरअंदाज करते थे।" भट्टी विक्रमार्क ने कहा, "अगर बीआरएस सरकार ने अपने दस साल के कार्यकाल के दौरान गरीबों के लिए घर बनाए होते, तो आज इंदिराम्मा आवास पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ती।" उन्होंने पूर्ववर्ती शासकों पर भारी मात्रा में ऋण लेकर और उन्हें चुकाने के लिए भावी पीढ़ियों को बाध्य करके राज्य को कर्ज में डुबाने का आरोप लगाया। "अब हमें उनके ऋणों पर मूलधन और ब्याज दोनों का भुगतान करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। जब हमने सत्ता संभाली थी, तब वित्तीय व्यवस्था चरमराई हुई थी। लेकिन मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में पूरा मंत्रिमंडल दिन में 18 घंटे काम कर रहा है, हर रुपया जुटा रहा है और हर पैसा गरीबों के लिए खर्च कर रहा है," भट्टी ने कहा। "पिछले एक दशक से गरीब घर का सपना देखते हुए व्यर्थ इंतजार कर रहे थे। इंदिराम्मा सरकार के सत्ता में आने के बाद ही लोगों को विश्वास हुआ कि यह सपना सच हो सकता है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने सरकार बनाते ही पहले चरण में 4.5 लाख घरों का निर्माण शुरू कर दिया, जिसमें प्रति घर 5 लाख रुपये खर्च किए गए, इस तरह पहले साल में ही कुल 22,500 करोड़ रुपये खर्च हुए - किसी अन्य राज्य में निवेश का यह स्तर नहीं देखा गया। उन्होंने कहा, "यह सरकार केवल कांग्रेस कार्यकर्ताओं या नेताओं के लिए नहीं है - यह सभी सच्चे गरीबों के लिए है। हम उन सभी के लिए घर बना रहे हैं, जिन्हें इसकी जरूरत है।"

गोलकोंडा जगदंबिका 51वां वार्षिक बोनालु महोत्सव आयोजित

सब्जीमंडी गंगापुत्र संगम के तत्वावधान में हुआ कार्यक्रम

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सब्जीमंडी गंगापुत्र संगम और गोलकोंडा बोनाला महोत्सव समिति के तत्वावधान में श्री श्री श्री जगदम्बिका गोलकोंडा येलम्मा बोनालु महोत्सव का आयोजन पिछले 51 वर्षों से किया जा रहा है। इस वर्ष, 51वें वार्षिक बोनालु उत्सव के सम्मान में, देवी को एक विशाल थोटेला और बोनम चढ़ाया गया। एक विशाल थोटेला न्यू गंगानगर के श्री श्री श्री कनकदुर्गा मंदिर से प्रारंभ होकर सब्जीमंडी स्थित माता महाकाली मंदिर तक पहुंचा। वहां से देवी के लिए बोनम और थोटेला का एक विशाल जुलूस निकाला गया। पोताराजूस के विन्यास और विशेष वेशभूषा के साथ, भक्तों की एक बड़ी भीड़ श्री श्री श्री गोलकोंडा येलम्मा मंदिर पहुंची और देवी को थोटेला और बोनम अर्पित की। इस कार्यक्रम में गंगापुत्र संगम के अध्यक्ष दोरथुला श्रीनिवास, महासचिव आनंदेसी वेणुबाबू, श्री श्री श्री जगदंबिका गोलकोंडा येलम्मा बोनालु उत्सव समिति के अध्यक्ष कट्टा श्रीनिवास, महासचिव मंगोडी सुरेश मंगाली पट्ठी बाला नरसिम्हा, मुख्य अतिथि एमएलसी कल्वाकुंतला कविता मुशीराबाद विधायक मुतागोपाल, तेलंगाना राज्य मत्स्य निगम के अध्यक्ष मेट्टू साईकुमार गंगापुत्र, गंगापुत्र संगम के कार्यकारी अधिकारी और श्री श्री नल्ला पोचम्मा और माता महाकाली मंदिर समिति सदस्यों ने भाग लिया।

पोन्नम ने विकास पर सवाल उठाने के लिए तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष की आलोचना की

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के प्रदर्शन पर सवाल उठाने के लिए नवनियुक्त भाजपा तेलंगाना अध्यक्ष एन रामचंदर राव की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने विकास संबंधी मुद्दों के बारे में राज्य सरकार को संबोधित करने के भाजपा नेता के फैसले पर असहमति व्यक्त की और कहा कि भाजपा के पास कांग्रेस सरकार पर सवाल उठाने का अधिकार नहीं है। रविवार को यहां एक विज्ञप्ति में पोन्नम प्रभाकर ने टिप्पणी की कि ग्यारह साल पहले जब से भाजपा ने राष्ट्रीय स्तर पर सत्ता संभाली है, तब से उसने लगातार देश के लोगों को धोखा दिया है। उन्होंने कहा कि पार्टी के नेता पिछले तीन चुनावों के दौरान किए गए महत्वपूर्ण वादों को पूरा करने में विफल रहे हैं, जिससे लोगों की उम्मीदें निराश हुई हैं। भाजपा सरकार ने कोई ठोस उपलब्धि हासिल नहीं की है; यह केवल खोखले वादे करती है, दुश्मनी को बढ़ावा देती है और लोगों के बीच झूठ का प्रचार करती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भाजपा का किसानों, युवाओं, महिलाओं, वंचितों और अल्पसंख्यक समुदायों सहित विभिन्न समूहों को निराश करने का पुराना रिकॉर्ड है। मंत्री ने टिप्पणी की कि तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष द्वारा मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को विकास के संबंध में पत्र भेजना अजीब बात है, जबकि केंद्र सरकार हर मामले में तेलंगाना के साथ अन्याय कर रही है। पोन्नम प्रभाकर ने रामचंदर राव को सलाह दी, "यदि आपमें क्षमता है, तो अपने पत्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित करें और चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा करें। हालांकि, डेढ़ साल पहले बनी कांग्रेस सरकार को पत्र लिखना आपकी अंधी नफरत को दर्शाता है।"

पुलिस बनकर जालसाजों ने ठगे 53 लाख रुपये

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर जालसाजों ने खुद को दिल्ली का वरिष्ठ पुलिस अधिकारी बताकर शहर के एक व्यक्ति से 53 लाख रुपये की ठगी कर ली। साइबर अपराध अधिकारियों के अनुसार , पीड़ित को एक साइबर जालसाज का फोन आया, जिसने खुद को दिल्ली पुलिस का डिप्टी कमिश्नर (डीसीपी) होने का दावा किया। वीडियो कॉल पर पुलिस की वर्दी में दिखने वाले जालसाज ने शिकायतकर्ता को बताया कि उसके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया गया है और उसके बैंक खाते जल्द ही फ्रीज कर दिए जाएंगे। उसने यह भी दावा किया कि उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है और औपचारिक जांच चल रही है।

अधिकारियों ने कहा, 'डर की रणनीति का उपयोग करते हुए, घोटालेबाज ने पीड़ित को अपनी सारी जीवन की बचत आरबीआई द्वारा सत्यापन के लिए एक बैंक खाते में स्थानांतरित करने के लिए राजी कर लिया और आश्वासन दिया कि सत्यापन के बाद पैसा वापस जमा कर दिया जाएगा।' घोटाले को वैध दिखाने के लिए जालसाज ने कई जाली दस्तावेज भेजे, जिनमें वित्त विभाग का एक पावती पत्र, आरबीआई और सुप्रीम कोर्ट का फ्रीजिंग आदेश, एक फंड पर्यवेक्षण प्रमाणपत्र और एक कानून प्रवर्तन निरीक्षण नोटिस शामिल था। इन दस्तावेजों को असली मानकर और कानूनी परेशानी के डर से शिकायतकर्ता ने जालसाज के बैंक खाते में कुल 53 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। धोखाधड़ी का पता तब चला जब साइबर क्राइम पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई।

45 किलो गांजा के साथ 4 गिरफ्तार

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राजकीय रेलवे पुलिस ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर कथित तौर पर गांजा की तस्करी कर रहे 3 महिलाओं सहित 4 लोगों को गिरफ्तार किया और उनके पास से 45 किलोग्राम गांजा जब्त किया। गिरफ्तार किए गए लोगों में बाली आतिश पवार, रोहित गदाजी, रजनी रोहित और पद्मा अशोक शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार, बाली आतिश पवार ने तीन अन्य गिरफ्तार लोगों के साथ मिलकर ओडिशा के भूरा और आशीष कुमार से गांजा खरीदा था। जीआरपी ने बताया, 'महिलाओं ने ओडिशा से सस्ते दाम पर गांजा खरीदा और महाराष्ट्र में इसे ऊंचे दामों पर बेचा। शुक्रवार को ओडिशा से गांजा खरीदने के बाद चारों लोग ट्रेन से सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पहुंचे। वे दूसरी ट्रेन पकड़ने के लिए इंतजार कर रहे थे, तभी जीआरपी कर्मियों ने उन्हें पकड़ लिया।' फरार संदिग्धों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

कोयला प्रेषण लक्ष्य को सिंगरेनी ने कर लिया पार

शुरू होने वाली हैं नई खदानें

पेद्दापल्ली, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही, अप्रैल से जून के दौरान अपने कोयला प्रेषण लक्ष्य का 100 प्रतिशत और कोयला उत्पादन लक्ष्य का 99 प्रतिशत हासिल किया। 16 मिलियन टन कोयला प्रेषण लक्ष्य के मुकाबले एससीसीएल ने 16.6 मिलियन टन कोयला प्रेषण लक्ष्य हासिल किया, जो 103 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज करता है। कोयला उत्पादन 15.99 मिलियन टन रहा, जो 16 मिलियन टन के लक्ष्य के मुकाबले 99 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज करता है।

एससीसीएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक एन. बलराम ने शनिवार को हैदराबाद के सिंगरेनी भवन में सभी परिचालन क्षेत्रों के निदेशकों और महाप्रबंधकों के साथ तिमाही प्रदर्शन की समीक्षा की। प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त करते हुए, बलराम ने निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में सभी टीमों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने अधिकारियों को चालू मानसून सत्र के दौरान खुली खदानों से निर्बाध कोयला उत्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

जुलाई के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए उन्होंने कंपनी को प्रतिदिन 2.15 लाख टन कोयला भेजने तथा 1.8 लाख टन उत्पादन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कोठागुडम में वीके ओपनकास्ट खदान के लिए भूमिपूजन समारोह, जिसके लिए सभी स्वीकृतियां प्राप्त हो चुकी हैं, इस महीने के अंत तक आयोजित किया जाना चाहिए। बलराम ने अधिकारियों से इलांदु जेके कोयला खदान और गोलेटी कोयला खदान के लिए पर्यावरण और वन मंजूरी प्राप्त करने की प्रक्रिया में तेजी लाने को भी कहा।

एसआई अशोक के परिजनों को साथियों ने सौंपा 26 लाख का चेक

सड़क हादसे में सब-इंस्पेक्टर व कांस्टेबल की हो गई थी मौत

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। "कई लोगों का एक छोटा सा योगदान, उन लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकता है जिन्हें इसकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत है।" आंध्र प्रदेश और तेलंगाना दोनों के 2009 बैच के सब-इंस्पेक्टर यह कहावत चरितार्थ कर दिया। आज, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना दोनों के 2009 बैच के सब-इंस्पेक्टर के लगभग 1100 पुलिस अधिकारी अपने प्रिय बैचमेट एम. अशोक, पुलिस सब-इंस्पेक्टर और एसएचओ, अलमुरु पुलिस स्टेशन, कोनसीमा जिले को अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि और संवेदना व्यक्त करने के लिए एकत्रित हुए। एम. अशोक 26 जून 2025 की सुबह ड्यूटी पर रहते हुए कोडाद के पास एक घातक सड़क दुर्घटना में दुखद रूप से मारे गए। इस दुर्घटना में उनके साथी कांस्टेबल ब्लेसन जीवॉन की भी मृत्यु हो गई। एकजुटता और समर्थन के प्रतीक के रूप में, 2009 बैच के अधिकारियों ने अशोक के गृहनगर नरसापुरम का दौरा किया, जहाँ उन्होंने उनके शोक संतप्त परिवार से मुलाकात की, जिसमें उनकी पत्नी, बी.टेक प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रहे एक बड़े बेटे और 9वीं कक्षा में पढ़ने वाले एक छोटे बेटे शामिल थे। अधिकारियों ने भावनात्मक समर्थन दिया और इस कठिन समय में परिवार के साथ खड़े रहने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।अपने बैच की परंपरा के अनुसार, 2009 बैच एसआई वेलफेयर सोसाइटी द्वारा परिवार को 26 लाख रुपए का चेक सौंपा गया, जो संकट के समय बैचमेट्स और उनके परिवारों को सहायता प्रदान करने के लिए बनाई गई थी। बाद में, अधिकारियों ने कांस्टेबल ब्लेसन जीवॉन के गृहनगर आलमुरु का भी दौरा किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। उनके परिवार को 5 लाख रुपए की वित्तीय सहायता भी प्रदान की गई। वर्ष 2009 बैच एसआई वेलफेयर सोसाइटी (एपी और टीएस) की स्थापना 2020 में बैच के अधिकारियों के बीच एकता और आपसी सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी। अपनी स्थापना के बाद से, सोसाइटी ने उन बैचमेट्स के परिवारों को वित्तीय सहायता के रूप में लगभग 2 करोड़ वितरित किए हैं, जिन्होंने मृत्यु, बीमारी या आपात स्थिति सहित दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों का सामना किया है। वर्ष 2009 बैच के इस कदम ने पुलिस बिरादरी के भीतर एकता, भाईचारे और करुणा का एक उल्लेखनीय उदाहरण स्थापित किया है। उनकी पहल से प्रेरित होकर, दोनों तेलुगु राज्यों के कई अन्य बैचों ने भी ज़रूरत के समय एक-दूसरे का समर्थन करने के लिए इसी तरह की कल्याणकारी समितियों की स्थापना की ।

कृषि विश्वविद्यालय में कटे पेड़ों से छात्रों में आक्रोश

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राजेंद्रनगर में कृषि विश्वविद्यालय के छात्रों ने परिसर में पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचाने के लिए अधिकारियों को दोषी ठहराया। उन्होंने शनिवार रात को जेसीबी मशीनों का उपयोग करके बड़ी संख्या में पेड़ों को रातों-रात हटाने के लिए अधिकारियों की आलोचना की। रिपोर्टों से पता चलता है कि पुलिस सुरक्षा के साथ विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारियों ने 20 एकड़ में फैले पेड़ों को गिराया। आधी रात के आसपास, छात्रावास के गेट बंद कर दिए गए और छात्रों को बाहर निकलने और संचालन को बाधित करने से रोकने के लिए बाहर पुलिस तैनात कर दी गई।

छात्रों ने आलोचना की कि राज्य सरकार पारिस्थितिकी तंत्र को बाधित करने पर आमादा है और काम को तुरंत रोकने की मांग की।हालांकि, विश्वविद्यालय के कुलपति ने इस खबर की निंदा की है और लोगों से झूठे प्रचार पर विश्वास न करने का आग्रह किया है। रविवार को यहां जारी विज्ञप्ति में कुलपति ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय में हरियाली विकास कार्यक्रम के तहत पर्यावरण के लिए हानिकारक कुछ दशक पहले लगाए गए सुबाबुल और यूकेलिप्टस के पेड़ों को नीलामी के जरिए हटाने का प्रोजेक्ट आईटीसी को दिया गया है। उन्होंने बताया कि भूजल प्रदूषण और विश्वविद्यालय की जमीन को नुकसान पहुंचाने वाले पेड़ों को हटाने का कार्यक्रम पिछले एक महीने से चल रहा है। कुलपति ने आगे बताया कि सोमवार को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी विश्वविद्यालय परिसर में 'वन महोत्सव' कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे।

डाक विभाग को घर-घर जाकर सामान पहुंचाने की दी जाए अनुमति

रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों से कहा गया

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आरवी कर्णन ने रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) से आग्रह किया है कि वे डाकियों को पत्र, स्पीड पोस्ट, पार्सल और अन्य सामान जैसे डाक सामग्री घर तक पहुंचाने की अनुमति दें। यह अपील तेलंगाना डाक विभाग की उस शिकायत के मद्देनजर की गई है जिसमें कहा गया था कि डाकियों को बहुमंजिला अपार्टमेंटों, गेटेड समुदायों और बहुमंजिला इमारतों में डाक सामग्री वितरित करने का प्रयास करते समय अक्सर प्रवेश से वंचित कर दिया जाता है या उन्हें अनुचित प्रतिबंधों का सामना करना पड़ता है।

हैदराबाद मुख्यालय क्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल (पीएमजी) ने हाल ही में जीएचएमसी आयुक्त को बताया कि डाकियों और अन्य डिलीवरी कर्मचारियों को पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड, ई-कॉमर्स, संस्थानों और खुदरा चैनलों से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पार्सल जैसे पत्रों की डोर डिलीवरी में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। डिलीवरी कर्मचारियों को अक्सर सुरक्षा कर्मियों द्वारा प्रवेश से इनकार करने, यात्री लिफ्टों का उपयोग करने से प्रतिबंध लगाने और निर्दिष्ट पार्किंग स्थानों की कमी के कारण डिलीवरी वाहनों को लावारिस छोड़ने के लिए कहा जाने जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है।

इसके जवाब में, कर्णन ने क्षेत्रीय और उपायुक्तों को निर्देश दिया है कि वे सुनिश्चित करें कि आरडब्ल्यूए, डाकियों को दरवाजे तक सामान पहुंचाने की अनुमति दें, बिना किसी भेदभाव के यात्री लिफ्टों का उपयोग करें और सामान पहुंचाने वाले वाहनों के लिए सुरक्षित और निर्दिष्ट पार्किंग स्थान उपलब्ध कराएं। पीएमजी ने कहा कि आरडब्ल्यूए को डाकघर अधिनियम, 2023 के तहत स्वीकृत लेटरबॉक्स स्थापित करने और उनका रखरखाव करना चाहिए और कहा कि सभी डाकियों और डिलीवरी कर्मचारियों को डिलीवरी की पुष्टि के लिए मोबाइल फोन और अपडेट किए गए जीपीएस निर्देशांक का उपयोग करके घर-घर पत्र और पार्सल पहुंचाने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। पता पाने वालों से अनुरोध है कि वे अपने अनुपलब्ध होने की स्थिति में अपने अधिकृत प्रतिनिधियों को भविष्य की डिलीवरी के लिए डाकिया को लिखित प्राधिकरण प्रदान करें। जीएचएमसी आयुक्त ने बताया, 'सरकारी कर्मचारी को आधिकारिक कर्तव्यों के पालन में बाधा डालना भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 221 के तहत दंडनीय अपराध है और लगातार गैर-अनुपालन के मामलों में आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की जा सकती है।'

जुलाई में दो बार गरुड़ वाहन सेवा मनाई जाएगी

तिरुपति, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गुरु पूर्णिमा और गरुड़ पंचमी के अवसर पर, जुलाई महीने में तिरुमाला में दो बार गरुड़ वाहन सेवा मनाई जाएगी। 10 जुलाई को शुभ गुरु पूर्णिमा के अवसर पर और 29 जुलाई को गरुड़ पंचमी के बाद, श्री मलयप्पा स्वामी अपने भक्तों को चार माडा सड़कों पर शाम 7 बजे से 9 बजे के बीच परेड करते हुए शक्तिशाली गरुड़ वाहन पर आशीर्वाद देंगे।

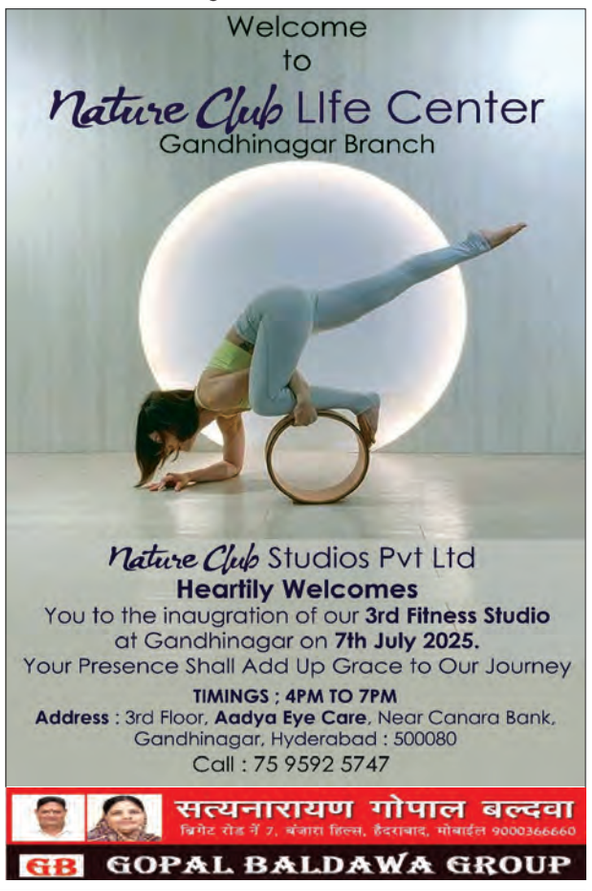

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.